5 नवंबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

जनता का मन बदल रहा है, अब मुद्दों पर होगा मतदान : प्रशांत किशोर 2

सेना में अग्निवीर से युवाओं को नहीं मिल रहा लाभ : राहुल

❍ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एनडीए सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी। पटना

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अग्निवीर का राग फिर अलापा है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने सेना में अग्निवीर लागु किया गया है। इससे देश के युवाओं को लाभ नहीं मिल रहा है। राहुल गांधी औरंगाबाद पहुंचे,। जहां उन्होंने परसा मैदान में औरंगाबाद सदर के कांग्रेस प्रत्याशी आनंद शंकर सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। सभा में उन्होंने सरकार पर जमकर निशाना साधा और आनंद शंकर सिंह को वोट देने की भी अपील की। इस दौरान पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व कुटुम्बा से पार्टी प्रत्याशी राजेश कुमार, बिहार कांग्रेस के प्रभारी रहे कृष्णा अल्लावरु, औरंगाबाद के राजद सांसद अभय कुमार कांग्रेस प्रत्याशी आनंद शंकर सिंह, ओबरा से राजद प्रत्याशी ऋषि कुमार, गोह से राजद प्रत्याशी अमरेंद्र कुमार, रफीगंज से राजद प्रत्याशी गुलाम शाहिद एवं नबीनगर से राजद प्रत्याशी अमोद चंद्रवंशी भी मौजूद रहे।

नीतीश से नही चल रही सरकार

राहुल गांधी ने कहा कि नीतीश कुमार 20 साल से सत्ता में हैं, लेकिन उनसे सरकार चल नहीं रही है। अब जनता नीतीश कुमार को हटाने की तैयारी कर रही है। बिहार के लोग अलग-अलग प्रदेशों में मेहनत-मजदूरी करते हैं। बड़ी-बड़ी इमारतें, सड़कें, टनल, फैक्ट्रियां, ये सभी बिहार के लोग बनाते हैं। आपको नीतीश कुमार ने देश का मजदूर बना दिया है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम बिहार आकर युवाओं से कहते हैं कि रील बनाओ, क्योंकि हमने आपको सस्ता डेटा दिया है। जबकि हकीकत यही है कि बिहार के युवाओं को रोजगार चाहिए। नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि बिहार का युवा रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य पर सवाल न पूछे, रील देखता रहे और पैसा अडानी-अंबानी की जेब में जाए। यह 21वीं सदी का नशा है और जिसे बिहार के युवाओं को दिया जा रहा है।

एनडीए सरकार में बदली है बिहार की दशा : नीतीश

खगड़िया विधानसभा क्षेत्र के मथुरापुर मैदान में मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भव्य और ऐतिहासिक जनसभा में उमड़े जनसैलाब ने एनडीए प्रत्याशी बबलू कुमार मंडल को जीत दिलाने का मजबूत संदेश दिया। बबलू मंडल को जिताएं, और अधिक काम होगा के नारों से गूंजते मैदान में जनता ने खगड़िया के विकास का नया अध्याय लिखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष राजकुमार फोगला ने की, जबकि मंच संचालन भाजपा जिलाउपाध्यक्ष जितेंद्र यादव ने संभाला। मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर के उतरते ही नीतीश कुमार जिंदाबाद के जयकारों से पूरा मैदान गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2005 से पहले के बिहार की स्थिति को याद करते हुए कहा कि पहले न सड़क थी, न स्कूल, न अस्पताल, न बिजली। अब बिजली, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य का नया युग चल रहा है। उन्होंने कहा कि अपराध और भयमुक्त समाज बनाकर बिहार को विकास की राह पर लाया गया है। लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग सिर्फ अपने परिवार के लिए राजनीति करते हैं, लेकिन मेरा परिवार पूरा बिहार है।

बाराबंकी में कार व ट्रक की टक्कर में आठ की गई जान

एजेंसी। बाराबंकी

बाराबंकी के देवा फतेहपुर मार्ग पर सोमवार रात तेज रफ्तार ट्रक और कार में हुई भिड़ंत हो गई। जिसमें मौके पर छह लोगों की मौत हो गई थी। जबकि दो लोगों ने रात में इलाज के दौरान ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया। कार में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो चुकी है। दो शवों का पोस्टमार्टम लखनऊ में किया जा रहा है जबकि छह शव पोस्टमार्टम हाउस में रखे गए हैं, जिनका पोस्टमार्टम शुरू किया गया। पुलिस के मुताबिक फतेहपुर कस्बे के भाजपा नेता गिरधर गोपाल की बिना नंबर की नई अर्टिगा कार लेकर कस्बे के ही मौलवीगंज निवासी प्रदीप रस्तोगी (55) अपने परिवार के साथ कानपुर के बिठूर में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। शाम को लौटते समय जैसे ही उनकी कार कल्याणी नदी पुल के करीब पहुंची, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से जोरदार टक्कर लगी। सड़क दुर्घटना के बाद टैंकर का ड्राइवर मौके से फरार हो गया, अभी मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने टैंकर को पकड़ने के लिए घेराबंदी शुरू करदी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस सड़क दुर्घटना पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि, ष्जनपद फतेहपुर में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार हेतु निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान व घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

6 नवंबर को 121 सीटों पर वोटिंग, दांव पर कई दिग्गज

विधानसभा चुनाव के पहले चरण का थमा प्रचार

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का प्रचार थम गया है। 6 नवंबर को 121 सीटों पर मतदान होगा। राघोपुर, महुआ और तारापुर जैसी हॉट सीटों पर तेजस्वी यादव, सम्राट चैधरी, तेज प्रताप और अन्य दिग्गजों की साख दांव पर है। अब सभी की निगाहें 6 नवंबर पर टिकी हैं, जब राज्य की 121 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। चुनाव आयोग ने पहले चरण की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस चरण में मुकाबला मुख्य रूप से एनडीए और महागठबंधन के बीच माना जा रहा है, लेकिन प्रशांत किशोर की पार्टी ह्यजन सुराजह्न ने चुनावी जंग को दिलचस्प बना दिया है। प्रचार थमने से पहले सभी दलों ने अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में वोट की अपील की। एनडीए में भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), हम (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। वहीं, महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, वीआईपी, भाकपा, भाकपा-माले और माकपा एकजुट होकर मैदान में हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण में कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1,192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। पहले चरण में कई हाईप्रोफाइल सीटें चर्चा में हैं। राघोपुर से राजद के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव का मुकाबला भाजपा के सतीश कुमार यादव से है। तारापुर में उपमुख्यमंत्री सम्राट चैधरी (भाजपा) और राजद के अरुण कुमार के बीच कड़ा मुकाबला है। महुआ सीट पर लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव और जदयू के मुकेश कुमार रौशन आमने-सामने हैं। इसके अलावा अलीनगर से भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर और छपरा से भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव मैदान में हैं, जिनकी लोकप्रियता चुनावी चर्चा का केंद्र बनी हुई है। पहले चरण में तेजस्वी यादव, सम्राट चैधरी, विजय कुमार सिन्हा, तेज प्रताप यादव, उमेश कुशवाहा, खेसारी लाल यादव और मैथिली ठाकुर जैसे दिग्गज उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी। इसके अलावा लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा नाम भी शामिल है।

18 जिलों की 121 सीटों पर 1314 प्रत्याशी मैदान में हैं

बिहार में पहले चरण मतदान के लिए गजट नोटिफिकेशन 10 अक्टूबर को जारी किया गया था। 10 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक पहले चरण के नामांकन की प्रक्रिया हुई। दीपावली के दिन, 20 अक्टूबर को नाम वापसी की अंतिम तारीख थी। पहले चरण के लिए 18 जिलों की 121 सीटों पर नामांकन हुआ। यह जिले हैं- मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, पटना, भोजपुर और बक्सर। इन 121 सीटों पर कुल 2496 नामांकन दाखिल हुए थे। जांच के क्रम में 1939 को वैध पाया गया। उनमें से 70 प्रत्याशियों ने नामांकन बाद में वापस ले लिया। इसके बाद, कई सेट में नामांकन की छंटनी करते हरेक प्रत्याशी के एक नामांकन को लिया गया तो प्रत्याशियों की कुल वास्तविक संख्या 1314 रह गई।

चुनावकर्मियों की गतिविधि बढ़ी

दीपावली-छठ की छुट्टी के बीच राजनीतिक दलों का प्रचार किसी तरह चला, लेकिन छठ के बाद जब गति बढ़ी भी तो जनसभाओं और माइक के प्रचार पर ही सारा ध्यान रहा। होर्डिंग-बोर्ड-बैनर और पोस्टर वगैरह बहुत कम नजर आए। अब 6 नवंबर को मतदान की तैयारी शुरू हो गई है। मतदान कर्मियों को आज इन सभी जिलों में ड्यूटी संबंधित कागजात लेने के लिए बुलाया गया। कल सभी मतदान कर्मी ईवीएम-वीवीपैट आदि लेंगे और रात में मतदान केंद्र पर पहुंच भी जाएंगे, ताकि 6 नवंबर को सुबह 5 बजे से मॉक पोल कराने के बाद निर्धारित समय पर मतदान शुरू करा सकें। मतदान शुरू होने का समय आम तौर पर सुबह 7 बजे रखा गया है और वोटिंग खत्म होने का समय शाम 6 बजे है। कुछ सीटों पर यह समय 5 बजे शाम तक रखा गया है।

पश्चिमी पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ मैदानी इलाकों में भारी बारिश की संभावना

एजेंसी। नई दिल्ली

शरद की ठिठुरन अब सर्दी की ठंड में बदलने वाली है। उत्तर भारत आज यानी 4 नवंबर से मौसम के एक बड़े उलटफेर की दहलीज पर खड़ा है, जहां पश्चिमी पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ मैदानी इलाकों में बारिश-गर्जन की संभावना है और तापमान में तेज गिरावट दर्ज होगी। दिल्ली-एनसीआर में सुबह से ही घना स्मॉग शहर को जकड़े हुए है और हालात अगले कुछ दिनों में और बिगड़ सकते हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के लोगों को सलाह दी गई है कि घर से दूर निकलने के पहले मौसम का जायजा ले लें। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार उत्तर भारत में 4 नवंबर से मौसम के बदलाव की गति तेज होने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ आज से सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज-चमक के साथ बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार हैं। कुछ स्थानों पर ओले और तेज हवाओं के चलने की संभावना भी जताई गई है, जिनकी गति लगभग 40-50 किमी प्रति घंटा रह सकती है। मैदानी इलाकों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश, बादल और तेज हवाएं चल सकती हैं इससे तापमान में गिरावट आएगी और सर्दी की शुरूआत महसूस होगी। कृषि क्षेत्रों में इन हवाओं और संभावित बूंदाबांदी का असर खरीफ की अंतिम कटाई और गेहूं की बुवाई पर पड़ सकता है।आईएमडी के अनुसार उत्तर भारत में अगले 72 घंटों में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में हुआ रेल हादसा, छह लोगों की मौत

पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी की जोरदार टक्कर

एजेंसी। बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मंगलवार सुबह बड़ा रेल हादसा हुआ है। कोरबा पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी के बीच हुई टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई है। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारी और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं। रेलवे कर्मी मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हुए हैं और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। फिलहाल हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है, जिसकी जांच जारी है। रेलवे की रेस्क्यू टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। घटना के बाद आसपास के क्षेत्रों से लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए, जिससे वहां भीड़ जुट गई है। अधिकारियों ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुटे हैं, हादसे के कारणों की जांच जारी है।

विज्ञान, तकनीक, एआई, साइबर सुरक्षा और रक्षा उद्योग में सहयोग पर जोर

भारत-इजराईल के बीच समझौता, विकसित करेंगे सैन्य उपकरण

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और इस्त्राइल ने उन्नत तकनीक साझा करने और मिलकर रक्षा उपकरण बनाने के लिए बड़ा समझौता किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह दोनों देशों के रणनीतिक और रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगा। समझौते में विज्ञान, तकनीक, एआई, साइबर सुरक्षा और रक्षा उद्योग में सहयोग पर जोर दिया गया है। यह दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। रक्षा सहयोग के लिए इस समझौते (एमओयू) पर तेल अवीव में भारत-इस्त्राइल रक्षा सहयोग की संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक के बाद हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह समझौता दोनों देशों के बीच पहले से मजबूत रक्षा संबंधों को और गहरा करने के लिए एक समान दृष्टिकोण और नीति को दिशा देने के मकसद से किया गया है। मंत्रालय ने कहा, भारत-इस्त्राइल की रक्षा साझेदारी लंबे समय से चली आ रही है, जो आपसी भरोसे और साझा सुरक्षा हितों पर आधारित है। समझौते में सहयोग के कई क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिनसे दोनों देशों को फायदा होगा। मंत्रालय के मुताबिक, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपसी रणनीतिक वातार्लाप, प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग में सहयोग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और विकास, तकनीकी नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसे विषय शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि यह समझौता उन्नत तकनीकों के आदान-प्रदान को संभव बनाएगा और साथ में रक्षा उत्पादों के संयुक्त विकास और निर्माण को बढ़ावा देगा। संयुक्त कार्य समूह ने मौजूदा रक्षा सहयोग की परियोजनाओं की समीक्षा की और माना कि दोनों देशों को एक-दूसरे की शक्तियों से लाभ मिला है।

डुमरांव विधानसभा में कल चलेगा जनता का तीर या चमकेगा सितारा आज थम गया चुनाव प्रचार

पीके बादल/केसठ

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी अपने चरम पर है। गुरुवार को यानी 6 नवंबर को मतदान होना है और मंगलवार को प्रचार का शोर थम गया। सभी प्रमुख दलों के उम्मीदवारों ने अंतिम दिन तक अपने-अपने समर्थकों के साथ दमखम दिखाते हुए जनता के बीच वोट की अपील की। यहां का माहौल इस वक्त पूरी तरह चुनावी रंग में रंगा हुआ है चाय की दुकानों से लेकर नुक्कड़ों तक बस एक ही चर्चा है कि इस बार कौन चलाएगा तीर, कौन चमकाएगा सितारा और किसके साथ जाएगी जनता की सवारी।

एनडीए और महागठबंधन आमने-सामने

एनडीए गठबंधन की ओर से इस बार प्रचार में बड़े नेताओं की फौज उतारी गई। गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और सांसद मनोज तिवारी ने जनसभाओं के माध्यम से जेडीयू प्रत्याशी राहुल सिंह के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। वहीं महागठबंधन की ओर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की रैली ने क्षेत्र में नई ऊर्जा भर दी। उनके भाषणों में बेरोजगारी, शिक्षा और स्थानीय मुद्दे केंद्र में रहे। इसी बीच, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी बक्सर और डुमरांव में जनसभाएं कर राजनीतिक समीकरणों को नया मोड़ दे दिया है। पीके की रैली में जुटी भीड़ ने यह संकेत जरूर दिया कि जनता इस बार हर विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रही है।

प्रत्याशियों ने झोंकी पूरी ताकत

प्रत्येक प्रत्याशी ने गांव-गांव, टोले-टोले तक जाकर जनसंपर्क किया। कहीं मोटर वाहन रैली निकाली गई, तो कहीं महिलाओं के समूहों में बैठकर संवाद हुआ।रात-दिन घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से आशीर्वाद लेने की होड़ मची रही। मंगलवार की शाम तक प्रचार थम गया, उसके बाद प्रत्याशी सिर्फ घर-घर संपर्क और बूथ प्रबंधन पर ध्यान देंगे।

डुमरांव का चुनावी इतिहास

डुमरांव सीट का इतिहास उतना ही दिलचस्प है जितनी यहां की राजनीतिक धरातल की विविधता। 2020 में भाकपा (माले) के अजीत कुमार सिंह ने 71,320 वोट पाकर जीत दर्ज की थी। 2015 में जेडीयू के ददन यादव ने लगभग 81,000 वोट पाकर जीत हासिल की। 2010 में भी जेडीयू ने ही इस सीट पर कब्जा जमाया था। यानी डुमरांव कभी जेडीयू तो कभी वाम दलों के पाले में झूलता रहा है। इस बार समीकरण बेहद पेचीदा हैं जातीय और स्थानीय मुद्दे दोनों अपनी भूमिका निभाएंगे। 6 नवंबर को मतदान होगा और 14 नवंबर को मतगणना के दिन यह तय होगा कि तीर चलेगा, हाथी गरजेगा या सितारा चमकेगा। फिलहाल हर दल का दावा है कि इस बार जनता उनके पक्ष में है, लेकिन डुमरांव के मतदाता किसे चुनेंगे यह रहस्य अभी 24 घंटे के भीतर ही खुल जाएगा।

डुमरांव में जनसुराज का दमदार शक्ति प्रदर्शन, कहा कि जाति नहीं, विकास बनेगा बिहार की पहचान

जनता का मन बदल रहा है, अब मुद्दों पर होगा मतदान : प्रशांत किशोर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की सड़कों पर मंगलवार की दोपहर राजनीति के नए समीकरण बनते नजर आए, जब जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने भव्य रोड शो के जरिए जनता का रुख मापा। करीब तीन बजे शुरू हुए इस रोड शो में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। जगह-जगह समर्थकों ने फूल बरसाकर प्रशांत किशोर और जनसुराज प्रत्याशी शिवांग विजय सिंह का स्वागत किया। कुछ स्थानों पर जेसीबी मशीनों से पुष्पवर्षा की गई, जिससे माहौल पूरी तरह चुनावी जोश में डूब गया। प्रशांत किशोर ने उत्साहित भीड़ से अपील करते हुए कहा कि इस बार बिहार की जनता जाति, धनबल और बाहुबल की राजनीति से ऊपर उठकर बेरोजगारी, पलायन, अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ वोट करेगी। उन्होंने कहा कि लोग अब नारे या जातीय समीकरण नहीं, बल्कि अपने बच्चों

के भविष्य और राज्य के विकास के लिए मतदान करना चाहते हैं। उन्होंने नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव की सरकारों पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार के लोग बीते तीन दशकों से उन्हीं चेहरों को देख रहे हैं, लेकिन अब जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार में ऐतिहासिक परिवर्तन होने जा रहा है, और जनसुराज की सरकार राज्य में नई राजनीति की शुरूआत करेगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर जनसुराज की सरकार बनती है तो राज्य से पलायन रुकेगा, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में आमूल-चूल सुधार होगा और भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार के नौजवानों के पास अब एक विकल्प है, ह्लजनसुराजह्व का जो न तो जातीय समीकरणों पर चलता है और न ही सत्ता की लूट में यकीन रखता है। रोड शो के दौरान जनसुराज समर्थक ह्लबदलाव लाओ, बिहार बचाओह्व और ह्लअबकी बार जनसुराज सरकारह्व जैसे नारे लगाते रहे। पूरे कार्यक्रम में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही।कई जगहों पर प्रशांत किशोर रुककर आम लोगों से सीधे संवाद करते नजर आए। उन्होंने कहा कि राजनीति को ठीक करने का काम जनता ही कर सकती है, और इस बार बिहार की जनता यह जिम्मेदारी निभाने को तैयार है। डुमरांव में जनसुराज का यह रोड शो न केवल राजनीतिक प्रदर्शन था, बल्कि एक संदेश भी, कि बिहार की जनता अब मुद्दों पर बात करना चाहती है। प्रशांत किशोर की यह अपील कि इस बार वोट अपने भविष्य के लिए दें, किसी नेता के लिए नहीं, लोगों के दिलों में उतरती दिखी।

डुमरांव का यह जनसैलाब इस बात का संकेत था कि बिहार की राजनीति में हवा धीरे-धीरे बदल रही है कि और इस बार जनता अपने निर्णय से इतिहास लिखने को तैयार है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ० वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ० अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉंव

चुनाव को लेकर नया भोजपुर में पुलिस प्रशासन अलर्ट

अर्धसैनिक बलों के साथ फ्लैग मार्च से बढ़ा सुरक्षा का भरोसा

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर नया भोजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अपना लिया है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार के निर्देशन में एएसआई मोहम्मद शाहिद के नेतृत्व में अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) के जवानों के साथ मंगलवार को क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च की शुरूआत थाना परिसर से हुई, जो पुराना भोजपुर, नया भोजपुर, प्रतापसागर, नवाडेरा सहित कई संवेदनशील और अतिसंवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने स्थानीय लोगों से शांति, भाईचारा और निष्पक्ष मतदान की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों, राहगीरों और आम नागरिकों से संवाद कर चुनाव के दौरान शांति बनाए रखने का संदेश दिया। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि चुनाव को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। किसी भी प्रकार की अराजकता या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुरक्षा बल लगातार गश्त कर रहे हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। संवेदनशील बूथों और इलाकों की विशेष निगरानी की जा रही है ताकि मतदान के दिन किसी भी अप्रिय घटना की संभावना न रहे। फ्लैग मार्च के दौरान लोगों में पुलिस की सक्रियता को लेकर सुरक्षा और विश्वास की भावना स्पष्ट रूप से झलकती दिखी। नागरिकों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में सहयोग का भरोसा दिलाया।

महागठबंधन प्रत्याशी डॉ. अजीत सिंह ने किया जनसंपर्क, बोले मेरी जीत सुनिश्चित

केटी न्यूज/डुमरांव

विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन डुमरांव में मंगलवार को महागठबंधन प्रत्याशी सह वर्तमान विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने सोवा सहित कई पंचायतों में जोरदार जनसंपर्क अभियान चलाया। गांव-गांव घूमकर उन्होंने मतदाताओं से संवाद किया और अपने पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के बीच रखा। डॉ. सिंह ने कहा कि जनता से मिलकर यह स्पष्ट हो गया है कि लोग विकास और ईमानदार राजनीति के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि हमने डुमरांव को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का कार्य किया है। जनता ने हमारे काम को देखा और सराहा है। इस बार भी वे विकास और विश्वास पर वोट देंगे। उविधायक ने अपने संबोधन में बताया कि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में जनता की समस्याओं को सदन में मजबूती से उठाया और हर वर्ग के हित में आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गांव-गांव तक विकास की योजनाओं को पहुंचाना और युवाओं को रोजगार से जोड़ना उनकी प्राथमिकता रहेगी। जनसंपर्क के दौरान स्थानीय ग्रामीणों और कार्यकताओं ने महागठबंधन के समर्थन में नारे लगाए और डॉ. सिंह के पक्ष में माहौल बनाया। लोगों ने कहा कि विधायक ने हमेशा जनता के सुख-दुख में साथ निभाया है। डॉ. सिंह ने विश्वास जताया कि इस बार भी जनता उनके काम और सादगीपूर्ण छवि पर भरोसा जताते हुए उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएगी। उन्होंने कहा कि डुमरांव में महागठबंधन की लहर है, जनता परिवर्तन नहीं, निरंतर विकास चाहती है। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाकर बिहार में विकास की नई इबादत लिखी जाएगी।

नुक्कड़ नाटक से गूंजा संदेश, वोट करेगा बक्सर, लोकतंत्र के पर्व में बढ़ी जनभागीदारी

- भारती कला मंच के कलाकारों ने नवानगर में प्रस्तुत किया मतदाता जागरूकता नाटक, युवाओं और महिलाओं में दिखा उत्साह

केटी न्यूज/बक्सर

लोकतंत्र के इस महापर्व को सफल बनाने के लिए बक्सर जिला प्रशासन मतदाता जागरूकता को लेकर लगातार अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को भारती कला मंच, बक्सर की ओर से नवानगर बाजार मेन रोड में नुक्कड़ नाटक सह मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के नवानगर प्रखंड के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसमें स्थानीय लोगों की भारी भागीदारी रही।

कार्यक्रम के दौरान मंच के कलाकारों ने मनोरंजक अंदाज में मतदान के महत्व को प्रभावशाली

तरीके से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य भी है। कलाकारों ने कहा कि ह्लएक वोट से बदलाव संभव हैह्व और लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता का योगदान आवश्यक है। नाटक में विशेष रूप से पहली बार मतदान करने वाले युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण मतदाताओं को प्रेरित किया गया कि वे आगामी 6 नवम्बर को होने वाले मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। गीत-संगीत और संवादों के माध्यम से कलाकारों ने यह बताया कि मतदान न करने से लोकतंत्र कमजोर पड़ता है और सही जनप्रतिनिधि चुनने की जिम्मेदारी हर नागरिक की है। स्थानीय दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुति को खूब सराहा। दर्शकों में उत्साह इतना था कि कई लोगों ने वहीं पर यह संकल्प लिया कि वे स्वयं मतदान करेंगे और दूसरों को भी प्रेरित करेंगे। नवानगर बाजार में जुटी भीड़ इस बात का प्रमाण थी कि लोगों में लोकतांत्रिक चेतना अब पहले से अधिक प्रबल हो रही है। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि बक्सर में ह्लवोट करेगा बक्सरह्व अभियान के तहत लगातार स्वीप गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य मतदाताओं में मतदान के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सशक्त बनाना है, ताकि इस बार मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा सके।

नुक्कड़ नाटक के रूप में यह पहल न केवल मनोरंजन का माध्यम बनी, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुई।

डुमरांव में शिल्पी राज के सुरों ने भरा चुनावी जोश, राहुल सिंह के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब

- **भोजपुरी की स्टार गायिका ने डुमरांव में जदयू प्रत्याशी के समर्थन में किया रोड-शो**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की सड़कों पर मंगलवार को राजनीति और संगीत का अनोखा संगम देखने को मिला। एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह के समर्थन में भोजपुरी की चर्चित गायिका शिल्पी राज का रोड शो जनसमर्थन का महासागर बन गया। सुबह से ही शहर की गलियों में उमड़ती भीड़ ने साफ कर दिया कि इस बार का चुनाव डुमरांव में बेहद दिलचस्प होने वाला है।

नया थाना चौक से शुरू होकर छठिया पोखरा तक निकले इस रोड शो में चारों ओर उल्लास और उत्साह का माहौल रहा। हजारों की संख्या में लोग अपने घरों की छतों, दुकानों और सड़कों पर खड़े होकर शिल्पी राज और राहुल सिंह का स्वागत करते दिखे। जगह-जगह महिलाओं और युवाओं ने फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। जय एनडीए और विकास चाहिए, राहुल चाहिए के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। रोड शो में भाजपा एमएलसी जीवन कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि डुमरांव की जनता अब बदलाव नहीं, बल्कि स्थिरता और विकास चाहती है। राहुल कुमार सिंह को उन्होंने डुमरांव का युवा चेहरा बताते हुए कहा कि एनडीए की सरकार ने हर क्षेत्र में ठोस काम किया है, चाहे सड़क और बिजली की बात हो या शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की। शिल्पी राज ने अपने लोकप्रिय गीतों और जोशीले अंदाज से भीड़ में ऊर्जा भर दी। उन्होंने मंच से कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार ने विकास की नई कहानी लिखी है, और अब जनता की जिम्मेदारी है कि इस यात्रा को आगे बढ़ाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि राहुल कुमार सिंह को भारी मतों से विजयी बनाएं ताकि डुमरांव का विकास और गति पकड़ सके।

पूरे कार्यक्रम के दौरान ढोल-नगाड़ों, नाच-गाने और फूलों की बारिश से माहौल उत्सव में तब्दील हो गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस जश्न में शामिल दिखा। शाम तक पूरा डुमरांव एनडीए के नारों और शिल्पी राज के गीतों से गूंजता रहा। रोड शो ने न केवल चुनावी तापमान बढ़ाया बल्कि यह भी संदेश दे गया कि डुमरांव में इस बार मुकाबला जोश और जनसमर्थन के चरम पर है।इस दौरान लोगों में जबदस्त उत्साह था, शिल्पी राज की एक झलक पाने तथा उनके साथ सेल्फी लेने की युवाओं में होड़ मची रही। उनके साथ रोड शो में भाजपा के एमलसी जीवन कुमार भी मौजूद थे। वे लोगों से एनडीए प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह के पक्ष में मतदान की अपील कर रहे थे।

एक नजर

थम गया चुनाव प्रचार, अंतिम दिन प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत

बक्सर। आसन्न विधानसभा चुनाव का प्रचार अभियान मंगलवार की शाम पांच बजे के बाद थम गया। इसके पूर्व मंगलवार को पूरे दिन बक्सर जिले के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंक दी थी। प्रत्याशी अपने स्टार प्रचारको व फिल्मी सितारों तथा लोकल क्षत्रपों के साथ मिल अंतिम दिन अपने विधानसभा केन्द्रों पर जुलूस निकालते नजर आए। सभी प्रमुख दलों के अलावे छोटे दलों तथा निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी अंतिम दिन प्रचार अभियान में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाह रहे थे। इस दौरान माइक की शोर, वाहनों की हॉर्न के बीच कार्यकताओं का जोश व जिंदाबाद के नारे से माहौल चुनावी बना रहा। बता दें कि जिले के बक्सर सदर, डुमरांव, ब्रह्मपुर तथा राजपुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र के लिए छह नवंबर (गुरूवार) को मतदान होना है। इसकों लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मंगलवार की शाम प्रचार अभियान थम गया है। अब प्रत्याशी डोर-टू-डोर कैंपेन अभियान चला रहे है। वहीं, बुधवार की रात प्रत्याशियों के लिए कत्ल की रात साबित होने वाली है। प्रचार अभियान के अंतिम दिन डुमरांव में जहां दिल्ली सरकार के मंत्री पंकज सिंह, भोजपुरी की सुप्रसिद्ध गायिका शिल्पी राज समेत एनडीए के हजारों कार्यकताओं ने रोड शो किया, वहीं, जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी अपने उम्मीदवार के समर्थन में रोड शो किए। प्रचार अभियान थमने के बाद अब जिला प्रशासन विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गया है।

सर्पदंश से महिला की मौत, गांव में पसरा मातम

केसठ। प्रखंड के कुलमनपुर गांव में सोमवार की रात सर्पदंश की घटना में एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव निवासी संतोष दुबे की 50 वर्षीय पत्नी ऊषा देवी के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका रात्रि में अपने रसोईघर में काम कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने एक कमरे में रखे डब्बे को जैसे ही उठाया, उसमें छिपे सांप ने उन्हें डंस लिया।परिजनों ने घटना के तुरंत बाद आनन-फानन में प्रतापसागर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया।घटना की सूचना मिलते ही रामपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि वसंत पांडे मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने स्थानीय थाना और अंचलाधिकारी को घटना की जानकारी दी तथा प्रशासन से मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि बीते दिनों पहले हुई बारिश से गांव में अक्सर सांप निकल रहे हैं, लेकिन इस तरह की दर्दनाक घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। प्रशासन से ग्रामीणों ने सर्पदंश की घटनाओं से बचाव के लिए जागरूकता अभियान और त्वरित चिकित्सा व्यवस्था की मांग की है। हालांकि, बाद में रेस्क्यूवर विमलेश राम सिद्धार्थ, हिम्मतवाला ने उक्त सांप को रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ा। रेस्क्यूवर ने बताया कि महिला को जिस सांप ने डंसा था वह स्पेक्टिकल कोबरा था।

एनडीए के समर्थन में दिल्ली के मंत्री की एंट्री से डुमरांव में बढ़ा चुनावी जोश

- **भाजपा के स्टार प्रचारक डॉ. पंकज सिंह ने राहुल कुमार सिंह को बताया विकास का प्रतीक, कहा बिहार को चाहिए स्थिर और समान सोच वाली सरकार**

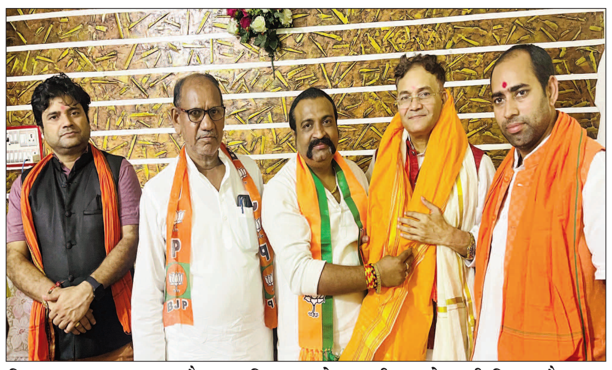

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को एनडीए खेमे में नई ऊर्जा का संचार तब हुआ जब दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा विधायक डॉ. पंकज कुमार सिंह ने एनडीए प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह के समर्थन में सड़क पर उतरकर जोरदार जनसंपर्क अभियान चलाया। चुनावी उत्साह से लबरेज यह रैली नया थाना चौक से लेकर राजगढ़ चौक तक निकाली गई, जिसमें स्थानीय जनता और कार्यकताओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूरे मार्ग में फिर एक बार, एनडीए सरकार और ह्लराहुल सिंह जिंदाबादह्व के नारों से वातावरण गूंज उठा। डॉ. सिंह के पहुंचते ही माहौल में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उन्होंने जनता से मुखातिब होते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत आज तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की योजनाओं ने गांव-गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाई है, चाहे वह मुफ्त बिजली की योजना हो, वृद्धावस्था पेंशन बढ़ोतरी या गरीबों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाएं। भाजपा नेता ने कहा कि जनता अब समझ चुकी है कि बिहार का भविष्य तभी सुरक्षित रहेगा जब केंद्र और राज्य दोनों में एक समान सोच वाली स्थिर सरकार होगी। उन्होंने राहुल कुमार सिंह को डुमरांव के विकास का सशक्त चेहरा बताते हुए कहा कि युवा और ऊजार्वान नेतृत्व ही इस क्षेत्र की दिशा और दशा बदल सकता है। राहुल सिंह उस नई पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं जो राजनीति को सेवा का माध्यम मानती है।डॉ. सिंह ने मतदाताओं से अपील की कि वे जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास के मुद्दे पर मतदान करें। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल एक उम्मीदवार का नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का चुनाव है। एनडीए की जीत मतलब विकास, पारदर्शिता और स्थिरता की जीत। इस दौरान सड़कों पर एनडीए कार्यकताओं का जुलूस उमड़ पड़ा। कार्यकर्ता ढोल-नगाड़े और नारेबाजी के साथ मंत्री का स्वागत करते नजर आए। अभियान में बंटी शाही, दीपक यादव, शक्ति राय, शीला त्रिवेदी, रोहित सिंह, मुखिया सिंह कुशवाहा समेत सैकड़ों एनडीए समर्थक मौजूद रहे। दिनभर डुमरांव शहर में एनडीए समर्थकों का जोश देखते ही बनता था। मंत्री की मौजूदगी से एनडीए खेमे में जहां नई ऊर्जा का संचार हुआ, वहीं विपक्षी खेमों में हलचल तेज हो गई। जनसंपर्क अभियान के अंत में डॉ. सिंह ने विश्वास जताया कि जनता अब ठान चुकी है, डुमरांव में विकास की राह सिर्फ एनडीए ही दिखा सकता है।

एनडीए की सुनामी में उड़ जाएगा महागठबंधन, शाहाबाद-मगध के सभी सीटो पर होगी एनडीए की जीत: प्रो. ए.के. दुबे

- **प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर जनता का अटूट भरोसा, गांव-गांव में विकास की गूंज**
- **दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सह भाजपा नेता ने डुमरांव के जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह के समर्थन में किया प्रेस**

केटी न्यूज/डुमरांव

शाहाबाद से लेकर मगध की धरती तक इस बार एनडीए की लहर अपने चरम पर है। मंगलवार को डुमरांव पहुंचे भाजपा नेता सह इतिहास संकलन योजना, दिल्ली प्रांत के उपाध्यक्ष एवं आरएसएस से जुड़े वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रो. ए.के. दुबे ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत तय है। उन्होंने कहा कि जनता इस बार बदलाव नहीं, बल्कि स्थिरता और निरंतर विकास चाहती है, और यही कारण है कि एनडीए के प्रति लोगों का समर्थन अभूतपूर्व रूप से बढ़ रहा है।प्रो. दुबे ने कहा कि शाहाबाद और मगध क्षेत्र की लगभग सभी सीटों डुमरांव, बक्सर, दिनारा, राजपुर, ब्रह्मपुर और शाहपुर पर एनडीए प्रत्याशी भारी बहुमत से विजयी होंगे। उनके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और बिहार में विकास का एक नया युग शुरू हुआ है। गांव-गांव तक सड़क, बिजली, जलापूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो परिवर्तन आया है, वह जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है। उन्होंने डुमरांव विस क्षेत्र के जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह की जमकर तारीफ की और कहा कि वे काफी सुलझे व विकास की सोंच रखने वाले व्यक्ति है, यदि डुमरांव की जनता ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना तो वे आने वाले समय में इस विधानसभा क्षेत्र की तस्वीर बदल कर रख देंगे।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार सृजन तथा आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं ने आम मतदाताओं का विश्वास एनडीए में और गहरा किया है। प्रो. दूबे ने कहा कि अब जनता नारे नहीं, काम देख रही है। लोग जानते हैं कि एनडीए ही बिहार के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा बिहार को मिले हजारों करोड़ रुपये के विशेष पैकेज ने राज्य के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी सुधार किए हैं। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण, अमृत भारत योजना, और नई औद्योगिक परियोजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिली है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि डुमरांव रेलवे स्टेशन को अमृत भारत योजना में शामिल किया गया है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार के अवसर बढ़ेंगे।

शहीदों के सम्मान में बड़ा निर्णय : बक्सर शहीद स्मारक पर अब अंकित होंगे वीर जवानों के नाम

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के सैनिकों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई है। भोजपुर के वन प्रमंडल अधिकारी (डीएफओ) ने बक्सर स्थित शहीद स्मारक पर युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के नामों को शिलापट्ट पर अंकित करने की अनुमति दे दी है। इस निर्णय के बाद जिले के पूर्व सैनिकों और आम नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। भारतीय एक्स-सर्विसमैन मूवमेंट बक्सर द्वारा यह मांग लंबे समय से उठाई जा रही थी। संगठन के जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने मंगलवार को डीएफओ भोजपुर से फोन पर बातचीत कर मंजूरी की पुष्टि की। वहीं जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी

ने औपचारिक पत्र के माध्यम से डीएफओ भोजपुर को धन्यवाद प्रेषित किया। पूर्व सैनिकों ने बताया कि इस पहल से शहीद स्मारक की शोभा और गौरव में वृद्धि होगी। शिलापट्ट पर दर्ज नाम आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा और बलिदान की प्रेरणा देंगे। शहीद स्मारक बक्सर के प्रमुख आकर्षणों में से एक है, जहां स्थानीय नागरिक और पर्यटक परिवार सहित भ्रमण के लिए आते हैं। यहां नौकायन की सुविधा भी उपलब्ध है, जो स्मारक की सुंदरता को और बढ़ाती है। आईईएसएम बक्सर इकाई ने इस सराहनीय कदम के लिए जिला प्रशासन, अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश सिंह तथा डीएफओ भोजपुर के प्रति आभार व्यक्त किया है। संगठन ने कहा कि यह निर्णय न केवल शहीदों के सम्मान का प्रतीक है, बल्कि समाज में देशभक्ति की भावना को भी मजबूत करेगा। बक्सर के लोगों का मानना है कि यह कदम जिले की शौर्य परंपरा को नई पहचान देगा और स्मारक अब न सिर्फ श्रद्धांजलि स्थल बल्कि प्रेरणा का केंद्र बनेगा।

सादगी की राजनीति : निर्दलीय रवि सिन्हा का अनोखा जनसंपर्क अभियान बना चर्चा का विषय

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में जहां बड़े दलों के प्रत्याशी दिग्गज नेताओं की रैलियों और बाहरी समर्थन के सहारे चुनावी मैदान गर्म कर रहे हैं, वहीं निर्दलीय प्रत्याशी रवि सिन्हा ने सादगी और जनसंपर्क के दम पर एक अलग पहचान बना ली है। बिना किसी भव्य मंच या प्रचार वाहन के, रवि सिन्हा स्वयं पंपलेट बांटते हुए घर-घर जाकर मतदाताओं से मिल रहे हैं। रवि सिन्हा का कहना है कि इस बार डुमरांव की जनता जातीय समीकरणों, धनबल और बाहुबल से ऊपर उठकर ऐसे उम्मीदवार को चुनने के मूड में है, जिसने हमेशा क्षेत्र के विकास की बात की हो। वे लोगों से कहते हैं कि ह्लजनता अब उन वादों से ऊब चुकी है जो हर चुनाव के बाद भूल जाते हैं। उनकी यही सादगी और सहजता मतदाताओं को आकर्षित कर रही है। ग्रामीण इलाकों से लेकर कस्बाई मोहल्लों तक, लोग उन्हें ह्लअपना उम्मीदवारह्व बताते हुए खुला समर्थन दे रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि रवि सिन्हा का यह लो-प्रोफाइल लेकिन प्रभावशाली प्रचार अभियान पारंपरिक चुनावी समीकरणों को चुनौती दे सकता है।

परिवर्तन के मूड में है डुमरांव की जनता जदयू से है मेरी सीधी टक्कर : ददन पहलवान

- **पूर्व मंत्री बोले, जनता उब चुकी है निवर्तमान विधायक से, इस बार भेजेगी डुमरांव के बेटे को सदन में**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में अब माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में रंग चुका है। सभी प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं, वहीं बसपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री ददन सिंह यादव उर्फ ददन पहलवान ने कहा है कि डुमरांव की जनता इस बार परिवर्तन के मूड में है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता इस बार स्थानीय बेटे को मौका देगी और उन्हें सदन तक पहुंचाएगी।

मंगलवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन ददन यादव ने कहा कि अब जनता निवर्तमान विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह से पूरी तरह उब चुकी है। उनके अनुसार, इस बार डुमरांव की लड़ाई सीधी जदयू प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह से है, जबकि माले प्रत्याशी और वर्तमान विधायक तीसरे स्थान पर खिसकेंगे। उन्होंने कहा कि ह्लजनता ने इस बार हमें जिस स्नेह और समर्थन से नवाजा है, वह अभूतपूर्व है। मुझे पूरा भरोसा है कि 14 नवंबर को मतगणना के दिन यह स्नेह जीत में तब्दील होगा। चुनावी मैदान में ददन यादव का जनसंपर्क अभियान इस बार पहले की तुलना में अधिक व्यापक और सुनियोजित रहा। ग्रामीण इलाकों से लेकर कस्बाई क्षेत्रों तक उन्होंने लगातार जनसभाएं और संपर्क अभियान चलाए। कई जगहों पर समर्थकों ने उनके स्वागत में फूलों की वर्षा, दूध से स्नान और लड्डू से तौलकर अपना समर्थन जताया। हालांकि, ददन ने इसे जनता के प्यार की अभिव्यक्ति बताया और कहा कि यह सब कुछ ह्लडुमरांव के लोगों की आत्मीयताह्व का प्रतीक है। ददन ने कहा कि राहुल सिंह तथा अजित कुशवाहा दोनों बाहरी है। डुमरांव की जनता उन्हें बाहर का रास्ता दिखाएगी। ददन यादव लंबे समय से डुमरांव की राजनीति के अहम चेहरे रहे हैं। चाहे बतौर विधायक हों या मंत्री, उनका राजनीतिक प्रभाव इस क्षेत्र में हमेशा चर्चा का विषय रहा है। हालांकि, पिछले चुनावों में उन्हें सफलता नहीं मिली थी, लेकिन इस बार वे नए उत्साह और बदले समीकरणों के साथ मैदान में हैं। जनता का रुझान क्या वास्तव में उनके पक्ष में है या नहीं, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना तो तय है कि इस बार डुमरांव में मुकाबला दिलचस्प हो गया है। मतदाता चुप हैं, मगर माहौल में बदलाव की आहट जरूर सुनाई दे रही है। अब यह देखना बाकी है कि जनता का यह ह्लपरिवर्तन का मूडह्व किसके हक में परिणाम देता है, इसका फैसला 14 नवंबर को मतगणना के दिन होगा।

लोकतंत्र के महापर्व पर शांतिपूर्ण और निर्भीक होकर 11 नवंबर को लोग करें मतदान : एएसपी संकेत

केटी नयूज/रोहतास

महज कुछ दिनों के बाद ही विधानसभा चुनाव को लेकर रोहतास जिला क्षेत्र के सभी मतदान बूथों केन्द्रों पर 11 नवंबर को मतदाता करेंगे अपना मताधिकार। जिस बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बिक्रमगंज अनुमंडल में एएसपी संकेत कुमार और एसडीएम प्रभात कुमार ने विधि व्यवस्था के साथ प्रशासनिक तैयारियां मुस्तैद कर ली है। चुनाव संबंध तैयारी को लेकर एएसपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने बताया कि बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में सभी बूथ केंद्रों पर मतदाता शांतिपूर्ण,निष्पक्ष और निर्भीक होकर अपना मतदान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व को मजबूती नागरिकों की जागरूकता पर हर संभव निर्भर करती है। क्योंकि युवा सहित लोगों का हर वोट ही देश और राज्य के भविष्य की दिशा तय करता है । इसलिए हम मतदाता से आग्रह करते हुए कहूंगा कि आप सभी मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करें। लोकतंत्र का असली उत्सव मतदान का दिन होता है सभी मतदाता निर्भय होकर मतदान केंद्र पर पहुंचें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। क्योंकि आपका वोट ही देश सहित प्रदेश के विकास का नया भविष्य तय करता है।

सुरक्षा व्यवस्था सहित हर गतिविधि पर होगी पैनी नजर

एएसपी संकेत कुमार ने बताया कि बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंडों और पंचायतों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है । अति संवेदनशील और संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त पुलिस बल और केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की जा रही है । वहीं फ्लैग मार्च,रूट मार्च और गश्ती दलों को लगातार सक्रिय रखा गया है ताकि मतदाताओं को पूर्ण सुरक्षा और विश्वास का माहौल मिल सके । किसी भी असामाजिक तत्व,अफवाह फैलाने वाले या शांति भंग करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी । प्रशासन की नजर हर गतिविधि पर रहेगी। साथ ही एएसपी संकेत कुमार ने लोगों से अपील की है कि चुनाव के दिन प्रशासन और पुलिस का पूरा सहयोग करें । किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दें ।मतदाताओं की सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है ।

पहली बार मतदान करने वालों वोटरों से की अपील

एएसपी ने विशेष रूप से युवाओं और पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़- चढ़कर हिस्सा लें । मतदान के महत्व को समाज में फैलाने का कार्य करें ताकि अधिक से अधिक लोग मतदान केंद्र तक पहुंचें । अंत में उन्होंने कहा कि 11 नवंबर को हर घर से लोग निकलें,कतार में लगें और गर्व से अपने मत का प्रयोग करें । शांति, सौहार्द और एकता के साथ शत- प्रतिशत मतदान कर लोकतंत्र को सशक्त बनाएं।

बिहार में 18 सरकारी कर्मचारियों पर गिरी गाज एफआईआर के बाद अब होगी विभागीय जांच

केटी नयूज/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले सारण जिला प्रशासन ने सख्त तेवर दिखाए हैं। यहां 18 सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर तुरंत चुनाव ड्यूटी से हटा दिया गया है। जिलाधिकारी अमन समीर ने आदेश जारी कर इनके खिलाफ ॠक्षफ् निलंबन और विभागीय जांच शुरू करने को कहा है। तीन माह में स्पीडी ट्रायल होगा। इनमें से ज्यादातर आरोपी शिक्षक हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट और जनसभाओं में प्रत्याशियों का साथ दिया। शिकायतें मिलीं थीं कि कुछ कर्मचारी खुलेआम राजद-जदयू या भाजपा के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। जांच में फोटो-वीडियो भी मिले। इसके बाद डीएम ने तुरंत कार्मिक कोषांग को पत्र लिखा कि इन 18 को मतदान दायित्व से मुक्त करें। साथ ही थानों को ॠक्षफ्दर्ज करने और विभागों को निलंबन प्रस्ताव भेजने को कहा।

कौन-कौन हैं आरोपी

1. सुरेंद्र कुमार सिंह झ शिक्षक, मध्य विद्यालय रतनपुरा (छपरा)
2. प्रियंका कुमारी झ सहायक शिक्षिका, बालिका उच्च विद्यालय छपरा
3. धर्मेंद्र सिंह झ इछड, घोघिया सरकारी विद्यालय (बनियापुर)
4. सुरेंद्र प्रसाद यादव झ शिक्षक, मैकडॉनल्ड हाई स्कूल देवरिया (तरैया)
5. दीपक कुमार झ शिक्षक, हाई स्कूल परसा
6. जफर हुसैन झ प्रभारी प्रधानाध्यापक, राम अवतार हाई स्कूल दिघवारा
7. प्रमोद सिंह झ इछड, कन्या मध्य विद्यालय मशरख
8. चंद्र मोहन कुमार सिंह झ नव सृजित प्राथमिक विद्यालय धेनुकी
9. राजेश कुमार तिवारी झ बीपीएससी शिक्षक (सोनपुर)
10. मनोज कुमार मिश्रा झ उत्क्रमित मध्य विद्यालय मिश्रावलिया
11. आलोक कुमार सिंह झ खोरी पाकड़ मिडिल स्कूल अमनौर
12. उपेंद्र यादव झ मध्य विद्यालय हंसराजपुर एकमा
13. मनोज कुमार सिंह झ उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसंतपुर पानापुर
14. मुकेश कुमार झ प्राथमिक विद्यालय तरवार अमनौर
15. विजय कुमार झ इढट, जीविका एकमा
16. मनीष कुमार झ उउ, जीविका एकमा
17. सेफरत हुसैन झ मदरसा हमीदिया गोदना रिवीलगंज
18. उमेश कुमार झ प्राथमिक विद्यालय बनियापुर

डीएम का सख्त संदेश

जिलाधिकारी अमन समीर ने इस बारे में कहा, लोकतंत्र की निष्पक्षता से समझौता नहीं हो सकता। कोई सरकारी कर्मचारी अगर दल या प्रत्याशी के साथ दिखा तो ड्यूटी से हटेगा, ॠक्षफ् होगी, निलंबन होगा और स्पीडी ट्रायल चलेगा। बताते चलें कि सारण में 6 विधानसभा सीटें हैं। प्रशासन ने अब बाकी कर्मचारियों को भी चेतावनी दी है। सभी के फोन की लोकेशन, सोशल मीडिया पोस्ट, फोटो सब चेक हो रहे हैं। चेतावनी के बाद भी गलती हुई तो नौकरी जाएगी।

प्रेम प्रसंग में पूर्व पड़ोसी ने रची हत्या की साजिश, पिता-पुत्र को गोली मारकर गला रेता

केटी नयूज/आरा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलघाट गांव के समीप घटित मिठाई दुकानदार प्रमोद महतो और उनके छोटे पुत्र प्रियांशु कुमार की हत्या के मामले का पुलिस ने राजफाश कर दिया है। साथ ही कांड में संलिप्त दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि, अन्य की तलाश जारी है। इसकी जानकारी मंगलवार को सदर एसडीपीओ वन राज कुमार साह ने दी। उन्होंने बताया कि पकड़े गए सदस्यों में नवादा थाना के बहीरो निवासी द्वारिका शर्मा एवं गजराजगंज ओपी के कारीसाथ गांव निवासी सूरज कुमार सिंह शामिल है। दोनों के पास से दो मोबाइल जब्त किया गया है। पकड़े गए आरोपितों में सूरज कुमार का पूर्व से भी आपराधिक इतिहास रहा है। सदर एसडीपीओ वन राज कुमार साह ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में बताया कि हत्या के पीछे प्रेम-प्रसंग का विवाद था। । प्रमोद महतो मूल रूप से उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव के निवासी थे। करीब 14 साल पहले उन्होंने बहीरो में मकान बनाकर परिवार बसाया था। बाद में वह मकान बेचकर पियनिया में नया घर बना लिए थे। मुख्य षड्यंत्रकर्ता द्वारिका शर्मा, जो पहले मृतक प्रमोद महतो का पड़ोसी था, ने प्रमोद की पत्नी से संबंधों के कारण उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची थी। उसने गजराजगंज ओपी क्षेत्र के एक व्यक्ति को हत्या के लिए चार लाख रुपये सुपारी दी थी। इसमें एक लाख रुपये एडवांस के रूप में दिए गए थे। बाकी काम होने के बाद देने के लिए बोला गया था। घटना के बाद प्रमोद के बड़े पुत्र हिमांशु कुमार ने अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी राज ने विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया। टीम में इंस्पेक्टर दीपक कुमार, दारोगा धर्मेन्द्र कुमार और डीआइयू के पदाधिकारी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों से पूछताछ में कई अहम सुराग मिले हैं। शूटर सहित तीन अन्य फरार आरोपितों की तलाश तेज कर दी गई है। इधर, 30 अक्टूबर की शाम करीब सात बजे द्वारिका ने पैसे का प्रलोभन देकर प्रमोद और उनके पुत्र प्रियांशु को गजराजगंज ओपी क्षेत्र के कारीसाथ गांव बुलाया था।

सारण में आचार संहिता उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई चौकीदार निलंबित और सैप चालक बर्खास्त

केटी नयूज/पटना

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में सारण एसएसपी ने दो कर्मियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एक विशेष राजनीतिक दल के झंडा को किसी अन्य व्यक्ति को देते चौकीदार दिनेश राय का वीडियो वायरल होने के बाद एसएसपी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। चौकीदार को 7 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। चौकीदार के खिलाफ अवतारनगर थाने में केस दर्ज किया गया है। वही ईशुआपुर थाने में तैनात एफ्रर के सैप चालक को भी आचार संहिता उल्लंघन मामले में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। ये किसी पार्टी के समर्थन में नारा लगा रहे थे। जिसका वीडियो वायरल हो रहा था। सैप चालक उदय कुमार सिंह का अनुबंध रद्द कर तत्काल प्रभाव से सेवा मुक्त करने का आदेश दिया गया है। उक्त चालक के खिलाफ मशरक थाने में केस दर्ज कराया गया है। सैप के ड्राइवर का जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें कुछ व्यक्ति एक राजनीतिक पार्टी के समर्थन में नारे लगाते दिखे। जांच में वीडियो में नजर आ रहा व्यक्ति सैप चालक संख्या 4279460ल उदय कुमार सिंह पाया गया, जो उस समय एफ्रर इसुआपुर थाना में प्रतिनियुक्त था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, मढ़ौरा 2 की जांच में यह पुष्टि हुई कि उक्त चालक ने सार्वजनिक रूप से राजनीतिक नारे लगाकर आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन किया है। अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय)-सह-राज्य नोडल पदाधिकारी, बिहार, पटना द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, सरकारी कर्मियों द्वारा किसी राजनीतिक दल के समर्थन में प्रचार या नारा लगाना प्फ्ढ एक्ट की धारा 129 के तहत दंडनीय अपराध है। इस आधार पर एसपी सारण द्वारा उदय कुमार सिंह का अनुबंध तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए उन्हें सेवा से मुक्त कर दिया गया। साथ ही मशरक थाना कांड संख्या 458/25 दर्ज कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। सारण पुलिस आदर्श आचार संहिता के पालन के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। किसी भी पुलिस पदाधिकारी या कर्मी द्वारा राजनीतिक गतिविधियों में भागीदारी को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एक नजर

पवन सिंह के हेलीकॉप्टर का फ्यूल हुआ खत्म तो सड़क मार्ग से ही प्रचार में पहुंचे पावर स्टार

अगिआंव। भोजपुरी सुपरस्टार गायक पवन सिंह मंगलवार को अगिआंव प्रखंड क्षेत्र के नारायणपुर खेल मैदान में एनडीए विधायक प्रत्याशी महेश पासवान के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। सभा समाप्त होने के बाद जब वे पियनियां के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना होने वाले थे, तभी पता चला कि हेलीकॉप्टर का इंधन खत्म हो गया है। इसके बाद वे सड़क मार्ग से पियनियां के लिए रवाना हो गए। सभा को संबोधित करते हुए पवन सिंह ने कहा कि विपक्षी दल केवल विकास की बातें करते हैं, लेकिन उनके कार्य धरातल पर दिखाई नहीं देते। एनडीए सरकार में कई विकासात्मक कार्य हुए हैं। आगे उन्होंने कहा कि मोदी और नीतीश की जोड़ी हिट है। जो बिहार की जनता को विकास की राह पर ले जा रही है। आज बिहारी का सम्मान बाहर के शहरों में पवन सिंह ने कहा कि आज बिहारी का सम्मान बाहर के शहरों में भी हो रहा है और हमें गर्व है कि हम बिहारी हैं। साथ ही उन्होंने भोजपुर संगीत गाते हुवे महेश पासवान के समर्थन मे वोट करने का अपील किया। मौके पर अगिआंव विधायक प्रत्याशी महेश पासवान, पूर्व प्रमुख सुशुमलता कुशवाहा, भाजपा नेता राजेंद्र तिवारी, पावना पैक्स अध्यक्ष बागी आलोक सिंह, अजीत सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। वहीं बड़हरा प्रखंड के सेमरिया पड़रिया खेल मैदान में भोजपुरी फिल्म अभिनेता सह पावर स्टार पवन सिंह भाजपा प्रत्याशी राघवेंद्र प्रताप सिंह के समर्थन में प्रचार करने के लिए पहुंचे। उनके पहुंचते ही मैदान में मौजूद हजारों की भीड़ ने पवन सिंह के नाम से जोरदार नारेबाजी की। मंच के चारों ओर लोगों का हुजूम उमड़ा हुआ था। इस दौरान पवन सिंह ने कहा कि आज मंगलवार है, हनुमान जी का दिन है। मैं अपने सभी भाई, बहन, चाचा और माताओं से आग्रह करता हूं कि बड़हरा विधानसभा से हमारे चाचा राघवेंद्र प्रताप सिंह को विजयी बनाकर विधानसभा भेजिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनहित में कई विकास कार्य किये हैं और बड़हरा के सर्वांगीण विकास के लिए राघवेंद्र प्रताप सिंह का जीतना जरूरी है। सभा के दौरान पवन सिंह के जोशीले अंदाज और जनता के उत्साह से पूरा मैदान गूंज रहा था।

बिहार में 62 हजार करोड़ का बिजली घोटाला: आर के सिंह बोले, सरकार ने अडाणी से किया गलत समझौता

अगिआंव। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक दो दिन पहले राज्य की राजनीति में बिजली समझौते को लेकर बड़ा बवाल मच गया है। बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने बिहार सरकार पर 62 हजार करोड़ रुपए के बिजली घोटाले का आरोप लगाया है। आर सिंह ने कहा कि इस घोटाले में बिजली विभाग के कई अधिकारी शामिल हैं और इस पूरे प्रकरण की CBI से जांच कराई जानी चाहिए। आरके सिंह ने दावा किया कि यह घोटाला राज्य में एक थर्मल पावर प्लांट से जुड़ा है, जिसके तहत सरकार ने अडाणी समूह के साथ गलत बिजली खरीद समझौता (PPA) किया है। आरके सिंह ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार ने 25 साल के लिए बिजली खरीदने का एग्रीमेंट किया है, जिसके तहत बिहार सरकार को 6 रुपए 75 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदनी होगी, जबकि मौजूदा दर इससे काफी कम है। उन्होंने कहा कि इस एग्रीमेंट की शर्तों और जमीन आवंटन प्रक्रिया में भारी वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं, जिससे जनता पर बड़ा बोझ पड़ेगा। उनका यह भी कहना है कि "यह समझौता राज्य की जनता के साथ धोखा है। इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए और पूरे मामले की जांच CBI को सौंपी जानी चाहिए।

फारबिसगंज में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, दो साइबर कैफे से 36 लाख की नकदी जब्त, पूछताछ जारी

फारबिसगंज। बिहार में चुनावी माहौल के बीच अररिया जिला अंतर्गत फारबिसगंज में अनुमंडल प्रशासन ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के एक आवासीय होटल परिसर में स्थित दो साइबर कैफे से 36 लाख रुपये से अधिक की नकदी बरामद की है। यह कार्रवाई मनी ट्रांसफर के जरिए संदिग्ध तरीके से भेजी गई राशि की सूचना पर की गई।सूत्रों के अनुसार, फारबिसगंज के एसडीएम सह निवार्ची पदाधिकारी रंजीत कुमार रंजन, एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा तथा थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बलों ने होटल ज्योति परिसर स्थित जियो साइबर कैफे और कैलाश साइबर कैफे पर संयुक्त छापेमारी की।छापेमारी के दौरान जियो साइबर कैफे से लगभग 18 लाख 55 हजार 610 रुपये और कैलाश साइबर कैफे से करीब 18 लाख 17 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। दोनों जगहों से कुल राशि 36 लाख से अधिक बताई जा रही है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि चुनाव के दौरान बड़ी राशि के आवागमन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि यह धनराशि राजनीतिक उपयोग या चुनावी खर्च के लिए लाई गई थी। फिलहाल दोनों साइबर कैफे संचालकों जियो साइबर कैफे के सुधीर चौधरी एवं प्रभाष कुमार और कैलाश साइबर कैफे के कैलाश कुमार से पूछताछ की जा रही है।एसडीएम रंजीत कुमार रंजन ने बताया कि छापेमारी के दौरान कुल लगभग 35 लाख 20 हजार रुपये की बरामदगी की पुष्टि हुई है। पूरी राशि जब्त कर ली गई है और आयकर विभाग को इसकी सूचना भेज दी गई है।

नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार ने विकास के नाम पर बिहार की जनता साथ किया धोखा : दीपंकर

केटी नयूज/रोहतास

काराकाट 213 विधानसभा क्षेत्र के गोड़ारी प्रखंड मुख्यालय स्थित खेल मैदान में मंगलवार को इंडिया गठबंधन समर्थित भाकपा (माले) प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा में भाकपा माले के महासचिव कॉमरेड दीपंकर भट्टाचार्य ने एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। आयोजित सभा स्थल पर पहुंचते ही पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं ने फूल-मालाओं और नारों के बीच उनका जोरदार स्वागत किया । मंच संभालते ही दीपंकर भट्टाचार्य ने अपनी तीखी जुबान में केंद्र व राज्य सरकार पर एक के बाद एक वार किए । उन्होंने कहा कि बीस वर्षों से बिहार में डबल इंजन की सरकार रही,लेकिन विकास का इंजन आज भी स्टार्ट नहीं हुआ । बिहार आज भी बेरोजगारी,पलायन और शिक्षा-स्वास्थ्य की बदहाली से जूझ रहा है। मोदी-नीतीश की जोड़ी ने बिहार को बीस साल पीछे धकेल दिया है। मोदी और नीतीश पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि बिहार की जनता अब जुमलेबाजी नहीं,जवाब चाहती है। जो लोग हर चुनाव में वादा करते हैं, वही पांच साल बाद उसी वादे को फिर से दुहराते हैं।

जनता अब सब समझ चुकी है । सभा के दौरान उन्होंने एनडीए गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एनडीए के सभी वरीय नेता अपना साझा घोषणा पत्र जारी करने से पूर्व एक मिनट तक मौन रहे । आप सब जानते हैं एक मिनट का मौन श्रद्धांजलि देने के लिए रखा जाता है । इसका मतलब साफ है कि एनडीए नेताओं ने अपनी सरकार को खुद श्रद्धांजलि दे दी । कॉमरेड दीपंकर ने कहा कि इंडिया गठबंधन जनता के संघर्षों की आवाज है और उसका साझा संकल्प पत्र आम लोगों के अधिकारों की रक्षा करने वाला दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि जैसे ही महागठबंधन की सरकार बनेगी,हर वादा पूरा होगा,चाहे वह रोजगार हो,शिक्षा हो या किसानों के हक की बात । सभा के अंत में उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप सब भाकपा माले प्रत्याशी को विजयी बनाएं,ताकि बिहार में जनता की सरकार बन सके,पूंजीपतियों की नहीं । हालांकि भीड़ अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन मंच पर मौजूद नेताओं का जोश और समर्थकों का उत्साह देखने लायक था । पूरे कार्यक्रम के दौरान पार्टी के नारों से वातावरण गूंजता रहा । सुरक्षा के मद्देनजर सभा स्थल पर नासरीगंज इंस्पेक्टर कुणाल कृष्ण, थानाध्यक्ष विवेक कुमार,एसआई रोहित कुमार सहित पुलिस बल के जवान चौकसी में डटे रहे ।

नोनहर में प्रसिद्ध छठिया तालाब की मुखिया ने कराई सफाई

केटी नयूज/रोहतास

बिक्रमगंज प्रखंड क्षेत्र के नोनहर में स्थित प्रखंड क्षेत्र के सुप्रसिद्ध छठिया तालाब की सफाई मंगलवार को नोनहर पंचायत के मुखिया आभा सिंह के द्वारा कराया गया। मुखिया ने बताया कि छठ त्योहार के बाद तालाब के चारों ओर गंदगी पसर गई थी। ईंख आदि के डंठल, छठ मेला में लगने वाले दुकानों के कचरे पूरा तालाब को गंदा कर दिया था। लोहिया स्वच्छता अभियान के सफाई कर्मियों के द्वारा पूरे तालाब की सफाई कराई गई। पानी के अंदर फैले कचरे को मजदूरों ने जाल का उपयोग कर बाहर निकाला तथा ठेला आदि माध्यम से उसे कचरा निस्तारण केंद्र तक पहुंचाया गया। तालाब की सफाई से ग्रामीणों में काफी खुशी देखी गई। ग्रामीण हिरालाल सिंह, मनोज प्रसाद, सुरेंद्र पासवान, मुरली सिंह यादव सहित कई लोगों ने बताया कि नोनहर का छठिया तालाब पूरे प्रखंड में प्रसिद्ध है। यहां प्रत्येक वर्ष नोनहर के अलावा धनगाईं, कोल्हा आदि आसपास के गावों के लोग छठ व्रत करने के लिए आते है। तालाब के चारो तरफ बने घाट, पीसीसी पथ और लगे लाईट से इसकी सुंदरता काफी बढ़ जाती है। सुबह शाम टहलने के लिए यहां सैकड़ो महिला पुरुष आते है। तालाब के पास स्थित पार्क इसे और आकर्षक बनाता है। स्वच्छता पर्यवेक्षक अरबिंद कुमार कहते है कि नोनहर पंचायत में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत सफाई कार्य निरंतर जारी है।

पीएमसीएच में नए चर्म रोग और मेडिसिन वार्ड का उद्घाटन, मरीजों को मिलेगी आधुनिक सुविधाएं

एजेंसी। पटना

राजधानी पटना के पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (ढटउल) में चर्म रोग के लिए नया इनडोर वार्ड शुरू कर दिया गया है। यह वार्ड 37 बेड वाला है और पहले ही दिन 16 से अधिक मरीज भर्ती किए गए। उद्घाटन समारोह में पीएमसीएच के अधीक्षक डॉ. आईएस ठाकुर और चर्म रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा सिंह ने वार्ड का निरीक्षण किया। इस वार्ड में मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ बेहतर देखभाल और उपचार मिलेगा। बता दें कि इस नए चर्म रोग वार्ड में स्किन

इन्फेक्शन, दवाओं के रिएक्शन, एलर्जी और जलने जैसी त्वचा समस्याओं का इलाज किया जाएगा। अधीक्षक डॉ. आईएस ठाकुर ने बताया कि यह इनडोर वार्ड अब टी-1 टावर में स्थानांतरित किया गया है। पहले यह वार्ड दरभंगा हाउस के मुख्य गेट के पास स्थित था। चर्म रोग वार्ड के उद्घाटन से मरीजों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिलेगा। आधुनिक वार्ड में नियमित मॉनिटरिंग, चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ की त्वरित पहुंच जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अधीक्षक ने कहा कि पुराने वार्डों में मरीज की स्थिति बिगड़ने पर डॉक्टर तक पहुँचने में देरी हो जाती थी, लेकिन नए वार्ड में यह समस्या समाप्त हो गई है। पिछले सप्ताह ही पीएमसीएच में 270 बेड का नया मेडिसिन वार्ड भी शुरू किया गया था। यह वार्ड टी-1 भवन के दूसरे और चौथे तल पर स्थित है। इस वार्ड में पूरी तरह वातानुकूलित कमरे, आधुनिक मॉनिटरिंग सिस्टम और प्रत्येक बेड पर अलार्म सुविधा उपलब्ध है। अलार्म बजते ही नर्सिंग स्टाफ तुरंत मरीज के पास पहुंचकर आवश्यक उपचार शुरू कर सकते हैं, और गंभीर स्थिति में तुरंत डॉक्टर को सूचित किया जा सकता है। नए मेडिसिन और चर्म रोग वार्ड की शुरूआत से गंभीर और जटिल मामलों में मरीजों की जान बचाने में मदद मिलेगी। पीएमसीएच प्रशासन का कहना है कि इन नए वार्डों के माध्यम से बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। मरीजों और उनके परिजनों को अब बेहतर और तेज उपचार मिलेगा, जिससे अस्पताल में भर्ती मरीजों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित होगी। इस पहल के तहत पीएमसीएच ने स्वास्थ्य सेवा में तकनीकी सुधार और बेहतर सुविधा पर जोर दिया है। नए वार्ड आधुनिक उपकरणों, प्रशिक्षित स्टाफ और व्यवस्थित प्रक्रिया के साथ मरीजों के लिए अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल तैयार करेगा। यह कदम बिहार में सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की गुणवत्ता बढ़ाने और मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एक नजर

भाजपा प्रत्याशी के चुनाव-प्रचार से घर लौटने के दौरान प्रचार गाड़ी ने एक व्यक्ति को रौंदा, घटनास्थल पर ही मौत

अरवल। अरवल के सहार थाना क्षेत्र के खैरा मोड़ के पास मंगलवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें पियरों गांव निवासी मोहम्मद समी की मौत हो गई। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। आनन-फानन में घायल व्यक्ति को लोगों ने अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। वही परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक मोहम्मद समी भोजपुर के तरारी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित बीजेपी उम्मीदवार के प्रचार कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। तभी इसी दौरान पीछे से आ रही चुनाव प्रचार की गाड़ी ने रौंद दिया। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायलों को तुरंत अरवल सदर अस्पताल पहुंचाया गया।चिकित्सकों ने उन्हें जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सहार पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की खबर फैलते ही पियरों गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। मृतक के परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से गुस्साएं ग्रामीणों ने दोषी वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इस घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। जबकि पुलिस का कहना है कि वे पूरी घटना की जांच कर रहे हैं और दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गया जी में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा का रोड शो, डॉ. प्रेम कुमार के समर्थन में मांगा वोट

गया जी। बिहार के गया जी के मोक्ष भूमि और मुक्तिधाम गयाजी से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आज रोड शो की शुरूआत की। सलिल फल्गु तट पर स्थित भगवान विष्णु के गर्भ गृह में पूजा-अर्चना करने के बाद जेपी नड्डा ने गया में रोड शो किया और एनडीए प्रत्याशियों के लिए वोट मांगा। विदित हो कि पिछले सात टर्म से गया जी के विधायक रहे डॉक्टर प्रेम कुमार के पक्ष में गया जी के लोगों से वोट करने की अपील को लेकर गया जी की धरती पर पहुंचे जेपी नड्डा ने गया के प्रमुख सड़कों से गुजरते हुए आजाद पार्क एवं सघन व्यवसाय क्षेत्र टिकारी रोड होते हुए बाटा मोड़ तक रोड शो किया। इस रोड शो में जगह-जगह पर जेपी नड्डा के स्वागत में पुष्प वर्षा की गई। धोल नगाड़ों के साथ एनडीए कार्यकताओं ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गो से होते हुए आजाद पार्क बाटा मोड़ पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न घटक दलों के लोग भी इस मौके पर साथ-साथ चल रहे थे। भारतीय जनता पार्टी के अलावे एनडीए के घटक दलों में हिंदुस्तानी मोर्चा , लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास सहित विभिन्न राजनीतिक घटक दल के लोग इस रोड शो में साथ चल रहे थे।

पश्चिम चंपारण में अमित शाह ने भरी हुंकार, कहा, तीर छाप पर बटन दबाएं, बिहार में दोबारा जंगल राज आने से बचाए

एजसी। पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को पश्चिम चंपारण जिले के सिकटा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत एनडीए उम्मीदवार समृद्ध वर्मा के पक्ष में वोट की अपील करने मैनाटांड पहुँचे, जहाँ उन्होंने एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। सभा स्थल पर उमड़ी भारी भीड़ और तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अमित शाह ने विपक्ष पर तीखे हमले बोले और एनडीए उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील की। अमित शाह ने कहा कि जब तीर छाप पर बटन दबाएंगे, तो बिहार में जंगल राज लौटने से बचेगा। उन्होंने कहा कि बिहार ने वह दौर देखा है जब हत्या, लूट, अपहरण और डकैती आम बात थी, लेकिन एनडीए सरकार ने राज्य को उस अंधकारमय दौर से बाहर निकाला है। शाह ने पश्चिम चंपारण की जनता से अपील की कि पिछली बार 9 में से 8 सीटें हमने जीती थीं, इस बार 9 की 9

सीट जिताइए। उन्होंने कहा कि लालू यादव और राबड़ी देवी के 15 साल के शासन में बिहार मिनी चंबल बन गया था। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि लालू यादव और उनके समर्थक शहाबुद्दीन जिंदाबाद के नारे लगाकर फिर से जंगल राज लाना चाहते हैं। उन्होंने सवाल उठाया, क्या बिहार में राम मंदिर का विरोध करने वालों की कोई जगह है? इसलिए बिहार में फिर एनडीए की सरकार बनाए और जंगलराज आने से बचाए। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, जब अनुच्छेद 370 हटाया गया, तो राहुल गांधी ने कहा था कि खून की नदियाँ बहेंगी, लेकिन छह साल में एक पत्थर भी नहीं चला। उन्होंने कहा, अब अगर पाकिस्तान एक गोली चलाएगा, तो जवाब गोले से दिया जाएगा और वो गोला पाकिस्तान में गिरेगा, जो बिहार में बना होगा। अमित शाह ने कहा कि लालू-राबड़ी शासनकाल में 20 से अधिक चीनी मिलें बंद हो गई थीं। उन्होंने वादा किया कि एनडीए सरकार बनने पर इन मिलों को फिर से चालू किया जाएगा। कांग्रेस और राजद पर निशाना साधते हुए शाह बोले, लालू यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री। लेकिन बिहार और दिल्ली दोनों जगह अब कोई जगह खाली नहीं है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर एक भी दाग नहीं है। दोनों ने मिलकर देश और बिहार को भ्रष्टाचार और आतंकवाद से मुक्त किया है। सभा के अंत में अमित शाह ने जोश के साथ कहा कि मतदान के दिन इतना तेज बटन दबाइए कि दबे यहाँ और आवाज इटली तक सुनाई दे।

नेपाल बॉर्डर के पास अमित शाह ने भरी हुंकार, कहा अब गोला बिहार में बनेगा और पाकिस्तान में फटेगा

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार अभियान के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को पश्चिम चंपारण जिले के मैनाटाड़ पहुंचे, जहां उन्होंने सिकटा विधानसभा क्षेत्र के मैनाटाड़ हाई स्कूल मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया. सभा में भारी भीड़ उमड़ी और लोगों ने जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारों से माहौल उत्साहपूर्ण बना दिया.अपने भाषण की शुरूआत में अमित शाह ने कहा कि बिहार में अब तेजी से विकास हो रहा है और यहां रक्षा उद्योगों का भी विस्तार किया जाएगा. उन्होंने कहा, अगली बार पाकिस्तान में जो गोला फूटेगा, वह बिहार में बनेगा. अब बिहार रक्षा निर्माण में भी अग्रणी बनेगा. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार लगातार आगे बढ़ रहा है और देश मजबूत हाथों में सुरक्षित है।

पटना में बाकरगंज नाले पर बना मकान धंसा : चार लोग फंसे, राहत-बचाव कार्य जारी

एजसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना में मंगलवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया, जब कदम कुआं थाना क्षेत्र अंतर्गत सालिमपुर अहरा के बाकरगंज नाले पर बना एक मकान अचानक धंस गया। दलदली रोड स्थित बाकरगंज नाले के ऊपर वर्षों पहले बनाया गया यह बहुमंजिला मकान अचानक बैठ जाने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना सुबह लगभग 10 बजे के आसपास की बताई जा रही है, जब अधिकांश लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त थे। अचानक हुई इस घटना ने लोगों को सकते में डाल दिया। सूत्रों के अनुसार, मकान में रहने वाले दर्जनों लोग खतरे में आ गए थे, जिनमें से कई तो तुरंत बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन चार लोग अभी भी मलबे में फंसे हैं। आसपास के लोगों और स्थानीय प्रशासन द्वारा तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। सूचना मिलते ही कदम कुआं थाने की पुलिस टीम, फायर ब्रिगेड और पटना नगर निगम की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई है। बाकरगंज नाले पर बना यह मकान लंबे समय से खतरनाक स्थिति में था। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले के ऊपर बने इस तरह के मकानों की नींव बेहद कमजोर होती है, क्योंकि वे पक्के आधार पर नहीं टिके होते। यही बात इस मकान के साथ भी हुई। लगातार हो रही बारिश और नाले के आसपास की जमीन दलदली होने के कारण मकान धीरे-धीरे झुक रहा था। आज सुबह अचानक इसका एक बड़ा हिस्सा जोरदार आवाज के साथ धंस गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास के पूरे इलाके को घेर लिया है। रेस्क्यू टीम राहत कार्य में जुटी हुई है, ताकि मलबे में फंसे लोगों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जा सके। बचावकर्मी हाइड्रोलिक जैक और कटर की मदद से मलबा हटाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, नाले का क्षेत्र होने के कारण वहां कीचड़ और गंदे पानी की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही हैं। स्थानीय लोगों की भीड़ भी वहां जमा हो गई है। लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला जाए। मौके पर मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि धंसने के साथ जोरदार आवाज हुई, और मकान का एक बड़ा हिस्सा झुक गया। कई लोग डर के मारे बाहर भागे, लेकिन कुछ लोग अंदर ही रह गए। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दे दिए हैं।

6 और 7 नवंबर को पटना के सिनेमा हॉल्स में 50% की छूट

एजसी। पटना

पटना जिले में 6 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सिनेमाघर मालिकों ने बड़ा ऐलान किया है। सभी सिनेमा हॉल्स ने एकजुट होकर फैसला लिया है कि मतदान करने वाले दर्शकों को टिकट पर पूरे 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह सुविधा 6 और 7 नवंबर को जिले के हर हॉल के सभी शो में उपलब्ध रहेगी। छूट पाने का तरीका बेहद सरल है। मतदान केंद्र से लौटते समय अपनी उंगली पर लगी अमिट स्याही दिखानी होगी। कोई अतिरिक्त मुहर या प्रमाण-पत्र की जरूरत नहीं। हॉल संचालक इसे जांच कर सीधे टिकट जारी करेंगे। जिला प्रशासन की मतदाता जागरूकता बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया, जिसे मालिकों ने तुरंत स्वीकार कर लिया। यह कदम खासतौर पर युवा मतदाताओं को ध्यान में रखकर उठाया गया है। पटना में पिछले चुनावों में मतदान प्रतिशत 57 के आसपास रहा था, जिसे इस बार 60 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य है। सिनेमा एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि मनोरंजन का लालच वोटिंग बढ़ाएगा और लोकतंत्र को उत्सव का रूप भी देगा। जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने सभी 49 लाख मतदाताओं से घर से निकलकर वोट डालने की अपील की है। उन्होंने कहा कि चैंबर ऑफ कॉमर्स, मेडिकल एसोसिएशन, स्कूल संघ समेत तमाम संस्थाएं इस अभियान में जुड़ी हैं। प्रशासन का मानना है कि ऐसी रचनात्मक पहल नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करेगी।

बड़हरा में जेपी नड्डा की गरज, जंगलराज पर जुबानी जंग तेज; कहा- जिंदगी जेल व बेल में ही कट जाएगी

एजसी। बड़हरा

बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण से पहले सियासी माहौल पूरी तरह गरमा गया है। इसी क्रम में एनडीए के स्टार प्रचारक और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भोजपुर जिले के बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के दौलतपुर खेल मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित किया। मंच पर पहुंचते ही उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और केंद्र व राज्य सरकार की विकास योजनाओं को जनता के सामने रखा। जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ ने पूरे मैदान को चुनावी जोश से भर दिया।नड्डा ने भाषण की शुरूआत करते हुए कहा कि वह सबसे पहले प्राचीन काली मंदिर और वीर कुंवर सिंह को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बिहार को विकसित राज्य बनाने का निर्णायक अवसर है। बिहार की विकास की गाड़ी 2005 के बाद पटरी पर आई है, अब इसे आगे बढ़ाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि 1990 से 2005 तक का दौर अमावस्या की रात था। महागठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह ठगबंधन और लठबंधन है जिसने बिहार को लालटेन युग में रखा, जबकि एनडीए ने उसे एलईडी के

युग में पहुंचाया।चुनाव के बाद हर महिला को दो लाख रुपये का लाभ मिलेगा अपने संबोधन में उन्होंने बिहार में हुए बड़े बुनियादी बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले कोईलवर में एक लेन का पुल था, अब छह लेन का पुल है। पहले सड़कें और एक्सप्रेसवे सपना था, आज हर ओर हाइवे, रेलवे और इंटरनेट की रफ्तार है। उन्होंने बताया कि पटना से सासाराम एक्सप्रेसवे और मेट्रो परियोजनाएं बिहार के नए युग की पहचान हैं। महिलाओं को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद हर महिला को दो लाख रुपये का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि 62 करोड़ लोगों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है। नड्डा ने कहा कि 20 साल पहले मोबाइल चार्ज करने के लिए दस रुपये देने पड़ते थे, आज हर गांव में बिजली और इंटरनेट है। उन्होंने बताया कि 8000 से ज्यादा पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा गया है, रेलवे का बजट बिहार के लिए 10 गुना बढ़ा है, 98 रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिहटा में 1400 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और दरभंगा में 1200 करोड़ का एम्स बन रहा है।2003 में लालू प्रसाद ने तेल पिलावन, लाठियां भजावन रैली निकाली थी' अंत में नड्डा ने आरजेडी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, आरजेडी का मतलब है रंगदारी, जंगलराज

बिहार में दिसंबर पड़ेगी कड़ाके की सर्दी, आईएमडी ने अभी से किया सावधान

एजसी। पटना

बिहार के लोगों को अभी कड़ाके की ठंड के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। मौसम विभाग ने साफ बता दिया है कि नवंबर में दिन-रात का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री ऊपर ही रहेगा। सुबह-शाम हल्की ठण्ड महसूस होगी, लेकिन असली सर्दी दिसंबर में ही दस्तक देगी। मौसम विज्ञान केंद्र के क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया है कि पछुआ हवाओं की वजह से नवंबर में मौसम ज्यादातर शुष्क रहेगा। दूसरे हफ्ते में 10 दिन हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। इस दौरान पूर्वी और दक्षिणी इलाकों में बादल छाए रहेंगे और तराई में सुबह घने कोहरे का प्रकोप देखने को मिलेगा। लेकिन

तापमान 27-29 डिग्री के बीच ही बना रहेगा। दिसंबर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे, तब जाकर कड़ाके की ठंड पड़ेगी। पिछले पांच साल में अक्टूबर का न्यूनतम तापमान इस बार सबसे अधिक रहा। पटना में इस बार तापमान 22.4 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि 2021 में यह 17.4 डिग्री था। यानी 5 डिग्री की बढ़ोतरी। गया, भागलपुर और पूर्णिया में भी यही हाल है। बिहार में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है. नवंबर की शुरूआत में ही बारिश, ठंडी हवाओं और तापमान में गिरावट ने बिहार में ठंड का अहसास बढ़ा दिया है. उत्तरी बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर की वजह से बिहार से पूर्वी तक के हिस्सों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है. पिछले चार दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने कई जिलों में खेतों और खलिहानों को पानी में डूबा दिया है. मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवात मोथा के अवशेष अब भी असर दिखा रहे हैं, जिससे गंगीय पश्चिम बंगाल और बिहार के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना बनी हुई है. मौसम विभाग पटना के मुताबिक रविवार को बिहार के सीमांचल इलाके में बारिश हो सकती है. पटना के आसपास के जिलों में आज मौसम साफ रहेगा. 7 नवंबर के बाद राज्य में तापमान तेजी से नीचे गिरेगा. भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा. आईएमडी ने 5 नवंबर तक बनारस, कानपुर, इटावा, बाराबंकी, अयोध्या, बलिया, बहराइच, प्रयागराज और गोरखपुर में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है. उत्तर प्रदेश में आने वाले दिनों में सुबह के समय तापमान में गिरावट देखी जा सकती है।

पांच साल का तापमान रिकॉर्ड

पटना में अक्टूबर का औसत न्यूनतम तापमान

2025	22.4°C
2024	22.7°C
2023	18.6°C
2022	17.8°C
2021	17.4°C

बिहार चुनाव से पहले अररिया में 35 लाख जब्त गुप्त सूचना के बाद प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

एजसी। पटन

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच अररिया जिले के फारबिसगंज में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सोमवार देर रात फ्लाइंग स्क्वॉड टीम और स्टेटिक सर्विलांस टीम ने सदर रोड स्थित ज्योति होटल परिसर में छापेमारी की और मार्केट के दो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से कुल 35 लाख 20 हजार रुपये नकद बरामद किए। यह राशि चुनाव में अनुचित प्रभाव डालने की आशंका के चलते जब्त की गई है।बताते चलें कि यह कार्रवाई खुफिया सूचना पर हुई। प्रशासन को पता चला कि इन दुकानों के माध्यम से चुनावी कार्यों के लिए नकदी का आदान-प्रदान चल रहा था। आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण 50 हजार रुपये से अधिक नकदी रखने या ले जाने पर वैध दस्तावेज जरूरी हैं। सूचना मिलते ही फारबिसगंज अनुमंडल पदाधिकारी रंजीत कुमार रंजन और एसडीपीओ मुकेश कुमार साह ने टीम गठित कर मौके पर पहुंची और पूरे परिसर को घेरकर तलाशी ली गई। यह छापेमारी संयुक्त थी। एसएसटी और एफएसटी के साथ मजिस्ट्रेट व पुलिस बल भी मौजूद रहा। दो साइबर कैफे से नोटों की गड्डियां मिलीं। आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई ताकि कोई बाधा न आए। बरामद नकदी को सील कर दस्तावेज तैयार किए गए।

सुभाषितम्

देश का उद्धार विलासियों द्वारा नहीं हो सकता। उसके लिए सच्चा त्यागी होना आवश्यक है। - प्रेमचंद

अमेरिका के बंकिम ब्रह्मभट्ट घोटाले के गुजराती तार

घोटालों की दुनिया में एक नया नाम जुड़ गया है, बंकिम ब्रह्मभट्ट। यह वही गुजराती कारोबारी है, जिसने अमेरिका में बैठकर 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला कर दिया है। 1989 में भारत से अमेरिका गया यह शख्स तीन दशकों में अमेरिका का सम्मानित बिजनेसमैन बन गया। अमेरिका में इसकी बड़ी साफ-सुथरी छवि थी। इसने दस्तावेजों में हेरफेर करके अमेरिका में हजारों करोड़ की धोखाधड़ी को अंजाम दिया है। अमेरिका जैसे देश में रहते हुए कई देशों तक में यह धोखाधड़ी करता रहा। खास बात यह है कि अमेरिका इसकी धोखाधड़ी और गड़बड़ी को नहीं पकड़ पाया। अब परतें खुलीं, तो सामने आया, उसकी कंपनी की चमक पूरी तरह कागजी और फर्जी दस्तावेजों पर टिकी हुई थी। उसने हजारों नकली इनवॉइस बनवाकर कंपनियों के नाम पर फर्जी ईमेल और फोन नंबर तक गढ़ लिए, ताकि बैंक और फाइनेंस कंपनियों को उसके द्वारा की जा रही धोखाधड़ी और गड़बड़ी का पता ना लगे। उसका कारोबार अमेरिका में कागजों पर फलफूल रहा था। कंपनी के इसी धोखे में आकर अमेरिकी फाइनेंस कंपनी से उसने लगभग 500 मिलियन डॉलर का कर्ज. ले लिया। बाद में कंपनी को दिवालिया घोषित कर दिया। कंपनी दिवालिया घोषित कर सारी गड़बड़ी पर पलीता लगाने का जो प्रयास किया गया था, वह धीरे-धीरे खुलकर सामने आ गया है। यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति के अपराध की कहानी नहीं है, बल्कि उस सोच का आईना भी है, जो धन को ही सफलता का मानदंड बनाता है। धन का यह भ्रम नैतिकता को पीछे छोड़, अनैतिकता को ही सत्य बना देती है। गुजराती उद्योगपति बंकिम का यह तरीका नया नहीं था। भारत में हर्षद मेहता का शेयर बाजार घोटाला सभी को याद होना चाहिए। हर्षद मेहता के घोटाले ने जिस गड़बड़ी की नींव रखी थी। उसी की शाखाएं आज दुनिया के सभी देशों में फैली हुई नजर आ रही हैं। भारत में नीरव मोदी, विजय माल्या और कई अन्य कॉरपोरेट संतों ने यही फामूर्ला अपनाया। किसी ने बैंकों को गुमराह किया, किसी ने अपने शेयरों का मूल्य झूठा बढ़ाकर कर्ज.लिया, और किसी ने फर्जी कंपनियों के जरिये पैसा इधर-उधर घुमाया। अडानी पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट में जो आरोप लगे, वे भी बंकिम की कार्यशैली से मेल खाते हैं। अपनी संपत्ति को कागजों में बढ़ा-चढाकर दिखाना, विदेशी शेल कंपनियों के माध्यम से पूंजी का खेल खेलना, और अंततः वित्तीय संस्थाओं को गुमराह कर धोखाधड़ी करके लूटना। फर्क बस इतना है, कोई फरार है, कोई अब भी देश में रहकर अपने आपको सत्ता की छांव में सुरक्षित महसूस कर रहा है। इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि चाहे मंच अमेरिका का हो या भारत का, धन और सत्ता का गठजोड़ हर जगह एक जैसा काम करता है। नियामक संस्थाएं अक्सर या तो देर से जागती हैं, या फिर जानबूझकर आंखें मूंद लेती हैं। बैंक और वित्तीय संस्थान जनता के भरोसे से चलते हैं। जब बड़े-बड़े पूंजीपति और राजनेता इन्हें लूटते हैं तो नुकसान भरपाई आमजनता के जेब से होती है। वही विश्वासघात के शिकार होते हैं। राजतंत्र और कॉरपोरेट सेवाओं के शुल्क बढ़ाकर, सरकार टैक्स बढ़ाकर आम जनता से घाटे की भरपाई करती है। अब वक्त आ गया है, भारत और दुनिया के देश इन कॉरपोरेट घोटालों से सबक लें। वित्तीय पारदर्शिता, जवाबदेही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शेल कंपनियों की निगरानी के बिना यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है। बंकिम ब्रह्मभट्ट का यह मामला सिर्फ अमेरिका में हुए नुकसान और आर्थिक अपराध की चेतावनी नहीं है। यह भारत के लिए भी एक दर्पण है। जिसमें झांकने की हिम्मत हमारी व्यवस्था को करनी ही होगी। पिछले तीन दशक में जिस तरह से गुजरात के लोगों ने आर्थिक क्षेत्र में भारत और दुनिया के सभी देशों में अपनी पहचान बनाई थी अब वही पहचान गुजरातियों और भारत के लिए शर्म का कारण भी बन रही है। गुजरात के लोग हमेशा से व्यापार और व्यवसाय के लिए सारी दुनिया में जाने जाते थे। महात्मा गांधी और सरदार पटेल जैसे लोगों ने सारी दुनिया में गुजरातियों का सर गर्व से ऊंचा किया था। अब वही गुजरात के लोगों के कारण भारत की एक ऐसी पहचान बन रही है, जो भारत को भी नुकसान पहुंचा रही है।

चिंतन-मनन

जीवन का संघर्ष

एक दिन एक व्यक्ति बहुत परेशान लग रहा था। मित्र ने पूछा- क्या बात है? आज इतने परेशान क्यों हो? उसने कहा- मैं बहुत मुसीबत में फंस गया हूं। मित्र बोला- तुम्हारी क्या मुसीबत हो सकती है? तुम्हारे दोनों लड़के संपन्न हैं। खूब धन कमा रहे हैं। तुम्हें किस बात की कमी है? तुम ठीक कहते हो। लड़के संपन्न हैं, पर मेरी मुसीबत उनके कारण ही है। ?सा क्या हुआ, जो मुसीबत आ गई? मुसीबत बहुत बड़ी है। मैंने लड़कों को पढ़ाया। एक डॉक्टर बन गया और एक वकील। उनका यह व्यवसाय ही मुसीबत का कारण है। उनके व्यवसाय से आपकी मुसीबत का लेना-देना क्या है? हुआ यह कि एक एक्सीडेंट में मेरे पैर में चोट लग गई, पैर में घाव हो गया। जो डॉक्टर है, वह कह रहा है, पिताजी! घाव को जल्दी ठीक कर लें अन्यथा इसमें रस्सी पड़ जाएगी। हो सकता है फिर पैर काटने के सिवाय कोई विकल्प न रहे। यह तो अच्छी बात है। इसमें मुसीबत का प्रश्न ही कहां है? लेकिन जो वकील है, वह कह रहा है पिताजी! अभी घाव को ठीक नहीं करना है। इसे बढ़ने दें। जब घाव गहरा हो जाएगा, तब मैं दावा करूंगा और पूरा हजार्ना वसूल करूंगा। यही मेरी मुसीबत है। यह जीवन का संघर्ष है, टकराहट है। व्यक्ति दोनों ओर से खिंचा जा रहा है। एक लड़का कहता ठीक कर लें और एक लड़का कह रहा -घाव को और गहरा होने दें। यह जीवन का विचित्र संघर्ष है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति जी रहा है और संघर्षो को झेल रहा है।

हम दिखावे में नहीं सेवा पर विश्वास रखते हैं

- संजय गोस्वामी

ममता कुलकर्णी के दाऊद इब्राहिम पर शब्द एक विवाद से जुड़े हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि वह आतंकवादी नहीं है, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण दिया। इस विवाद के कारण जनवरी 2025 में किन्नर अखाड़े ने उन्हें महामंडलेश्वर के रूप में उनकी आध्यात्मिक भूमिका से निष्कासित कर दिया। प्रारंभिक विवादास्पद बयानः कुलकर्णी ने कथित तौर पर कहा था कि दाऊद इब्राहिम आतंकवादी नहीं है। बाद में स्पष्टीकरणः उन्होंने बाद में इन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण दिया लेकिन इसका क्या मतलब ऐ तो देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए आखिर महा कुम्भ में मैं ना जाकर बहुत अच्छा किया क्योंकि मुझे मालूम था वहाँ आस्था की नहीं पैसे वाले, राजनेता, माफियाओ की की भी टोली होगी इसमें हमेशा वही लोग आते हैं जिन्हे लगता है मुझे अमृत मिल गया और अब मैं कभी मरूंगा नहीं लेकिन वहाँ जाने पर आप को इस बात की जरूर चिंता करनी चाहिए कि आखिर ममता कुलकर्णी ने वहाँ गई भी हो तो उन्हें महामंडलेश्वर पद पर रखने से पहले क्यों नहीं उसकी जाँच की गई जरुरत ऐ नहीं की हम अमृत का पान करें जरुरत ऐ है कि दाऊद जैसे मुंबई बम ब्लास्ट का मुख्य आरोपी के प्रति इतनी भोलापन कैसा ऐ भी उस समय हुआ जब अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर के प्रति लोगों की आस्था थी और बाबरी मस्जिद को लेकर कुछ अल्पसंख्यक का अलग मत था क्या महा कुम्भ में भगवान राम नहीं आए एक बात सुन ले जहाँ भी भगवान राम नहीं जाते हैं वहाँ कोई भी पूजा पाठ सफल नहीं होगा मैं उनके चरणों को प्रणाम करता हूँ मेरी आस्था अमृत पाने की नहीं बल्कि भगवान राम के लिए जीना और उनके लिए मरना है जिंदगी में सबको देख लीजिये अगर आपके पास धन दौलत है तो लोग आते हैं लेकिन जैसा ही आप बीमार होते है तो कितने लोग सिर्फ झांकी मारने आते हैं सेवा एक दो या नर्स के सहारे होता है बाद में लोग अजीज होकर वही लोग मरने की दुआ करते हैं लेकिन मन में अगर भगवान राम को सच्चे दिल से याद करेंगे तो एक असीमित शक्ति का अहसास होगा यही राम की दयालुता है जो सभी कष्ट से मुक्त करता है एक बार भी स्कूल में इसका ज्ञान सही तरीके से दिया जाए तो समाज में दिखावापन, अंधभक्ति, अंधविश्वास आदि दूर होंगे और सत्य की राह पर चलेंगे,

आज जो महाकुम्भ में जाकर भगवान की भक्तई के बारे में जो अवधारना है उसे दूर करने की कोशिश करेंगे क्या एक दिन में या 3-4 दिन में गाड़ी चलाना सीखा जा सकता है नहीं वैसे ही ईश्वर की भक्ति 2-3 दिन का खेल नहीं है भक्ति को जानने के लिए राम भक्त हनुमान की बात करते हैं हनुमान जैसा राम का भक्त कोई नहीं हुआ क्योंकि उनके पास राम रसायन था और ब्रह्मचारी थे वो तो हमेशा राम नाम का ही जाप करते थे अतः भक्ति के प्रतीक हनुमान के बारे में बात करते हैं, जिसमें बताया गया है कि किसी के जीवन में हनुमान बनने के लिए क्या करना पड़ता है और किसी को हनुमान कहने का क्या अर्थ है। इसे विस्तार से समझाने के लिए, मैं आपको भगवान राम और हनुमान के प्रति उनके प्रेम की एक सुंदर कहानी सुनाता हूँ। भगवान राम और हनुमान की कथाः राम भक्त हनुमान अनगिनत कथाओं में से, भगवान राम और हनुमान की कथा, रामायण का यह विशेष पहलू मुझे हमेशा मुस्कुराहट देता है। भगवान राम के राज्याभिषेक के बाद, हनुमान जी अयोध्या में ही रहे और उन्होंने भगवान राम की सभी सेवाओं में पूरी तत्परता से भाग लिया। अन्य लोगों को अपने प्रिय भगवान राम की किसी भी प्रकार की सेवा करने का अवसर नहीं मिला। लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न स्वयं को सेवा करने में असमर्थ महसूस कर रहे थे। उन्होंने माता सीता से हस्तक्षेप करने के लिए कहा। सीता देवी ने समझाया कि वह भी अपने प्रभु की सेवा नहीं कर सकतीं। उन्होंने एक सेवा कार्यक्रम बनाने का निर्णय लिया, जिसमें सभी कार्य आपस में बाँट लिए गए, लेकिन हनुमान जी को इसमें शामिल नहीं किया गया। इसलिए, चारों ने विचार-विमर्श किया और सुबह से लेकर भगवान राम के सोने तक की सेवाओं का एक कार्यक्रम तैयार किया। उन्होंने भगवान राम की स्वीकृति के लिए कार्यक्रम सीता देवी को प्रस्तुत किया। सीता देवी उसे लेकर उनके पास गईं। कार्यक्रम की समीक्षा करने पर, भगवान राम ने देखा कि हनुमान जी को कोई सेवा नहीं दी गई थी। वे अपने भाइयों और सीता देवी की भावनाओं और हनुमान जी को न देने के पीछे के उद्देश्य को समझ गए। उन्होंने परिणाम का पूवार्भास कर लिया, लेकिन केवल मुस्कुराए और सीता से पूछा कि उन्हें क्या करना चाहिए। सीता देवी ने भगवान राम से सूची पर हस्ताक्षर और मुहर लगाने का अनुरोध किया, जिससे यह आधिकारिक हो जाए। भगवान राम ने ऐसा किया और सूची प्रदर्शित की गई। अगले दिन, हनुमान जी भोलेपन से भगवान राम के कक्ष में राम के पैर की मालिश करने के लिए गए। लक्ष्मण ने हनुमान जी को यह समझाते हुए पुनः निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार सेवा शत्रुघ्न को सौंपी गई थी। हनुमान जी ने पाया कि उन्हें किसी भी सेवा में शामिल नहीं किया गया था और वे उपेक्षित महसूस कर रहे थे। खुद को सांत्वना देने के बाद, हनुमान जी ने लक्ष्मण से पूछा कि क्या वे कोई अनिर्धारित सेवा कर सकते हैं। लक्ष्मण सहमत हो गए, उन्हें विश्वास था कि उन्होंने कोई भी कार्य अनदेखा नहीं किया है। हनुमान जी ने जम्हाई लेने की सेवा का प्रस्ताव रखा - भगवान राम के जम्हाई लेने पर अपनी उंगलियाँ चटकाना, जिससे उन्हें बुरे प्रभावों से बचाया जा सके। इस कार्य के पीछे छिपी बुद्धिमत्ता से अनभिज्ञ, वे सहमत हो गए। चूँकि जम्हाई अप्रत्याशित रूप से आ सकती थी, हनुमान जी निरंतर सतर्क रहे। उन्होंने प्रसाद ग्रहण करने की अपनी परंपरा भी बदल दी और भगवान राम के जम्हाई लेने पर अपना दाहिना हाथ चटकाने के लिए खाली रखा, जिससे उनकी अटूट प्रतिबद्धता का परिचय मिला। माता सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न चकित थे। भगवान राम मन ही मन मुस्कुराए, हनुमान जी की अद्वितीय बुद्धिमत्ता को स्वीकार करते हुए। एक रात, भगवान राम शयन कक्ष में चले गए। सीता देवी के विरोध के बावजूद हनुमान जी भी उनके पीछे चले गए। हनुमान जी ने रात में भगवान राम की सेवा करने पर जोर दिया, यह कहते हुए कि यह आवश्यक है। यह बातचीत देखकर, भगवान राम ने हनुमान जी को विश्राम करने का निर्देश दिया। आदेश का पालन करते हुए, हनुमान जी चले गए। हालाँकि, उन्होंने बालकनी से भगवान राम का नाम जपते और उंगलियाँ चटकाते हुए अपनी सेवा जारी रखी। भगवान राम बार-बार जम्हाई लेने लगे, जब तक कि वे थक कर गिर नहीं पड़े, जिससे सभी आश्चर्यचकित हो गए। सभी ने ढूँढ़ा और किसी तरह बालकनी से हनुमान जी को ढूँढ़ निकाला और उन्हें ले आए।

गुरु नानक का प्रकाश पर्व : हर युग के अंधकार को मिटाने वाला संदेश

- योगेश कुमार गोयल

सिख धर्म के आदि संस्थापक और सिखों के पहले गुरु हैं गुरु नानक देव, जो केवल सिखों में ही नहीं वरनअन्य धर्मों में भी उतने ही सम्माननीय हैं। उनका जन्म तलवंडी (जो भारत-पाक बंटवारे के समय पाकिस्तान में चला गया) में सन 1469 में हुआ था। प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है, जिसे प्रकाश पर्व भी कहा जाता है और इस बार 5 नवम्बर को गुरु नानक का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। हालांकि अब तक इसका कारण ज्ञात नहीं है कि गुरु नानक जयंती किसी एक निर्धारित तिथि को न मनाकर कार्तिक मास की पूर्णिमा को ही क्यों मनाई जाती है? नानक जब केवल पांच साल के थे, तभी धार्मिक और आध्यात्मिक वाताओं में गहन रूचि लेने लगे थे। अपने साथियों के साथ बैठकर वे परमात्मा का कीर्तन करते और अकेले में घंटों कीर्तन में मग्न रहते। दिखावे से कोसों दूर वे यथार्थ में जीते थे। जिस कार्य में उन्हें दिखावे अथवा प्रदर्शन का अहसास होता, उसकी वास्तविकता जानकर वे विभिन्न सारगर्भित तर्कों द्वारा उसका खंडन करने की कोशिश करते। नानक जब 9 वर्ष के हुए तो उनके पिता कालूचंद खत्री, जो पटवारी थे और खेती-बाड़ी का कार्य भी करते थे, ने उनका यज्ञोपवीत संस्कार कराने के लिए पुरोहित को बुलाया। पुरोहित ने यज्ञोपवीत पहनाने के लिए नानक के गले की ओर हाथ बढ़ाया तो नानक ने उनका हाथ पकड़कर पूछा कि आप यह क्या कर रहे हैं और इससे क्या लाभ होगा? पुरोहित ने कहा कि बेटे, यह जनेऊ है, जिसे पहनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और इसे पहने बिना मनुष्य शूद्र की श्रेणी में रहता है। तब नानक ने उनसे पूछा कि पुरोहित जी, सूत का बना यह जनेऊ मनुष्य को भला मोक्ष कैसे दिला सकता है क्योंकि मनुष्य का अंत होने पर जनेऊ तो उसके साथ परलोक में नहीं जाता। नानक के इन शब्दों से सभी व्यक्ति बहुत प्रभावित हुए और आखिरकार पुरोहित को कहना पड़ा कि बेटा, तुम सत्य कह रहे हो, वास्तव में हम अंधविश्वासों में डूबे हैं। गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े। पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया। गुरु नानक को एक बार भागो मलिक नामक एक अमीर ने भोजन के लिए अपने घर आमंत्रित किया लेकिन नानक जानते थे कि वह गरीबों पर बहुत अत्याचार करता है, इसलिए उन्होंने भागो का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया और एक मजदूर के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। भागो ने इसे अपना अपमान मानते हुए गुरु नानक को खूब खरी-खोटी सुनाई तथा अपमानजनक शब्द कहे लेकिन नानक ने सरल शब्दों में उसे कहा कि तेरी कमाई पाप की कमाई है जबकि इस मजदूर की कमाई मेहनत की कमाई है। भागो यह सुनते ही भड़क उठा और गुस्से में फुफकारते हुए कहने लगा कि तुम अव्वल दर्जे के पाखंडी और नीच कुल के हो, तभी तो नीच कुल वालों का ही निमंत्रण स्वीकार करते हो। इस पर गुरु नानक ने जवाब दिया कि मैं वह भोजन कदापि ग्रहण नहीं कर सकता, जो गरीबों का खून चूसकर तैयार किया गया हो।

भागो ने गुस्से से उबलते हुए सवाल किया कि मेरे स्वादिष्ट व्यंजनों से तुम्हें खून निकलता दिखाई देता है और उस मजदूर की बासी रोटियों से ...? ह्यह्यदूध। और अगर तुम्हें विश्वास न हो तो स्वयं आजमाकर देख लो।ह्लह्ल नानक ने कहा। घमंड व क्रोध से सराबोर भागो ने अपने घर से स्वादिष्ट व्यंजन मंगवाए और नानक ने उस मजदूर के घर से बासी रोटी। तब नानक ने एक हाथ में भागो के स्वादिष्ट व्यंजन लिए और दूसरे में मजदूर के घर की बासी रोटी और दोनों हाथों को एक साथ दबाया। जब वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि मजदूर की बासी रोटी से दूध की धार निकल रही है जबकि भागो के स्वादिष्ट व्यंजनों से खून की धार तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। यह देख भागो का अहंकार चूर-चूर हो गया और वह गुरु नानक के चरणों में गिरकर क्षमा याचना करने लगा।

गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं?

प्रधानमंत्री का कट्टा प्रेम और बिहार का दुखड़ा

- डॉ. योगेन्द्र

कल भागलपुर में पुराने साथियों की बैठक हुई। संदर्भ बिहार का चुनाव था। पुराने साथियों का जिक्र इसलिए किया, क्योंकि किसी का संबंध जेपी आंदोलन से था, किसी का झुग्गी झोपड़ी आंदोलन से तो किसी का गंगा मुक्ति आंदोलन से। किसी ने दियारे में जमीन का आंदोलन चलाया था तो कोई सामाजिक न्याय आंदोलन से जुड़ा था। इनके पास आंदोलन और जीवन का अनुभव है। बारी बारी से साथियों ने भागलपुर जिले के सातों विधानसभा की चर्चा शुरू हुई। कौन कहां से जीतेगा? पहली चर्चा यह हुई कि कहलगांव और सुल्तानगंज विधानसभा में अगर महागठबंधन चुनाव हारता है तो इसका कारण पटना और दिल्ली के बड़े नेता होंगे। दोनों जगह कांग्रेस भी लड़ रही है और राजद भी। बिहपुर, गोपालपुर, नाथनगर और पीरपैंती में महागठबंधन ठीक ठाक है। चारों जगह जीतने की उम्मीद है। भागलपुर में बीजेपी मजबूत है। रोहित पांडे चुनाव जीत सकते हैं। अजीत शर्मा के बारे में साथियों का ख्याल यह था कि वे किसी से मिलते नहीं, न कोई काम करते हैं। पैसा बहुत है और उनके लिए विधायक का पद शोभा की वस्तु है। मजा यह था कि इन साथियों का संबंध वैचारिक रूप से गांधी, लोहिया और जयप्रकाश से संबंध है। ये लोग अब डा अम्बेडकर को भी पसंद करते हैं।? इन महापुरुषों की मूल धारा जाति के खिलाफ वाली है, लेकिन विधानसभा के चुनाव - विश्लेषण में जाति हावी रही। जाति और संप्रदाय के आधार पर ही जीत - हार का ठीकरा फोड़ा गया। महागठबंधन की ओर मुस्लिम, यादव, निषाद, तांती , एक हद तक कुशवाहा आदि जातियां हैं तो एनडीए की तरफ सवर्ण, कुर्मी, कुशवाहा, अंत्यंत पिछड़ी जातियां आदि हैं। दलित जातियों और अंत्यंत पिछड़ी जातियों में बिखराव है। साथियों का यह भी अंदाजा है कि बीजेपी की सीट घटेगी, जदयू की बढ़ेगी और सरकार महागठबंधन की बनेगी। मोटा - मोटी यह विश्लेषण है, इसका यह मतलब यह नहीं है कि पूरी की पूरी जातियां किसी एक पार्टी को ही वोट देंगी। उम्मीदवार की जाति के आधार पर भी खेल होगा।

इधर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। बिहार में आते ही उन्हें कट्टा याद आया। गुजरात में इंड्रस्टी की याद आती है। उनकी भाषा पूरी तरह सड़क छाप है -ह्ल आरजेडी ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रख कर मुख्यमंत्री पद हड़प लिया ।ह्व उन्हें प्रधानमंत्री के पद का जरा भी ख्याल नहीं रहता। राजद बिहार में कांग्रेस से ज्यादा सीट लाता है, कांग्रेस को कम सीट मिलती है तो स्वाभाविक तौर से मुख्यमंत्री राजद का ही होगा। वे तो अपनी पार्टी के बारे में सोचें कि ज्यादा सीट रहते हुए भी उन्हें नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाना पड़ा। कट्टा तो उनकी पार्टी की गर्दन पर है। प्रधानमंत्री जी, अभी भी मौका है नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री घोषित कर दीजिए। अगर यह घोषणा नहीं हुई तो आपकी हार का एक बड़ा कारण यह भी होगा। बीस सालों से जदयू - बीजेपी का शासन है, तब भी प्रधानमंत्री कट्टा - कट्टा चिल्ला रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह का तो बथान ही अलग रहता है। उनका कहना है कि तेजस्वी सीएम बने तो अपहरण व रंगदारी के विभाग खुलेंगे। अभी भी बिहार में क्या हो रहा है? चुनाव के पिछले कुछ दिनों में हत्या की जघन्य घटनाएं हुई हैं। देश में जो नीति आप चला रहे हैं, उसमें बेरोजगारी बढ़ रही है।

आज का राशिफल

मेष सुख इजाफा होगा,फल स्वरूप वृद्धजनों की सेवा पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा।	**तुला** आज अत्यधिक श्रम करने पर भी आय कम और व्यय अधिक होगा। गुप्त शत्रु सक्रिय रहेंगे।
वृषभ प्रतिद्वंदी आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे। धीरे-धीरे सफलता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं।	**वृश्चिक** कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।
मिथुन दिन सामान्य है। बौद्धिक तथा व्यवसायिक क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी।	**धनु** घर में धन धान्य की वृद्धि, धन का लाभ, निरोगता, शत्रुओं पर विजय और सभी मनोरथ सिद्धि होगी।
कर्क आज शुभ कार्यों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। आप द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद रहेगा।	**मकर** उच्चाधिकारियों की कृपा से भूमि-जायदाद सम्बन्धी विवाद का समाधान भी हो जाएगा।
सिंह आज आपका भाग्य हर काम में आपका साथ देगा। विरोधियों का षड़यंत्र असफल रहेगा।	**कुंभ** आज का दिनकर्म फल की सिद्धि कारक है। कहीं से कमा कमाया धन मिलने का योग है।
कन्या दिन लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। मीन राशि का चन्द्रमा आपके सामने ढेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करेगा।	**मीन** आज धन का आगमन होगा। फल स्वरूप आज पूरे दिन आय के नए स्त्रोत सामने आयेंगे।

विशेष

जुमलों की बौछार?

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन द्वारा मतदाताओं को बड़े-बड़े सपने दिखाए जा रहे हैं । जो सत्ता में है, उन्होंने पिछले 11 वर्षों और 20 वर्षों में जो सपने दिखाए थे । वह जुमले साबित हुए । जो अभी सत्ता से बाहर हैं । वह भी बड़े-बड़े सपने दिखा रहे हैं । सपने पूरे होंगे या जुमले बनेंगे । इसको लेकर मतदाताओं के बीच में तरह-तरह की चर्चा सुनने को मिल रही है । चुनाव यदि जुमले से जीते जा सकते हैं । तो निश्चित रूप से किसके जुमलों की जीत होगी, इसका पता परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा ।

मल्लिकार्जुन खड़गे कर रहे आरएसएस पर प्रतिबंध की मांग

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा उनके पुत्र प्रियांक खडगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग लगातार कर रहे हैं । पूर्व गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरदार पटेल का उल्लेख करते हुए कहा, सरदार साहब की इच्छा थी । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगे ।सरकार को संघ पर प्रतिबंध लगाकर पटेल साहब की इच्छा पूरी करनी चाहिए । महात्मा गांधी की हत्या के बाद संघ पर प्रतिबंध लगाने का काम सरदार पटेल ने किया था । संघ के माफी मांगने पर उस समय प्रतिबंध हटा लिया गया था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1556: पानीपत की दूसरी लड़ाई अकबर और हेमू के बीच हुई। 1605: ब्रिटिश संसद को उड़ाने की गई फाक्स साजिश का भंडाफोड़। 1630: एंग्लो स्पेनी युद्ध समाप्त हुआ। 1841: मिस्त्र के मेहमत अली लंदन संधि की शर्तों से सहमत हुए। 1883: ब्रिटेन सूडान से हटने को राजी हुआ। 1911: इटली ने त्रिपोली पर कब्जा किया। 1914: ब्रिटेन ने साइप्रस पर कब्जा किया। 1916: पोलैंड की स्थापना की घोषणा हुई। 1962: सऊदी अरब ने संयुक्त अरब गणराज्य से संबंध तोड़ लिए। 1985: राष्ट्र संघ महासभा ने वियतनामी फौजें कंबोडिया से हटाने का प्रस्ताव पारित किया। १९८७: दक्षिण अफ्रीका ने अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के नेता गोवान एम्बेकी को रिहा किया। 1989: लेबनान की संसद ने 14 वर्ष से जारी गृहयुद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव मंजूर किया।

दैनिक पंचांग

5 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

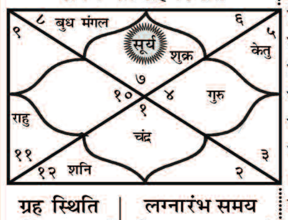

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.03 ब.से
चंद्र	मेष में	धनु	09.19 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.24 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.10 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.43 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.14 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.54 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.52 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.05 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.22 बजे से
12.00 से 1.30		कन्या	02.33 बजे से
बजे तक		तुला	04.44 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 309 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 18.49 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 09.40 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 11.28 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.45 बजे, बव 18.49 बजे तदनन्तर बालव 04.52 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 41' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872519 **जूलियन दिन** 2460984.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 13 **विशेष** देव दिवाली, कार्तिक पूर्णिमा, पूर्णिमा उपवास, गुरु नानक जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खूंटी में थाना प्रभारी को पीटने वालों की तलाश तेज, कई लोगों से हो रही पूछताछ

खूंटी, एजेंसी। जिले के रनिया थाना क्षेत्र के लोहागढ़ा में आयोजित डाईर मेले के दौरान थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल और सशस्त्र बल पर जानलेवा हमला मामले की जांच शुरू हो गई है। सोमवार को गठित टीम घटनास्थल पहुंची और पूरे मामले की जांच की। टीम में रनिया सीओ सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे।

अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज : लोहागढ़ा बाजार टांड़ स्थित जिस जगह पर रनिया थाना प्रभारी के साथ मारपीट की घटना हुई, उस जगह से पुलिस ने कई साक्ष्य जुटाए हैं। खासकर लकड़ी का डंडा, पत्थर और बोतल सहित कई चीजों को पुलिस ने जब्त किया है, जिससे थाना प्रभारी पर हमला किया गया था। हमला करने वाले सभी सामानों को वहीं छोड़कर भाग गए थे। घटना उस समय हुई जब थाना प्रभारी दो गुटों में हुए झगड़े को शांत कराने पहुंचे थे। सीओ सह बीडीओ प्रशांत डांग की आवेदन पर पुलिस ने दो नामजद सहित 40 से 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ रनिया थाना कांड संख्या 33/25 के तहत मामला दर्ज किया है।

आवेदन के अनुसार, लगभग साढ़े तीन बजे दारू भट्टी के पास दो गुटों में विवाद की सूचना मिली थी। थाना प्रभारी सशस्त्र बल के साथ मौके पर पहुंचे, जहां नशे में धुत कुछ लोग आपस में झगड़ रहे थे। उन्होंने झगड़ा रोकने और शराब बेचने वालों को मना करने की कोशिश की, तभी भीड़ ने अचानक हमला कर दिया।

दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि मेला आयोजन के अध्यक्ष शिव अवतार सिंह व सचिव मनोज कांसी को स्वयंसेवक तैनात करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। करीब 40 से 50 लोग जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, उन्होंने थाना प्रभारी पर हमला करके उनको लहूलुहान कर दिया। इस घटना से विधि-व्यवस्था बिगड़ गई और अधिकारियों के जीवन पर खतरा उत्पन्न हो गया।

हमलावरों को ढूंढ रही है पुलिस : घटना के बाद देर रात तक पुलिस की छानबीन जारी रही। सोमवार की सुबह से तोरपा, तपकरा व रनिया थाना की संयुक्त टीम लोहागढ़ा डाईर के आसपास के क्षेत्र में लगातार छापेमारी कर रही है। टीम द्वारा कुछ ग्रामीणों को पिकेट में लाकर पूछताछ की जा रही है, तोरपा सर्किल इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह सभी से पूछताछ कर हमलावरों को ढूंढ रहे हैं।

दोपहर बाद सयुंक्त टीम ने डाईर मेला स्थित घटनास्थल से थाना प्रभारी विकास पर हुए हमले में प्रयुक्त बियर की बोतल, लकड़ी का बोंगड़ा व पत्थर को सबूत के लिए जब्त किया है। घटनास्थल पर बिखरा खून भी दिख रहा है। देर शाम तोरपा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा पिकेट पहुंचे और लोगों से पूछताछ की।

पुलिस प्रशासन निष्पक्षता के साथ करे जांच–मुखिया : समाजसेवी तुलसी महतो ने बताया कि घटना काफी दुखद है। मामले की जांच होनी चाहिए और मारपीट करने वालों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को भयभीत नहीं होना चाहिए, जिन्होंने गलत किया है कार्रवाई उन्हीं लोगों पर होगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि थाना प्रभारी की जिम्मेदारी थी कि सुरक्षा व्यवस्था कैसे करें।

खटंगा पंचायत के मुखिया जोन कंडूलना ने कहा कि लोहागढ़ा की घटना काफी दुखद है। हम लोग शांति व अमन चैन से रहना चाहते हैं। लेकिन कुछ कारणवश मामला बिगड़ा गया। उन्होने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों को निष्पक्षता के साथ सुना जाए। ताकि अनावश्यक रूप से किसी को परेशानी न हो।

'आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर भेजा जाएगा जेल' : मुखिया ने प्रशासन से अपील की है कि प्रशासन न्याय करते हुए आगे बढ़े ताकि पुलिस प्रशासन पर लोगों का भरोसा बना रहे। वहीं तोरपा के एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही थाना प्रभारी के साथ मारपीट करने वालों को जेल भेजा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आरयू : स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में साहित्य सृजन पर हुआ विमर्श

रांची, एजेंसी। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी (डीएसपीएमयू) में शोध की अभिरूचि विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षाविद और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। यह कार्यक्रम एचओडी डॉ एसएम अब्बास की मॉनिटरिंग में हुआ, जिसमें डॉ। गया पांडेय, डॉ। एस पी। सिन्हा, डॉ। राजीव कुमार, डॉ। शशि किरण, डॉ। अभय मिंज, डॉ। सेलस्टिन सोरेंग, विवेक भगत, गढ़वा के एसडीएम संजय पांडेय समेत अन्य ने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बावजूद सामाजिक डेटा की उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। कहा कि शोध केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि रुचि और संवेदनशीलता का परिणाम होता है।

स्पेनिश टूरिस्ट महिला से दुष्कर्म मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, मामला निष्पादित

रांची, एजेंसी। दुमका में स्पेनिश टूरिस्ट महिला के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने सोमवार को स्वत: संज्ञान से चल रही जनहित याचिका की सुनवाई पूरी कर दी। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार के जवाब से संतुष्ट होकर मामले को बंद कर दिया। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता शाहबाज अख्तर ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। कुल 32 गवाहों में से 16 गवाहों की गवाही पूरी हो चुकी है, और आज भी इस मामले में गवाही दर्ज की जानी है। सरकार का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने कहा कि राज्य की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है, इसलिए अब इस मामले की आगे मॉनिटरिंग की आवश्यकता नहीं है। गौरतलब है कि यह मामला दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र का है, जहां स्पेनिश भाषा बोलने वाली ब्राजील निवासी महिला टूरिस्ट के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात हुई थी। पीड़िता अपने पति के साथ दुमका के कुंजी गांव में टेंट लगाकर रुकी थी। इसी दौरान 8 से 10 आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था, बाद में अन्य आरोपियों को भी हिरासत में लिया गया। घटना के बाद राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की थी। हाईकोर्ट ने माना कि सरकार द्वारा उठाए गए कदम पर्याप्त हैं।

घोड़ाबांधा में ओला सर्विस सेंटर के बाहर खड़ी चार गाड़ियां जलकर राख,

जमशेदपुर, एजेंसी। गोविंदपुर थानांतर्गत घोड़ाबांधा स्थित ओला सर्विस सेंटर के बाहर खड़ी ओला की गाड़ी में अचानक से आग लग गयी। आगजनी में ओला कंपनी की चार गाड़ियां जलकर पूरी तरह से राख हो गयी। आग लगने की सूचना गोविंदपुर पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गयी। इसके बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। आगजनी में करीब पांच लाख से ज्यादा का नुकसान होने की बात कही जा रही है। आगजनी के कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना रविवार देर रात की है। आसपास के लोगों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार की देर रात ओला सर्विस सेंटर के बाहर खड़ी गाड़ियों में अचानक से आग लग गयी। आग की लपटें काफी तेजी से फैल गयी। जिससे क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गयी। कुछ लोगों ने उसे बुझाने का प्रयास किया, मगर लपटें इतनी तेज थी कि आग पर काबू पाया नहीं जा सका। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। ओला सर्विस सेंटर के मैनेजर पुरुषोत्तम ने बताया कि आग कैसे लगी, उसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्हें शक है कि किसी असामाजिक तत्व ने इस घटना को अंजाम दिया है। मैनेजर ने बताया कि आगजनी में पांच लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है। गोविंदपुर पुलिस ने बताया कि आगजनी की घटना में चार गाड़ियां जली है। पुलिस इस मामले की छानबीन कर रही है। इसमें जो भी दोषी पाया जायेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग करने वाले दो शूटर गिरफ्तार

जमशेदपुर, एजेंसी। भुइयांडीह के कारोबारी हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग करने वाले मुख्य शूटर काशीडीह लाइन नंबर–1 निवासी राज सिंह कश्यप उर्फ कोंदू और गोलमुरी केबल टाउन निवासी राजेश गिरी उर्फ दांतु को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा, एक मैग्जीन, जिंदा गोली और फायरिंग के दौरान प्रयोग में लायी गयी स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने पूछताछ के बाद सोमवार को दोनों को जेल भेज दिया। उक्त जानकारी एसएसपी पीयूष पांडेय ने एसएसपी कार्यालय सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। एसएसपी ने बताया कि राज सिंह कश्यप और राजेश गिरी ने मिलकर हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। गोलमुरी टुइलाडुंगरी निवासी दशरथ शुक्ला के कहने पर ही 10 अक्तूबर की सुबह हरेराम सिंह के घर पर फायरिंग की थी। फायरिंग के बाद तीनों आरोपी अलग–अलग शहरों में छिपने के लिए निकल गये थे।

जेएमएम के फेसबुक पेज पर डाली अश्लील फोटो, पूर्व जिला उपाध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर अश्लील तस्वीरें अपलोड करने के मामले में पार्टी से निष्कासित पूर्व जिला उपाध्यक्ष सह ग्रामीण संवेदक संघ के अध्यक्ष सुनील सिरका के खिलाफ सदर थाना में मामला दर्ज कराया गया है। इस संबंध में झामुमो के जिला सचिव राहुल आदित्य ने लिखित शिकायत देते हुए कहा कि 31 अक्टूबर की रात झामुमो के आधिकारिक फेसबुक पेज पर सुनील सिरका ने अपने व्यक्तिगत अकाउंट से चार नग्न महिलाओं की आपत्तिजनक तस्वीरें पोस्ट कीं।

उक्त पेज से हजारों पार्टी कार्यकर्ता और आम लोग जुड़े हैं। यह पोस्ट पार्टी की गरिमा और छवि को ठेस पहुंचाने वाला है। शिकायत में कहा गया है कि सुनील सिरका को वर्ष 2019 में विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने के कारण छह वर्ष के लिए संगठन से निष्कासित किया गया था। अब उन्होंने झामुमो की छवि धूमिल करने और जनता में भ्रम फैलाने की नीयत से यह अश्लील पोस्ट किया है। पार्टी ने इसे पूर्व नियोजित साजिश बताते हुए आरोप लगाया है कि इस प्रकार की हरकत से न केवल संगठन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है, बल्कि इंटरनेट मीडिया पर पार्टी की छवि भी खराब हुई है।

इस मामले की पुष्टि करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) बहामन टुटी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

देवघर पुलिस साइबर क्राइम को लेकर कर रहा जागरूक

ग्रामीणों को दी जा रही ठगी से बचने की जानकारी, मोरने गांव से शुरू हुआ अभियान

देवघर, एजेंसी। देवघर जिले में बढ़ते साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने अब जागरूकता का रास्ता चुना है। पुलिस अधीक्षक सौरभ के निर्देश पर देवघर पुलिस ने विशेष साइबर जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान की शुरुआत मोहनपुर थाना क्षेत्र के मोरने गांव से की गई। जहां पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में साइबर अपराध के बढ़ते नेटवर्क को तोड़ना और लोगों को इस अपराध के प्रति सचेत करना है। पुलिस ने बताया कि उन गांवों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां से पहले सबसे ज्यादा साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हुई थी।

साझा प्रयास से साइबर अपराध पर अंकुश लगाने की पहल : एसपी सौरभ ने कहा कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य जनता के सहयोग से सूचना एकत्र कर साइबर अपराधियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि साइबर अपराध में शामिल लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अब ऐसे संगठित अपराधियों की संपत्तियां जब्त करने की भी तैयारी कर रही है।

इसके साथ ही जो लोग साइबर अपराधियों को पनाह या सहयोग देते हैं, उन्हें भी चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान पुलिस ने ग्रामीणों को बताया कि यदि किसी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या संदिग्ध गतिविधि दिखे, तो तुरंत टोल-फ्री नंबर 1939 पर सूचना दें।

ग्रामीणों ने जताया भरोसा, पुलिस को दिया सहयोग का आश्वासन : अभियान के दौरान ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने देवघर पुलिस की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता से अब लोग ज्यादा सतर्क हो रहे हैं और साइबर अपराधियों की गतिविधियों की जानकारी देने के लिए आगे आ रहे हैं। ग्रामीणों ने भरोसा जताया कि यदि गांवों में लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, तो अपराधियों के हौसले पस्त होंगे। गौरतलब है कि इस वर्ष 1 जनवरी से 1 नवंबर तक देवघर पुलिस ने 659 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

पलामू में सड़क हादसा; बीएड छात्रा की मौत:पति और दो बच्चे हुए घायल

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के सदर थाना क्षेत्र के खनवा गांव में सड़क हादसे में बीएड की छात्रा की मौत हो गई। हादसे में उसके पति और दो छोटे बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतका की पहचान 28 वर्षीय आशा कुमारी के रूप में की गई है। वह जीएलए कॉलेज की बीएड छात्रा थीं। सिक्की कला विद्यालय में अपना शिक्षण अभ्यास पूरा कर पति और सात माह व दो साल के बच्चों के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रही थीं। खनवा गांव के समीप पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पर सवार चारों लोग सड़क पर गिर पड़े। इस दौरान ट्रक महिला को रौंदते हुए भागने लगा। मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। हिम्मत दिखाते हुए भागते हुए ट्रक को कुछ दूरी पर पकड़ लिया। घायलों को आनन-फानन में एंबुलेंस की मदद से मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच), मेदिनीनगर भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने आशा कुमारी को मृत घोषित कर दिया। पति और दोनों बच्चों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी लाल जी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में शामिल ट्रक एफसीआई में चलने वाला एक खाली वाहन था।

पुलिस ने वाहन और उसके चालक को पकड़ लिया है। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि ट्रक तेज रफ्तार में था और नियंत्रण खोने से यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। आशा कुमारी की मौत की खबर मिलते ही उनके घर में कोहराम मच गया। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, जीएलए कॉलेज में भी छात्रा की असामयिक मौत से गम का माहौल है। सहपाठियों ने बताया कि आशा मेहनती और खुशमिजाज छात्रा थीं।

'एक तरफ व्यापारियों की जमात, दूसरी तरफ गरीब आदिवासी-मूलवासी', घाटशिला उपचुनाव में हेमंत सोरेन की हुंकार

घाटशिला/मुसाबनी, एजेंसी। घाटशिला उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में सीएम हेमंत सोरेन ने पहली चुनावी सभा मुसाबनी के कुईलीसूता मैदान में की। जहां सीएम ने जनता ने झामुमो प्रत्याशी के जीत की अपील किया।

सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि आप सबको पता है झारखंड मुक्ति मोर्चा का कर्तव्य व हमलोगों का दायित्व क्या है। ये व्यापारियों की पार्टी नहीं है, ये व्यापारियों की जमात नहीं है। ये आदिवासी, दलित, गरीब, पिछड़ा, किसान मजदूर यहां के मूलवासी व आदिवासियों की पार्टी है।

सीएम सोरेन ने आगे कहा एक तरफ व्यापारियों का जमात और दूसरा तरफ गरीब गुरबा आदिवासी मूलवासी। यही लड़ाई पूरा देश में चल रहा। ये लोग आदिवासी,दलित पिछड़ा गरीब को लगातार कुचलने में लगे है। ये व्यापारी लोग कुछ देता नहीं ये लोग लेने वाले लोग है।

जब जरूरत पड़े तो आपका पैर पकड़ लेगा,लेकिन जब उसका काम निकल जाएगा सीधा गर्दन पकड़ लेगा। इसलिए ध्यान रखिएगा बहुत सारे लोग वोट मांगने आएंगे। उन लोगों का प्रचार गाड़ी घूमेगा। कुछ लोग रिश्ता नाता व व्यक्तिगत स्वार्थ साधने के लिए सड़कों पर उतरेगा।

उन्होंने कहा चुनाव व्यक्तिगत स्वार्थ साधने के लिए नहीं, चुनाव हक व अधिकार कैसे मिलेगा इसके लिए होता। आदिवासी व मूलवासी के हक व अधिकार को उनके दरवाजे तक पहुंचाने का कोई ताकत रखता तो वह झामुमो की सरकार है।

सीएम ने आगे कहा बहुत लोग हमारे प्रत्याशी को बोलता होगा बोका है अभी छोटा है कुछ नहीं जानता। ये कोरा कागज इसपर जो यहां घाटशिला के लोग लिखेंगे वही इसके पीठ पर लिखाएगा। आज इसलिए इस बात को ध्यान में रखिएगा आप कौन सा जगह चुनिएगा।

बहुत सारे लोग बोले मंत्री रामदास सोरेन थे। इनको चुनाव से पहले मंत्री काहे नहीं बनाया। इसके पहले तो बहुत लोग मंत्री बन गए। हमको पता है किसको कब बनाना है। आज इस नौजवान को आज के लिए नहीं आने वाली पीढ़ी के लिए तैयार करेंगे। हमको इसको बहुत कुछ सीखाना है,ताकि आपकी सेवा में 24 घंटे आपके बीच में रहे।

बहुत विधायक बनाए हमने बहुत को मिटते व बहुत को डूबते देखा। आज एक ऐसा रास्ता पर चलेंगे जहां हम पूरी ताकत लगाएंगे। एक नौजवान साथी सोमेश सोरेन इसका सहयोगी बनेगा। ईवीएम मशीन में इतना बटन दबाए की दिल्ली तक आवाज जाए की झारखंड में झामुमो के अलावे कोई जगह नहीं है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए आर्थिक संरचना जरूरी

राज्य की सिल्वर जुबली के अवसर पर हम अगले 25 वर्षों के विकास का रोडमैप

रांची, एजेंसी। झारखंड अपनी अपार प्राकृतिक और खनिज संपदा, मेहनती मानव संसाधन और भौगोलिक विशेषताओं के लिए देश में अद्वितीय है, लेकिन आज यहां की अर्थव्यवस्था का जो आकार होना चाहिए, वह नहीं हो पाया है। राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 1.50 लाख करोड़ रुपए है, जबकि यह कम से कम 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचना चाहिए था। राज्य की आर्थिक संरचना को सशक्त बनाने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आधार बनाना जरूरी है।

यदि पिछले वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों और वन संपदा आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन मिला होता, तो रोजगार के अवसरों में वृद्धि के साथ-साथ लोगों की जीवनशैली में भी उल्लेखनीय सुधार होता। झारखंड को देश और विदेश में एक फ्रेंडली इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए। यदि झारखंड के लोगों को अपने ही राज्य में पर्याप्त रोजगार मिल जाए, तो यह न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा, बल्कि पलायन की समस्या भी समाप्त होगी। विकास की बुनियाद में ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है।

झारखंड में कोयला, सौर ऊर्जा, न्यूक्लियर संसाधन और बायोफ्यूल की प्रचुर संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में निवेश और नीति-निर्माण से यह राज्य केवल ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सकता है, बल्कि देश को ऊर्जा उपलब्ध कराने वाला अग्रणी राज्य भी बन सकता है। यहां रेलवे और रक्षा उत्पादन इकाइयों की स्थापना की संभावनाएं अत्यधिक हैं। झारखंड जो लौह और इस्पात उत्पादन का गढ़ है, यहां एक भी प्रमुख ऑटोमोबाइल यूनिट नहीं है। झारखंड को आईटी, एआई, ड्रोन, और स्पेस इंजीनियरिंग जैसे भविष्य के उद्योगों का केंद्र बनाना होगा।

झारखंड को आईटी, एआई व स्पेस इंजीनियरिंग का केंद्र बनाना होगा : राज्य की सिल्वर जुबली के इस अवसर पर हम अगले 25 वर्षों के विकास का रोडमैप तैयार करें। इसमें अर्थशास्त्रियों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को सम्मिलित किया जाए, ताकि यह तय किया जा सके कि आम नागरिक की आय और खुशहाली कैसे बढ़े। रेशम उत्पादन और बांस उद्योग को नई अर्थव्यवस्था का आधार बनाया जा सकता है। वियतनाम जैसे देशों ने बांस उद्योग से अपनी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई दी है। झारखंड को आईटी, एआई, ड्रोन, और स्पेस इंजीनियरिंग जैसे भविष्य के उद्योगों का केंद्र बनाना होगा। '

15 नवंबर... स्थापना दिवस : आदित्य मल्होत्रा एक सफल व्यवसायी हैं। वह झारखंड चैंबर में पिछले 15 वर्षों से सक्रिय हैं। इन 15 सालों की यात्रा में उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है। इनमें रोटरैक्ट, राउंड टेबल, रांची मैनेजमेंट एसोसिएशन, रोटरी क्लब आदि शामिल हैं।-

कौन थे गुरु नानक देव जी? जिन्होंने की थी सिख धर्म की स्थापना

सिख धर्म से जुड़े लोग कार्तिक पूर्णिमा के पर्व का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि इस तिथि पर गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है।
गुरु नानक देव जी ने सिख धर्म की स्थापना की थी। इसलिए उन्हें सिख धर्म के संस्थापक के रूप में सम्मानित किया जाता है। कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गुरुद्वारों को सुंदर तरीके से सजाया जाता है और बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। इसके अलावा गुरुवाणी का पाठ और लंगरों का आयोजन किया जाता है।
गुरु नानक देव जी समाज के लोगों को सदैव परमपिता से मिलन का मार्ग बताते रहें। उन्होंने ऐसे कई अनमोल वचन दिए हैं, जिनका पालन कर व्यक्ति अपने जीवन को बदल सकता है। वर्ष 2025 में गुरु नानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व है।
गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल, 1469 में तलवंडी (अब पश्चिम पाकिस्तान) में हुआ था। उनके पिता जी का नाम मेहता कालू और माता जी का नाम तृप्ता था। उनके पिता तलवंडी गांव में पटवारी का कार्य किया करते थे। गुरु नानक देव जी ने वर्ष 1487 में शादी की, जिसका नाम सुलखनी था। इनके दो पुत्र श्रीचंद और लख्मी चंद थे। उन्होंने कई तीर्थयात्रा की थी। यात्रा के दौरान उन्होंने लोगों को सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरुक किया। उन्होंने अपना अंतिम समय पाकिस्तान के करतारपुर में बिताया। वर्ष 1539 में उनकी गुरु नानक जी की मृत्यु हो गई। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि उन्होंने अपनी मृत्यु से पहले ही शिष्य भाई लहना को उत्तराधिकारी बनाया था।

गुरु नानक देव जी की शिक्षा

- गुरु नानक देव जी ने लोगों को सदैव सत्य बोलने और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।
- गुरु नानक देव जी के अनुसार ईश्वर की भक्ति करने वाले जातक को जीवन में कभी भी भय नहीं रहता।
- कभी किसी बुरे कार्य को करने के बारे में न सोचे।
- जीवन में सदैव खुश रहना चाहिए और प्रभु से क्षमा मांगनी चाहिए।
- रोजाना ईश्वर की सच्चे मन से उपासना करनी चाहिए।

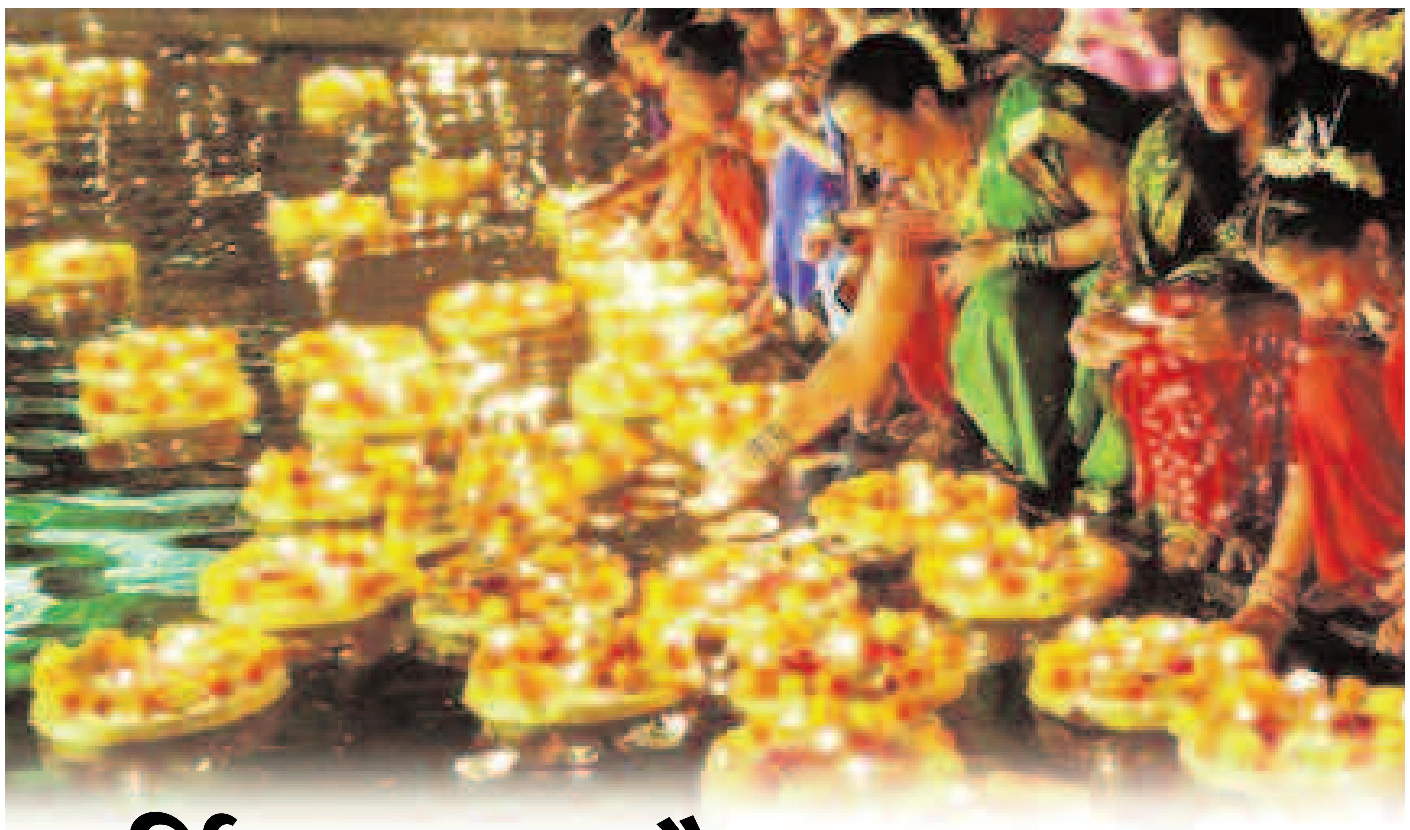

धार्मिक महत्व और सांस्कृतिक आस्था का पर्व है कार्तिक पूर्णिमा

कार्तिक पूर्णिमा का पर्व हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है। इसे कार्तिक मास के आखिरी दिन मनाया जाता है। कार्तिक पूर्णिमा का पर्व न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन दीपदान, गंगा स्नान, व्रत, पूजा-अर्चना और दान का विशेष महत्व है।

कार्तिक पूर्णिमा कब है

हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा 5 नवम्बर को मनाई जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा का महत्व

हिंदू धर्म के शास्त्रों में कार्तिक पूर्णिमा को पवित्रतम तिथियों में से एक माना गया है। इस दिन का महत्व विभिन्न धार्मिक ग्रंथों में विस्तार से बताया गया है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के रूप में मत्स्य अवतार का जन्म हुआ था, जो सृष्टि के विनाश और पुनर्सृजन की कथा से जुड़ा है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पुण्य कर्मों का फल अन्य दिनों की तुलना में अधिक होता है। विशेषकर गंगा नदी में स्नान और दीपदान को अत्यधिक पुण्यकारी माना गया है। भगवान शिव के भक्तों के लिए भी यह दिन खास होता है, क्योंकि इसे त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था, जो संसार के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ था। इसलिए, इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में भी मनाया जाता है।

स्नान-दान का महत्व

इस दिन गंगा, यमुना और अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। कहते हैं कि इस दिन जो व्यक्ति गंगा स्नान करता है उसके सभी पाप धुल जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए, भारत के विभिन्न हिस्सों में लोग इस दिन गंगा के तट पर एकत्रित होते हैं और स्नान के बाद पूजा-अर्चना करते हैं। दान का महत्व भी इस दिन विशेष माना जाता है। ब्राह्मणों तथा दीन-दुःखी, निर्धन लोगों को अनाज, वस्त्र, धन, और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करने से पापों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। दीपदान, जो इस दिन का एक प्रमुख कार्य है, अंधकार को दूर करने और जीवन में प्रकाश फैलाने का प्रतीक है। इसे करते समय लोग अपने घरों के पास, मंदिरों में और नदियों के किनारे दीप जलाते हैं।
हिन्दू धर्म में का विशेष महत्व दान उल्लेख धार्मिक ग्रंथों में विस्तार से किया गया है। किसी भी त्यौहार या शुभ समय पर पात्र व्यक्तियों को निःस्वार्थ भाव से पूरे मन के साथ श्रद्धापूर्वक दान करें। गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु द्वारा दान के महत्व को विस्तार से बताया गया है।
दान के महत्व का उल्लेख करते हुए पौराणिक ग्रंथों में कहा गया है-

अल्पमपि क्षितौ क्षिप्तं वटबीजं प्रवर्धते ।
जलयोगात् यथा दानात् पुण्यवृक्षोऽपि वर्धते ॥

जमीन पर डाला हुआ छोटा सा वटवृक्ष का बीज, जैसे जल के योग से बढ़ता है, वैसे पुण्य रूपी वृक्ष भी दान से बढ़ता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर करें इन चीजों का दान

कार्तिक पूर्णिमा पर दान का बड़ा महत्व माना जाता है। कहा जाता है कि इस पुण्यकारी अवसर पर अन्न और भोजन का दान सर्वोत्तम है। कार्तिक मास की पूर्णिमा के पुण्यकारी अवसर पर नारायण सेवा संस्थान के दीन-हीन, निर्धन, दिव्यांग बच्चों को भोजन दान करने के प्रकल्प में सहयोग करके पुण्य के भागी बनें।

देवताओं की दीपावली देव दीपावली

कार्तिक मास की चतुर्दशी को छोटी दिवाली, अमावस्या को बड़ी दिवाली और पूर्णिमा को देव दीपावली मनाते हैं।
कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनुष्य दीप जलाकर दीपावली मनाते हैं और मनुष्यों की दीपावली के 15 दिन बाद कार्तिक मास की पूर्णिमा को देवों की दीपावली होती है।
कार्तिक माह का सबसे पवित्र दिन कार्तिक पूर्णिमा है, क्योंकि इस दिन देवलोक में दीपोत्सव मनाया जाता है। मनुष्यों की भांति देवता भी दीप जलाकर दीपोत्सव मनाते हैं। देव दीपावली पूर्णिमा के दिन कार्तिक के महीने में मनाया जाता है और यह देवताओं या परमेश्वर की दीपावली है। इस दिन पूर्ण चांद का दर्शन होता है। तुलसी विवाह की रस्म भी इस दिन पूरी होती है और इस दिन तुलसी विदाई होती है। देव दीपावली भी दीपावली समारोह के अंत का प्रतीक है। कहते हैं कि इस दिन देव भी दिया जलाते हैं। इस दिन दीये की रोशनी और चांद की रोशनी पूरे वातावरण को खुशनुमा कर देती है।

कब है देव दीपावली

देव दिवाली का सनातन धर्म में बेहद महत्व है। इस पर्व को लोग बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप मनाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव ने इस दिन राक्षस त्रिपुरासुर को हराया था। शिव जी की जीत का जश्न मनाने के लिए सभी देवी-देवता तीर्थ स्थल वाराणसी पहुंचे थे जहां उन्होंने लाखों मिट्टी के दीपक जलाए। देव दिवाली का पर्व सबसे शुभ त्योहारों में से एक है, जिसे पूरे देश में बहुत उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। इसे देव दीपावली के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है।

कार्तिक पूर्णिमा के दिन क्यों मनाते हैं गुरु नानक जयंती?

गुरु नानक जयंती गुरु नानक देव जी के जन्म का उत्सव है, जो सिख धर्म में समानता, प्रेम और सेवा के प्रतीक हैं. इस दिन लोग कीर्तन, अखंड पाठ और लंगर का आयोजन कर उनके उपदेशों को याद करते हैं और सेवा, परोपकार, और ईश्वर-भक्ति का पालन करने का संकल्प लेते हैं.
गुरु नानक जयंती सिख समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है. यह पर्व हर साल कार्तिक माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है. इसे गुरुपर्व या प्रकाश पर्व भी कहा जाता है. यह पर्व सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है. गुरु नानक देव जी को सिख समुदाय के पहले गुरु के रूप में भी जाना जाता है. यह आमतौर पर अक्टूबर-नवंबर में पड़ता है. सिख समुदाय के लोगों के लिए यह पर्व बहुत खास होता है. इस पर्व को बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है. इस दिन सभी गुरुद्वारों में विशेष कार्यक्रम का आयोजन होता है.

गुरु नानक जयंती तिथि

हर साल कार्तिक माह की पूर्णिमा के दिन गुरु नानक जयंती का पर्व मनाया जाता है. इस साल कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि 5 नवंबर को पड़ रही है. इसलिए इस वर्ष गुरु नानक जयंती का पर्व 5 नवंबर को मनाया जाएगा. इस वर्ष गुरु नानक जी की 556वीं जयंती मनाई जाएगी. कहा जाता है कि गुरु नानक देव जी का जन्म साल 1469 में कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था, तब से लेकर आज तक हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन उनकी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है. गुरु नानक जयंती के दो दिन पहले अखंड पाठ का आयोजन किया जाता है, जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब का लगातार 48 घंटे का पाठ किया जाता है. इस पाठ का समापन गुरु नानक जयंती के दिन होता है. गुरु नानक जयंती के दिन सुबह में नगर कीर्तन का आयोजन किया जाता है. नगर कीर्तन में सिख समुदाय के लोग शबद कीर्तन गाते हुए, गुरु ग्रंथ साहिब को पालकी में लेकर एक जुलूस के रूप में चलते हैं.इस दिन गुरुद्वारों में कीर्तन और प्रवचन होते हैं, जहां गुरु नानक देव जी के उपदेशों और शिक्षाओं के बारे में बताया जाता है. इससे सिख समुदाय के लोग उनके संदेशों को याद करते हैं और उनसे प्रेरणा लेते हैं. इस दिन गुरुद्वारों में विशेष लंगर का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी धर्मों और जातियों के लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं. लंगर का उद्देश्य समानता और भाईचारे का संदेश देना है. कुछ स्थानों पर इस अवसर पर दीपक जलाए जाते हैं और गुरुद्वारों को सजाया जाता है. इस दिन लोग सेवा व दान आदि भी करते हैं, जैसे गरीबों को भोजन कराना, कपड़े दान करना, और समाज सेवा से जुड़े कार्य करते हैं.

गुरु नानक जयंती का महत्व

गुरु नानक जयंती का महत्व सिख धर्म के पहले गुरु माने जाने वाले, गुरु नानक देव जी के जीवन और उनके उपदेशों को स्मरण करना है. गुरु नानक देव जी ने हमेशा समानता, प्रेम, सेवा, और ईमानदारी के सिद्धांतों पर जोर दिया. इस दिन लोग जाति और धर्म से परे, सभी के प्रति भाईचारा और सहिष्णुता की भावना को अपनाने का संकल्प लेते हैं. गुरु नानक देव जी ने नाम जपो, किरत करो, वंड छको का संदेश दिया, यानी ईश्वर का नाम जपें, ईमानदारी से कार्य करें और जरूरतमंदों के साथ बांटकर खाएं. यह पर्व उनके द्वारा स्थापित निस्वार्थ सेवा और मानवता के प्रति प्रेम की भावना को मनाने और अपने जीवन में उतारने का पावन अवसर होता है.

कार्तिक मास की पूर्णिमा के दिन को देव दिवाली का पर्व मनाया जाता है। इस दिन नदी में स्नान और दीपदान करने का खासा महत्व रहता है। आओ जानते हैं स्नान के बाद दीपदान करने के फायदे।

आखिर क्यों होती है कार्तिक पूर्णिमा इतनी खास

कार्तिक पूर्णिमा का सनातन धर्म में विशेष स्थान है। इस साल 5 नवंबर को है। इसे त्रिपुरी पूर्णिमा या गंगा स्नान पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन स्नान, दान, दीपदान और पूजा का विशेष महत्व है। कार्तिक पूर्णिमा पूर्णिमा 5 नवम्बर को मनाई जाएगी।

भगवान शिव द्वारा त्रिपुरासुर वध

कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था, जो देवताओं के लिए संकट बन चुका था। त्रिपुरासुर के संहार के बाद देवताओं ने भगवान शिव का धन्यवाद किया और तभी से यह दिन भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना का माना गया है। उसी दिन देवताओं ने शिवलोक यानि काशी में आकर दीपावली मनाई। तभी से ये परंपरा काशी में चली आ रही हैं। माना जाता है कि कार्तिक मास के इस दिन काशी में दीप दान करने से पूर्वजों को मुक्ति मिलती है। इस दिन शिवजी की पूजा करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है और विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है।

मत्स्य अवतार

कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के रूप में मत्स्य अवतार का जन्म हुआ था, जो सृष्टि के विनाश और पुनर्सृजन की कथा से जुड़ा है। भगवान विष्णु के दस अवतारों में पहला अवतार मत्स्य अवतार माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान विष्णु ने प्रलय काल में वेदों की रक्षा के लिए कार्तिक पूर्णिमा के दिन मत्स्य रूप धारण किया था। मान्यता यह भी है कि कार्तिक मास में नारायण मत्स्य रूप में जल में विराजमान रहते हैं और इस दिन मत्स्य अवतार को त्यागकर वापस बैकुंठ धाम चले जाते हैं।

सिख धर्म में महत्व

कार्तिक पूर्णिमा का सिख धर्म में भी विशेष महत्व है, क्योंकि इसी दिन गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ था। सिख धर्म में इसे गुरु पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष पूजा पाठ और लंगर का आयोजन किया जाता है। सिख समुदाय के लोग इस दिन गुरु नानक देव जी के उपदेशों का स्मरण करते हैं और उनके सिद्धांतों का पालन करने का संकल्प लेते हैं।

ब्रह्मा जी का अवतरण

पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन सृष्टिकर्ता भगवान ब्रह्मा का अवतरण पुष्कर के पवित्र सरोवर में हुआ था। इस दिन ब्रह्माजी ने अपनी रचना शक्ति का उपयोग करके जीवों, पृथ्वी और प्रकृति का सृजन किया था, जिससे सृष्टि में जीवन का संचार हुआ। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लाखों की संख्या में तीर्थयात्री ब्रह्मा की नगरी पुष्कर आते हैं। पवित्र पुष्कर सरोवर में स्नान करने के पश्चात ब्रह्मा जी के मंदिर में पूजा-अर्चना कर दीपदान करते हैं और देवों की कृपा पाते है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के लिए अडानी पावर डील रद्द करना आसान

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश की मुहम्मद युनूस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने साफ कहा है कि अगर भारत की अडानी कंपनी के साथ हुए साल 2017 के बिजली समझौते में किसी तरह की गड़बड़ी या भ्रष्टाचार का सबूत मिलता है, तो वे इस करार को रद्द करने से पीछे नहीं हटेंगे। हालांकि, राष्ट्रीय समीक्षा समिति के एक सदस्य मुश्ताक हुसैन खान ने एक अहम बात कही है। उन्होंने कहा कि क्योंकि यह एक सॉवरेन कॉन्ट्रैक्ट (दो देशों के बीच समझौता) है, इसलिए इसे मनमाने ढंग से खत्म नहीं किया जा सकता। ऐसे समझौतों को रद्द करने से बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालतों से भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह बात एक ऐसी रिपोर्ट के सामने आने के बाद कही गई है, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और शासन में बड़ी विफलता का दावा किया गया है। यह रिपोर्ट एक राष्ट्रीय समीक्षा समिति ने पेश की है, जिसे पिछली शेख हसीना सरकार के दौरान हुए बिजली क्षेत्र के सभी समझौतों की जांच के लिए बनाया गया था। समिति के प्रमुख, सेवानिवृत्त हाई कोर्ट के जज मोइनुल इस्लाम चौधरी ने कहा, हमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, सांठगांठ, धोखाधड़ी और अनियमितताएं मिली हैं। रविवार को इस समिति के साथ बैठक के बाद, बांग्लादेश के बिजली, ऊर्जा और खनिज संसाधनों के सलाहकार मुहम्मद फौजुल कबीर खान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हालांकि समझौते में दावा किया गया है कि कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ, लेकिन अगर सबूतों से कुछ और साबित होता है तो समझौता रद्द किया जा सकता है। उन्होंने कहा, अदालतें सिर्फ मौखिक आश्वासन नहीं मानेंगी, इसके लिए ठोस कारण होने चाहिए। 25 साल का यह समझौता अडानी पावर और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के बीच हुआ था। इसके तहत बांग्लादेश को झारखंड में अडानी के 1,600 मेगावाट के कोयला बिजलीघर से पैदा होने वली सौ फीसदी बिजली खरीदनी है। शेख हसीना सरकार के बाद आई नई सरकार ने इस समझौते की जांच शुरू की है। इस प्लांट को सिर्फ बांग्लादेश को बिजली देने के लिए ही बनाया गया था और बिजली एक क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसमिशन लाइन के जरिए पहुंचाई जाती है।

3 गुना सस्ती कॉफी बेचने वाली लक्किन के आगे स्टारबक्स ने घुटने टेके

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रसिद्ध कॉफी कंपनी स्टारबक्स ने अपने चीन के बिजनेस में 60 प्रतिशत हिस्सा (मेजॉरिटी स्टेक) एक प्राइवेट इक्विटी कंपनी बोयू कैपिटल को 4 अरब डॉलर में बेचने का समझौता किया है। स्टारबक्स अब भी 40 प्रतिशत हिस्से की मालिक बनी रहेगी और अपने ब्रांड के इस्तेमाल का अधिकार भी जॉइंट वेंचर को देगी। मामले से वाकिफ लोगों के अनुसार, निजी इक्विटी फर्म बोयू कैपिटल, स्टारबक्स कॉर्पोरेशन के चीनी कारोबार में हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए लगभग 1.4 अरब डॉलर के ऋण के लिए बैंकों से बातचीत कर रही है। ब्लूमबर्ग के मुताबकि निजी मामलों पर चर्चा करते हुए, नाम न बताने की शर्त पर, सूत्रों ने बताया कि बोयू कैपिटल के वित्तपोषण का नेतृत्व संभवत: चीनी बैंक करेंगे। उन्होंने बताया कि यह सौदा युआन-मूल्यवर्गीय ऑनशोर डेब्ट के रूप में हो सकता है।

25.5 टन सोने की खरीद, इसलिए बढ़ रहा पीली धातु का महत्व

देश का गोल्ड रिजर्व पहली बार 100 अरब डॉलर पार

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत ने आर्थिक सुरक्षा रणनीति में नया अध्याय लिखते हुए स्वर्ण भंडार को पहली बार 100 अरब डॉलर के पार 105.53 अरब डॉलर पर पहुंचा दिया है। आरबीआई के अनुसार, हालिया खरीद के बाद इसका अनुमानित मूल्य 108.5 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई ने हाल में 25.45 टन सोना खरीदा, जिससे कुल भंडार बढ़कर 880.18 टन हो गया। विदेशी मुद्रा भंडार में सोने का हिस्सा बढ़कर 14.7 फीसदी पहुंच गया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार, यह उपलब्धि न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की वित्तीय संप्रभुता और दीर्घकालिक स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी स्ट्रैटेजिस्ट पृथ्वी सिंह ने कहा, भारत का यह कदम डॉलर-निर्भर वैश्विक व्यवस्था में आत्मनिर्भर मुद्रा सुरक्षा तंत्र विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। बढ़ते जोखिम के बीच यह एक फाइनेंशियल शील्ड है। डब्ल्यूजीसी के अनुसार, भारत कुछ वर्षों से वैश्विक केंद्रीय बैंकों के बीच अग्रणी स्वर्ण खरीदार रहा है। आरबीआई ने विदेशी मुद्रा भंडार को विविधता देने, डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए सोने पर भरोसा बढ़ाया है। यह रणनीति स्पष्ट संकेत है कि भारत की प्राथमिकता महज अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव

से बचाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा और टिकाऊ मौद्रिक ढांचे का निर्माण है। वैश्विक वित्तीय व्यवस्था इस समय संक्रमण के दौर में है। रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन-अमेरिका प्रतिस्पर्धा, पश्चिम एशिया संकट और बदलते ऊर्जा-व्यापार समीकरणों ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ाई है। ऐसे में सोना एक सार्वभौमिक सुरक्षित संपत्ति के रूप में फिर केंद्र में आया है। भारत की रणनीति अब पारंपरिक डॉलर-सेंट्रिक रिजर्व मॉडल के बजाय मल्टी एसेट रिजर्व फ्रेमवर्क की ओर बढ़ रही है। आईआईएम बंगलूरू के प्रोफेसर नितिन वर्मा ने बताया, भारत वैश्विक अस्थिरता के दौर में बहु-परत वित्तीय सुरक्षा संरचना बना रहा है। नीति-स्तर पर इसे विदेशी झटकों से बचाव और मजबूत मुद्रा संप्रभुता की दिशा में निर्णायक कदम माना जा रहा है। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा, सोने की कीमतें सोमवार को 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं। इसका कारण ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होना है। अमेरिका-चीन व्यापार समझौते के बाद सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग भी कम हो गई। चीन ने सोने की बिक्री पर लंबे समय से चले आ रहे कर प्रोत्साहन को हटा दिया है। इससे उपभोक्ता कीमतें बढ़ सकती हैं और दुनिया के सबसे बड़े सर्राफा बाजारों में से एक में मांग कमजोर हो सकती है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, व्यापारियों का ध्यान अब इस सप्ताह के अमेरिकी वृहद आर्थिक घटनाक्रमों पर रहेगा। इसमें आईएसएम पीएमआई आंकड़े और एडीपी निजी पेरोल आंकड़े शामिल हैं। जारी होने वाले आंकड़े मौद्रिक नीति के बारे में अधिक संकेत प्रदान करेंगे।

सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग घटी; कीमतें 300 रुपये नरम

डॉलर के मजबूत होने और वैश्विक अनिश्चितताओं में कमी आने के बाद सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग घटी है, इसका असर उसकी कीमतों पर भी दिखा है। दिल्ली में सोमवार को सोने की कीमत 300 रुपये की गिरावट के साथ 1,25,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 300 रुपये की गिरावट के साथ 1,24,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया। शुक्रवार को यह 1,25,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार को 1,25,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर, चांदी की कीमत 1,000 रुपये की तेजी के साथ 1,54,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। शुक्रवार को चांदी की कीमत 1,53,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। डॉलर सूचकांक जो छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापता है, 0.09 प्रतिशत बढ़कर 99.89 पर पहुंच गया। इससे सर्राफा कीमतों पर दबाव पड़ा। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना हाजिर 0.14 प्रतिशत गिरकर 4,000 डॉलर से नीचे 3,996.77 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं, चांदी हाजिर मामूली गिरावट के साथ 48.64 डॉलर प्रति औंस पर रही।

भारत में कॉरपोरेट समझौते छह तिमाहियों के सबसे उच्च स्तर पर

999 सौदों में 44.3 अरब डॉलर के लेनदेन

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के कॉरपोरेट डील मार्केट ने 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में कुल 999 सौदे हुए, जिनका कुल मूल्य 44.3 अरब डॉलर रहा। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह पिछले छह तिमाहियों में सबसे ऊंचा स्तर है। तिमाही आधार पर सौदों की मात्रा में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी और डील वैल्यू में 64 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई है।

कॉरपोरेट डील मार्केट में आमतौर पर विलय और अधिग्रहण जैसी गतिविधियां शामिल होती हैं, जहां कंपनियां अन्य कंपनियों का अधिग्रहण या विलय करती हैं। दूसरा प्रकार निजी इक्विटी (पीई) निवेश है, जहां निवेश फर्म या फंड कंपनियों में पैसा लगाते हैं, या तो हिस्सेदारी खरीदार या उनके विकास के लिए धन मुहैया कराकर। रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी तिमाही में मामूली गिरावट के बाद विलय और अधिग्रहण गतिविधियों ने बाजार की रफ्तार फिर से तेज की है। एमएंडए में तीसरे में 518 सौदे हुए

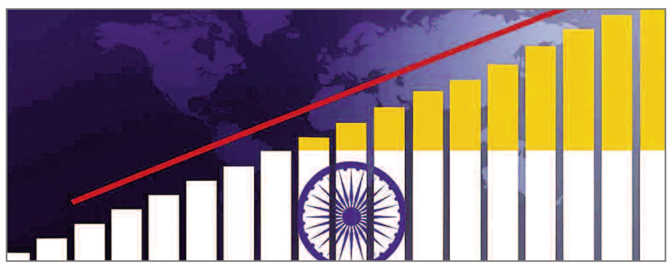

रिपोर्ट के अनुसार, तीसरी तिमाही में 518 एमएंडए सौदे हुए, जिनकी कुल कीमत 28 अरब डॉलर रही। यह वॉल्यूम में 26 प्रतिशत और वैल्यू में 80 प्रतिशत की तिमाही-दर-तिमाही वृद्धि को दर्शाता है। औसतन प्रति सौदे का आकार भी 59 मिलियन डॉलर से बढ़कर 74 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। यह दर्शाता है कि कंपनियां अब बड़े और रणनीतिक सौदों को प्राथमिकता दे रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि घरेलू एमएंडए इस वृद्धि का मुख्य आधार रहा। इसमें 381 सौदे शामिल थे, जो पिछली तिमाही की तुलना में 30 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजैक्शन में भी सुधार दर्ज किया गया। इनबाउंड डील्स बढ़कर 55 और आउटबाउंड डील्स (भारतीय कंपनियों के विदेशी निवेश) बढ़कर 82 पर पहुंच गईं, जो पिछले छह तिमाहियों में सबसे ऊंचा स्तर है। पीडब्ल्यूसी के अनुसार पिछले छह तिमाहियों में, भारत के कुल सौदों की संख्या में 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि कुल सौदों का मूल्य लगभग दोगुना हो गया है। यह देश के अधिक परिपक्व और मूल्य-संचालित निवेश परिवेश की ओर संक्रमण को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में विलय-अधिग्रहण और प्राइवेट इक्विटी निवेशक अब तेजी से रणनीतिक, बड़े पैमाने पर और वैश्विक स्तर पर प्रभाव डालने वाले अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। तीसरी तिमाही में बढ़ती गतिविधि और डील साइज में वृद्धि ने यह साफ कर दिया है कि भारत अब दुनिया के सबसे गतिशील और सक्रिय डील मार्केट्स में से एक के रूप में उभर रहा है।

सुजलॉन एनर्जी को दूसरी तिमाही में 500 प्रतिशत से ज्यादा मुनाफा

30 साल का तोड़ दिया रेकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी सुजलॉन एनर्जी ने कमाल कर दिया है। इस कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 (एफवाई26) की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 538 प्रतिशत बढ़कर 1,279 करोड़ रुपये हो गया है। यह पिछले 30 सालों में उनका सबसे बड़ा तिमाही मुनाफा है। इसके बाद कंपनी के शेयर ने ऊंची छलांग मार दी। कंपनी की कमाई भी 85 प्रतिशत बढ़कर 3,866 करोड़ रुपये हो गई है। यह सब विंड टरबाइन जनरेटर सेगमेंट में अच्छी बिक्री और ज्यादा सामान डिलीवर करने की वजह से हुआ है। कंपनी का ईबीआईटीडीए 145 प्रतिशत बढ़कर 721 करोड़ रुपये हो गया और प्रॉफिट बिफोर टैक्स 179 प्रतिशत बढ़कर 562 करोड़ रुपये हो गया। मुनाफे में इतनी बड़ी बढ़ोतरी की एक खास वजह यह भी है कि कंपनी ने 717 करोड़ रुपये के डेफर टैक्स एसेट्स को इस तिमाही में शामिल किया है। कंपनी ने भारत में दूसरी तिमाही में 565 एमडब्ल्यू की सबसे ज्यादा डिलीवरी की है। उनका कुल ऑर्डरबुक 6 जीडब्ल्यू से ज्यादा हो गया है। स्न्ड्ड26 के पहले छह महीनों में ही 2 जीडब्ल्यू से ज्यादा के नए ऑर्डर मिले हैं, जिससे कुल ऑर्डर 6.2 जीडब्ल्यूतक पहुंच गया है। 30 सितंबर 2025 तक कंपनी के पास 1,480 करोड़ रुपये का नेट कैश था।

23 साल में भारत के शीर्ष एक फीसदी अमीरों की संपत्ति 62 प्रतिशत बढ़ी

- वैश्विक असमानता आपात स्तर पर पहुंची
- चीन और भारत में प्रति व्यक्ति आय में हुई वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति 2000 से 2023 के बीच 62 प्रतिशत तक बढ़ गई है। जी20 की दक्षिण अफ्रीकी अध्यक्षता के तहत तैयार की गई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। नोबेल पुरस्कार विजेता जोसेफ स्टिग्लिट्ज के नेतृत्व में तैयार इस अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि वैश्विक असमानता अब आपातकालीन स्तर पर पहुंच गई है। यह लोकतंत्र, आर्थिक स्थिरता और जलवायु कार्रवाई के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

वैश्विक असमानता पर स्वतंत्र विशेषज्ञों की जी-20 असाधारण समिति, जिसमें अर्थशास्त्री जयति घोष, विनी बयानीमा और इमरान वालोदिया शामिल हैं। उन्होंने पाया कि 2000 और 2024 के बीच वैश्विक स्तर पर शीर्ष एक प्रतिशत लोगों ने नई संपत्ति का 41

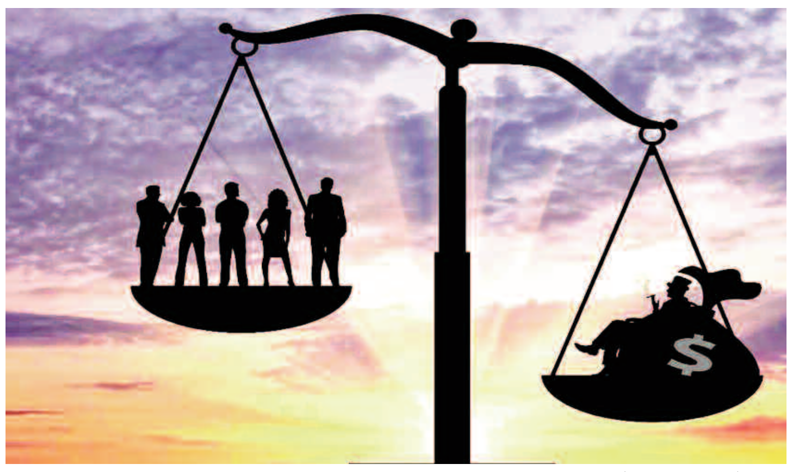

प्रतिशत हिस्सा हासिल किया, जबकि मानवता के निचले आधे हिस्से को केवल 1 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मोटे तौर पर मापी गई अंतर-देशीय असमानता में कमी आई है, क्योंकि चीन और भारत जैसे कुछ अधिक जनसंख्या वाले देशों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। इससे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में उच्च आय वाले देशों की हिस्सेदारी कुछ हद तक कम हुई है।

सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने देशों की संपत्ति बढ़ाई

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2000 से 2023 के बीच, सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने सभी देशों के आधे से अधिक देशों में अपनी संपत्ति का हिस्सा बढ़ाया है। यह वैश्विक संपत्ति का 74 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में शीर्ष 1 प्रतिशत लोगों ने इस अवधि (2000-2023) में अपनी संपत्ति में 62 प्रतिशत की वृद्धि की है। वहीं चीन में यह आंकड़ा 54 प्रतिशत है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति से बदला जा सकता है

इसमें कहा गया है कि अत्यधिक असमानता एक विकल्प है। दुनिया में बढ़ती अमीरी-गरीबी की खाई इंसानों के फैसलों का नतीजा है, इसे राजनीतिक इच्छाशक्ति से बदला जा सकता है। वैश्विक समन्वय से इसे काफी हद तक सुगम बनाया जा सकता है और इस संबंध में जी-20 की महत्वपूर्ण भूमिका है। मार्गदर्शन के लिए जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की तर्ज पर एक अंतर्राष्ट्रीय असमानता पैनल (आईपीआई) के गठन का प्रस्ताव किया गया है। दक्षिण अफ्रीकी जी-20 प्रेसीडेंसी के तहत शुरू किया जाने वाला यह निकाय सरकारों को असमानता और उसके कारणों पर आधिकारिक और सुलभ आंकड़े उपलब्ध कराएगा।

बेरोजगारी दर बढ़कर छह महीने के शीर्ष पर, कृषि क्षेत्र में मिले 1.1 करोड़ रोजगार

ई दिल्ली, एजेंसी।
ामीण इलाकों में रोजगार घटने के कारण देश में रोजगारी दर अक्तूबर, 2025 में बढ़कर छह महीने उच्च स्तर 7.5 फीसदी पर पहुंच गई। यह हाल के हीनों में देखी गई बेरोजगारी दर से काफी ज्यादा है। ससे पहले अप्रैल, 2025 में बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा 7.7 फीसदी रही थी। सितंबर में यह 6.4 फीसदी और अगस्त में 6.3 फीसदी रही थी। रोजगारी दर बढ़ने के बावजूद कृषि क्षेत्र में 1.10 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्तूबर में ख़रीफ फसलों की कटाई चरम पर थी और रबी की बुवाई भी शुरू हो गई। इससे कृषि रोजगार सितंबर के 12.5 करोड़ से 13.6 करोड़ पहुंच गया। अजीब बात यह है कि कृषि रोजगार में तेज वृद्धि के बावजूद ग्रामीण भारत में बेरोजगारी दर बढ़कर 7.6 फीसदी पहुंच गई। हालांकि, शहरी बेरोजगारी घटकर 7.4 फीसदी रह गई।

कृषि क्षेत्र की ओर पलायन की वजह से निर्माण, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में रोजगार की संख्या में पिछले महीने गिरावट दर्ज की गई। निर्माण उद्योग में रोजगार में 90 लाख से ज्यादा कमी देखने को मिली। विनिर्माण और सेवा उद्योगों में करीब 38 लाख लोगों का काम छिन गया। दिहाड़ी मजदूरों और

छोटे व्यापारियों के रूप में वर्गीकृत 90 श्रमिकों को अक्तूबर में रोजगार नहीं मिला। हालांकि, इनमें से अधिकांश को खेतों में काम मिला और उन्हें किसान या खेतिहर मजदूर के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया। व्यवसायी (छोटे स्व-नियोजित उद्यमी) के रूप में कार्यरत लोगों की संख्या में 55 लाख की कमी आई। काम नहीं मिलने की वजह से इनमें से कई लोगों ने कृषि क्षेत्र की ओर पलायन कर लिया। अक्तूबर में सालाना आधार पर 9 फीसदी की गिरावट रही। दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों के कारण नियुक्ति गतिविधियों में अस्थायी रूप से कमी के कारण यह गिरावट आई है। भर्ती गतिविधियों के लिहाज से आईटी क्षेत्र में 15 फीसदी और बैंकिंग में 24 फीसदी की कमी दर्ज की गई। इससे पता चलता है कि आईटी यूनिकॉर्न के भीतर भी नियुक्ति गतिविधियां स्थिर रहीं।

एक पैसा लगाए बिना खड़ी कर दी 12 करोड़ के टर्नओवर वाली कंपनी...कभी घर-घर पहुंचाते थे सिलेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी।
बेंगलुरु के रहने वाले भरत बायलप्पा की कहानी लगातार असफलता के बीच अटूट दृढ़ संकल्प की मिसाल है। डेयरी मजदूर के बेटे भरत ने भले ही कॉलेज की परीक्षा पास करने में संघर्ष किया हो। लेकिन, उन्होंने बड़े सपने देखना कभी नहीं छोड़ा। घर-घर एलपीजी सिलेंडर पहुंचाने से लेकर मार्बल उत्पाद, इंटीरियर डिजाइन और शर्ट निर्माण तक उनके एक के बाद एक कई व्यावसायिक उद्यम विफल रहे। यहां तक कि उन्हें एक सफल आईटी एजुकेशन वेंचर से भी बाहर निकाल दिया गया। हर बार उन्होंने इसे नियति माना, लेकिन हार नहीं मानी। 2007 में उन्होंने किराए के कंप्यूटर और शून्य पूंजी के साथ अपने बेंगलुरु स्थित घर से फिर से शुरुआत की। आज वही छोटी शुरुआत सेट्यूव स्टाफिंग सॉल्यूशंस और ट्रैनवे21 टेक्नोलॉजीज जैसे एक इंटरनेशनल रिक्रूटमेंट और तकनीकी समूह में बदल चुकी है। इसका

टर्नओवर 12 करोड़ रुपये है। आइए, यहां भरत बायलप्पा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

यहां भी दिखाया गया बाहर का रास्ता

असफलताओं से निराश न होते हुए भरत ने एक एजुटेक फ्रैंचाइजी में 50,000 रुपये का निवेश किया। बाकी पूंजी दोस्तों और कर्ज से जुटाई। वह इस व्यवसाय में पूरी तरह डूब गए। सुबह 4 बजे से रात 11 बजे तक काम करके उन्होंने केंद्र को सफल बनाया। पूरे परिचालन को ऑटो-मोड पर डाल दिया। हालांकि, उन्हें सह-संस्थापक के रूप में अपने शेयरों के कारण और वेतन न देने के इरादे से अपमानित करके बाहर निकाल दिया गया। भरत को लगा कि उनका उद्यमिता का सफर समाप्त हो गया है।

बार-बार मिली असफलता

भरत बायलप्पा का बचपन बेंगलुरु के एक निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार में बीता। अकादमिक रूप से कमजोर होने के कारण वह कृषि विज्ञान में बीएससी करने का सपना पूरा नहीं कर सके। 1996 में कॉलेज से अनुपस्थिति के कारण अंतिम परीक्षा में बैठने से वंचित रह गए। उन्होंने 17 साल की उम्र में ही उद्यमिता की राह पकड़ी। मोहन सिंह ओबेरॉय पर एक किताब से प्रेरित होकर उन्होंने एलपीजी सिलेंडर वितरण का सब-वेंडर कॉन्ट्रैक्ट लिया, जिसने उन्हें पहली बार सफलता का स्वाद चखाया। इस दौरान वह खुद भी घर-घर सिलेंडर पहुंचाते थे। हालांकि, यह सफलता अल्पकालिक थी। इसके बाद उन्होंने 10,000 रुपये के निवेश से मार्बल सिंक बनाने वाली विनायका इंडस्ट्रीज, फिर केबी डिजाइन्स (इंटीरियर डिजाइन) और एक शर्ट-निर्माण इकाई की शुरुआत की। लेकिन, नकदी की कमी, भुगतान में देरी और पूंजी के अभाव के कारण एक-एक करके सभी उद्यम बंद हो गए।

पिता राहुल द्रविड़ के नक्शे-कदम पर चल रहे अन्वय

खेलेंगे अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज और मौजूदा कोच राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ को मेंस अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चुना गया है। यह टूर्नामेंट बुधवार से हैदराबाद में शुरू होगा। अन्वय, जो एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं, को टीम सी में जगह मिली है। यह टूर्नामेंट हर साल आयोजित किया जाता है और युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका देता है।

भाई समित के बाद अब अन्वय की बारी अन्वय के बड़े भाई समित द्रविड़ पहले ही महाराजा टी20 केएससीए ट्रॉफी में कुछ मैच खेल चुके हैं। अन्वय की बल्लेबाजी शैली आक्रामक बताई जाती है और वे पारी की शुरुआत में ही बड़े शॉट खेलने के लिए जाने जाते हैं। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'जूनियर चयन समिति ने मेंस अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए टीमों का चयन कर लिया है। यह टूर्नामेंट पांच से 11 नवंबर, 2025 तक हैदराबाद में खेला जाएगा।'

टीम ष्ट की कप्तानी करेंगे एरॉन जॉर्ज– टीम सी, जिसकी कप्तानी आरोन जॉर्ज करेंगे, अपना पहला मुकाबला टीम क्र से खेलेगी, जिसकी कमान वेदांत त्रिवेदी के हाथों में है। यह मैच शुक्रवार को होगा।

सभी टीमों की सूची

टीम ॠ : विहान मल्होत्रा (कप्तान), अभिज्ञान कुण्डू (उपकप्तान व विकेटकीपर), वंश आचार्य, बालाजी राव (विकेटकीपर), लक्ष्य रायचंदानी, विनीथ वी के, मर्कंडेय पंचाल, सत्विक देसवाल, वी यशवीर, हेमचुदेशन जे, आर एस अम्बरीश, हनी प्रताप सिंह, वासु देवानी, युधाजीत गुहा, ईशान सूद।
टीम क्र: वेदांत त्रिवेदी (कप्तान), हर्वंश सिंह (उपकप्तान व विकेटकीपर), वाफी कच्छी, सागर विर्क, सायन पॉल, वेदांत सिंह चौहान, प्रणव पंत, एहित सलारिया (विकेटकीपर), बी के किशोर, अनमोलजीत सिंह, नमन पुष्पक, डी दीपेश, मोहम्मद मलिक, मोहम्मद यासीन सौदागर, वैभव शर्मा।
टीम ष्ट : एरॉन जॉर्ज (कप्तान), आर्यन यादव (उपकप्तान), अंकित चटर्जी, मणिकांत शिवनंद, राहुल कुमार, यश कसवांकर, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), युवराज गोहिल (विकेटकीपर), खिलन ए पटेल, कनिष्क चौहान, आयुष शुक्ला, हेनील पटेल, लक्ष्मण पृथी, रोहित कुमार दास, मोहित उलवा।
टीम ष्ठ : चंद्रहास दास (कप्तान), मौल्यराजसिंह चावड़ा (उपकप्तान), शंथनु सिंह, अर्णव बुग्गा, अभिनव कन्नन, कुशाग्र ओझा, आर्यन साकपाल (विकेटकीपर), ए रापोले (विकेटकीपर), विकल्प तिवारी, मोहम्मद इनान, आयान अक्रम, उद्धव मोहन, आशुतोष महिदा, एम तोशिथ यादव, सोलिब तारिक।

नई पीढ़ी के सितारों की परीक्षा इस टूर्नामेंट में देश के उभरते युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम की ओर पहला कदम बढ़ाने का मौका मिलता है।

'सपने देखना कभी मत छोड़ें'

किस्मत कब कहां ले जाए कोई नहीं जानता...: हरमनप्रीत

मुंबई। भारत की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर विमेंस वर्ल्ड कप ट्रॉफी 2025 के साथ तस्वीर खिंचवाकर एमएस धोनी के प्रसिद्ध अंदाज को दोहरा दिया। रविवार, दो नवंबर को भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला महिला वनडे विश्व कप खिताब जीता था। इसके बाद हरमन ने मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर जाकर तस्वीरें खिंचवाईं। इसका वीडियो भी बीसीसीआई ने शेयर किया है। वही पोज, जो एमएस धोनी ने 2011 में भारत की पुरुष टीम को वर्ल्ड कप जिताने के बाद दिया था। आईसीसी ने इन तस्वीरों को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी साझा किया है।

'जिस चीज का सपना देखा, अब वह पूरा हो चुका'– हरमनप्रीत ने कहा, 'विश्व कप जीतकर हम तीन-चार घंटे सो पाए, लेकिन फिर भी काफी फ्रेश महसूस कर रही हूं। ऐसा कभी-कभी ही होता है। नहीं तो आठ घंटे की नींद तो चाहिए ही चाहिए। यह इस बात पर निर्भर करता है कि जब आप चैंपियन बन जाते हो, जीत जाते हो तो क्या महसूस करते हो।

'जिंदगी के कुछ पलों को कैप्चर करने...'

वीडियो में हरमनप्रीत कहती हैं, 'आज हम कहां जा रहे हैं! हम जा रहे हैं जिंदगी के कुछ ऐसे पलों को कैप्चर करने, जिसका बचपन से सपना देखा था। जीतने के बाद...ट्रॉफी के साथ...मैं इसका कई वर्षों से सपना देख रही थी। और अब वह दिन आ चुका है। और मैं इसके लिए काफी उत्साहित हूं।'

'मेरे लिए यह काफी भावुक कर देने वाला पल'

वीडियो में आगे हरमनप्रीत कहती हैं, 'मेरे लिए यह काफी भावुक कर देने वाला पल है, क्योंकि जैसे पहले भी मैंने बोला कि यह बचपन से मेरा सपना था। जब से टीवी देखना शुरू किया और क्रिकेट खेलना शुरू किया, तब से मेरा सपना था कि विश्व कप जीतना है और अगर मैं कप्तान होऊंगी तो मैं उसे मिस नहीं करूंगी।

'बचपन से मेरे हाथों में बल्ला ही रहा है...'

हरमनप्रीत ने कहा, 'जब छोटे बच्चे यह सोचना शुरू करते हैं कि उन्हें क्या पसंद और क्या नापसंद है, तब से मैंने अपने हाथ में सिर्फ बल्ला ही देखा है। मुझे अभी भी याद है कि पापा के किट में से बैट लेकर हम खेलते थे। एक दिन पापा ने अपना पुराना बैट हमें दे दिया और हम उससे खेलते थे। जब हम टीवी पर टीम इंडिया को खेलते हुए देखते थे, तो सोचते थे कि हमें भी यही मौका चाहिए। तब मैं महिला क्रिकेट के बारे में ज्यादा नहीं जानती थी, लेकिन इस बात का सपना देखती थी कि कब मैं ये ब्लू जर्सी पहनूंगी।'

'यह मत सोचें कि कब होगा कैसे होगा...'

हरमनप्रीत ने कहा, 'यही बात महत्वपूर्ण है कि कई लड़कियां महिला क्रिकेट के बारे में ज्यादा नहीं जानतीं, लेकिन देश में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसलिए सपना देखना कभी नहीं छोड़ना चाहिए। आपको पता नहीं है कि आपकी डेस्टिनी आपको कहां लेकर चली जाएगी और यह मत सोचें कि कब होगा कैसे होगा। सिर्फ ये सोचो कि ये होगा। मेरे अंदर यही आत्मविश्वास था कि ये होगा और अब वह हो चुका है।'

धोनी, कपिल और रोहित के क्लब में शामिल

इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही हरमनप्रीत कौर अब भारत की चौथी कप्तान बन गई हैं जिन्होंने विश्व कप जीत का ताज पहना है। उनसे पहले कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा भारत को विश्व चैंपियन बना चुके हैं। यानी अब महिलाओं की कप्तान हरमनप्रीत ने भी इस गौरवशाली सूची में अपनी जगह बना ली है। यह भारत की महिलाओं का पहला वर्ल्ड कप खिताब है, जिसने 2005 और 2017 के फाइनल हार की टीस को भुलाने में मदद की।

विश्वकप के दूसरे दौर में पहुंचे ग्रैंडमास्टर नारायणन

भारतीय खिलाड़ी ने पेरू के स्टीवन को दी मात

पणजी (गोवा)। भारत के एसएल नारायणन ने पेरू के स्टीवन रोजास को हराकर शतरंज विश्वकप 2025 के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। वह टाई ब्रेकर के जरिए राउंड ऑफ-128 में पहुंचने वाले पहले गैरवरीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पेरू के ग्रैंडमास्टर स्टीवन रोजास को 3-1 से मात दी।

पहले दो मुकाबले ड्रॉ रहने के बाद उन्होंने शानदार खेल दिखाया और दो मुकाबले अपने नाम किए। अब उनका मुकाबला इंग्लैंड के निकिता वित्यूगोव से होगा। उनके बाद भारत के दिप्तायन घोष ने चीन के पेंग शियोंगजियन से दोनों टाई-ब्रेकर गेम जीतकर क्वालिफाई किया। वह दूसरे दौर में अमेरिकी इयान नेपोम्नियाची से भिड़ेंगे। वी प्रणव ने अल्जीरिया के अला एद्दिने बौलरेन्स को 2-0 से, रौनक साधवानी ने डेनियल बैरिश को 1.5-0.5 से, एम प्रणेश ने सतबेक अख्मेदिनोव को 1.5-0.5 से मात दी। एजेंसी

पहले ही दौर में हारकर बाहर हुईं दिव्या देशमुख

विश्वकप में एकमात्र महिला खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं। उन्हें पहले दौर में ग्रीस के ग्रैंडमास्टर स्टामाटिस कौरकौलोस-आर्दितिस से दोनों मुकाबले हारकर बाहर हो गईं। भारत के अन्य शीर्ष खिलाड़ी डी.गुकेश, आर प्रगनानंदा, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती को पहले दौर में बाय मिला है। वह अगले दौर में खेलते नजर आएंगे।

लखनऊ सुपर जाएंट्स से जुड़े टॉम मूडी

निभाएंगे बड़ी भूमिका, रणनीति बनाने में हैं माहिर

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग की टीम लखनऊ सुपर जाएंट्स ने बड़ा फैसला लेते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी को ग्लोबल डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट नियुक्त किया है। मूडी आगामी आईपीएल सीजन से टीम की रणनीति, स्काउटिंग और डेवलपमेंट प्रोग्राम की निगरानी करेंगे।

अनुभव, विजन और लीडरशिप हैं मूडी की ताकत– लखनऊ फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर मूडी का स्वागत करते हुए पोस्ट लिखा, 'अनुभव, दृष्टि और नेतृत्व...सुपर जाएंट्स परिवार में आपका स्वागत है, टॉम मूडी!'

60 वर्षीय मूडी को क्रिकेट जगत में एक अनुभवी कोच और रणनीतिकार के रूप में जाना जाता है। उन्होंने इससे पहले दो बार सनराइजर्स

हैदराबाद के साथ कोचिंग की है। साल 2022 में ब्रायन लारा ने जब हैदराबाद की कोचिंग संभाली, तब मूडी ने फ्रेंचाइजी छोड़ी थी।

खिलाड़ी के रूप में शानदार करियर– टॉम मूडी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए आठ टेस्ट और 76 वनडे मैच खेले, जिनमें उन्होंने कुल 1667 रन बनाए और 54 विकेट लिए। हालांकि, घरेलू स्तर पर वे एक शेफील्ड शील्ड लीजेंड माने जाते हैं। उन्होंने 21,000 से अधिक प्रथम श्रेणी रन, 64 शतक और 361 विकेट अपने नाम किए।

एलएसजी के लिए क्या मायने रखता है यह फैसला– लखनऊ सुपर जाएंट्स पिछले दो सीज़नों से आईपीएल में मजबूत प्रदर्शन कर रही है, लेकिन अब तक खिताब से दूर रही है।

महिला विश्व कप

ICC की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में सिर्फ तीन भारतीय खिलाड़ी

दुबई। भारत की वर्ल्ड कप विजेता टीम की तीन धाकड़ खिलाड़ी, स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को आईसीसी महिला वनडे विश्व कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में जगह मिली है। इन तीनों खिलाड़ियों ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। भारत ने रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना

पहला महिला विश्व कप खिताब जीता था। हालांकि, यह चौंकाने वाला रहा कि टूर्नामेंट में निरंतर प्रदर्शन करने वालीं प्रतिका रावल इस टीम में नहीं हैं। वह सेमीफाइनल से पहले चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं। इसके अलावा उपविजेता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की भी तीन-तीन खिलाड़ियों को ही जगह मिली है।

भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन– स्मृति मंधाना ने पूरे टूर्नामेंट में 434 रन बनाए और उनका औसत 54.25 का रहा। उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक जड़े। न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 रनों की पारी उनकी सबसे यादगार रही, जबकि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 80 और 88 रनों की पारियां खेलीं।

राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित

जितेश कप्तान, वैभव-प्रियांश को भी मौका

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (क्च्च्रुढ्ढ) ने आगामी राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 के लिए भारत ए टीम की घोषणा कर दी है। जितेश शर्मा को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी और आईपीएल स्टार प्रियांश आर्या को टीम में जगह मिली है। यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर तक दोहा (कतर) में खेला जाएगा। भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है, जिसमें ओमान, यूएई और पाकिस्तान की टीमें भी शामिल हैं। वहीं ग्रुप ए में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और हॉन्गकॉन्ग की टीमें शामिल हैं।

जितेश शर्मा कप्तान, आईपीएल सितारे टीम का हिस्सा– जितेश शर्मा, जो फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम के साथ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रहे हैं, अब एशिया कप में भारत ए की अगुआई करेंगे। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्टक्च) की खिताब विजेता टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं और कप्तानी भी संभाल चुके हैं। जितेश ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 में 22 रन की नाबाद पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई थी। उनके अनुभव और नेतृत्व से युवा खिलाड़ियों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या को भी मौका– 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वह इस साल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए 101 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर टी20 क्रिकेट के सबसे कम उम्र के सेंचुरियन बने थे। उन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अंडर-19 टेस्ट में भी शतक जमाया था। वहीं, प्रियांश आर्या, जिन्होंने पंजाब किंग्स के

लिए शानदार प्रदर्शन किया था, ने सितंबर में भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया ए के अनाधिकारिक वनडे में भी शतक जड़ा था।

भारत ए टीम

जितेश शर्मा (कप्तान एवं विकेटकीपर), नमन धीर (उपकप्तान), प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, सूर्यांश शेडगे, रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैशाक, युधवीर सिंह चारक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुयश शर्मा, आशुतोष शर्मा।
स्टैंडबाय खिलाड़ी: गुरनूर सिंह बरार, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी, शेख रशीद।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप का प्रारूप

यह टूर्नामेंट पहले इंडिया इमर्जिंग कप के नाम से जाना जाता था, जो मुख्य रूप से अंडर-23 टूर्नामेंट था। इसे इमर्जिंग टीम एशिया कप भी कहा गया है, लेकिन अब भारत समेत कई देशों ने इसमें युवा और सीनियर खिलाड़ियों का मिश्रण शामिल किया है ताकि प्रतिभा और अनुभव का संतुलन बना रहे। अब तक इस टूर्नामेंट के छह संस्करण हो चुके हैं। पिछले छह संस्करणों में भारत सिर्फ एक बार साल 2013 में पहले संस्करण में चैंपियन बना था। तब भारत ने पाकिस्तान को हराया था। इसके बाद 2017 और 2018 में श्रीलंका की टीम ने खिताब जीता। 2019 और 2023 में पाकिस्तान ने खिताब पर कब्जा जमाया, जबकि 2024 में अफगानिस्तान की टीम चैंपियन बनी।

फाइनल से पहले अमनजोत का ध्यान न भटके

इसलिए परिवार वालों ने छुपाई थी दादी के हार्ट अटैक की बात

नई दिल्ली। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीता। नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। लेकिन इस जीत के पीछे एक भावनात्मक कहानी छिपी थी। कहानी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की, जिसे उसके परिवार ने एक बड़ी सच्चाई से दूर रखा, ताकि उसका ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर रहे।

दादी को आया दिल का दौरा– अमनजोत के पिता भूपिंदर सिंह, जो पेशे से बढ़ई और ठेकेदार हैं, अपनी 75 वर्षीय मां भगवंती कौर को पिछले हफ्ते दिल के दौरे के बाद अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन उन्होंने यह बात अपनी बेटी अमनजोत से छुपा ली। कारण था- वर्ल्ड कप का फाइनल और बेटी का ध्यान खेल में बनाए रखना। भूपिंदर ने बताया, 'अमनजोत को एहसास हो गया था कि 'बीजी' (दादी) ठीक नहीं हैं। पहले उसने अपनी बहन को फोन किया, तो उसने कहा कि वह गुरुद्वारे में हैं। फिर उसने मुझे फोन किया और कहा कि बीजी से वीडियो कॉल कराओ। काफी जोर देने के बाद मैंने अपनी मां से कहा कि आज उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा मैच है, उसे शुभकामनाएं दो। बीजी ने उसे 'ऑल द बेस्ट' कहा।'

भूपिंदर ने अमनजोत से छिपाई सच्चाई!– भूपिंदर ने बताया, 'मैंने अमनजोत से कहा कि बीजी की तबीयत थोड़ी ठीक नहीं है, बस लो बीपी है, पर दिल के दौरे की बात नहीं बताई। फाइनल के बाद ही हमने सच्चाई बताई।' इसी एक ऑल द बेस्ट ने अमनजोत की जिंदगी बदल दी। उनके आशीर्वाद ने अमनजोत को विश्व चैंपियन बना दिया। भूपिंदर ने आगे बताया कि अब अमनजोत ने डॉक्टरों से बात की है और दादी के आगे के टेस्ट होने वाले हैं।

'वो मेरी पोती नहीं, मेरे पोते से भी बढ़कर है', बोलीं दादी– दिल का दौरा झेल चुकी भगवंती कौर आज भी अपनी पोती पर गर्व महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, 'वो मेरी पोती ही नहीं, मेरे पोते से भी बढ़कर है।' जब अमनजोत बचपन में मोहल्ले के लड़कों के साथ क्रिकेट खेलती थी, तो भगवंती एक कुर्सी लेकर पार्क में बैठ जाती थीं। वे यह भी देखती थीं कि कोई उसकी पोती को तंग न करे।

डायरेक्टर की गंदी डिमांड ने

खत्म कर दिया 'ये दिल आशिकाना' की पूजा का करियर

'ये दिल आशिकाना' एक्ट्रेस जिविधा शर्मा ने इसी फिल्म से रातोंरात अपनी पहचान बनाई थी, लेकिन कास्टिंग काउच की गंदी सच्चाई ने एक्ट्रेस का करियर शुरू होने से पहले ही खत्म कर दिया, जिसका खुलासा खुद एक्ट्रेस ने किया था. आइए जानते हैं 23 साल बाद जिविधा का लुक कितना बदल चुका है.

सिनेमा की दुनिया में हर साल कई चेहरे आते हैं, लेकिन कुछ ही अपनी पहचान बना पाते हैं. इनमें से कई टैलेंटेड एक्टर्स ऐसे भी होते हैं, जो लाइमलाइट में आकर भी अचानक गायब हो जाते हैं. अक्सर इसके पीछे की वजह कास्टिंग काउच जैसी गंभीर समस्या हती है, जिसके कारण एक्ट्रेसेस को भारी कीमत चुकानी पड़ती है. ऐसे ही एक हसीना के बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, जिसने पहली ही फिल्म से रातोंरात तूफान मचा दिया, लेकिन फिर एकदम से गायब हो गई. आइए जानते हैं ये हसीना कौन है.

कौन है ये एक्ट्रेस?

दरअसल हम बात कर रहे हैं, साल 2002 की सुपरहिट फिल्म 'ये दिल आशिकाना' की एक्ट्रेस जिविधा शर्मा हैं. जिन्होंने कास्टिंग काउच की वजह से एक्टिंग करियर छोड़ दिया और आज गुमनामी की जिंदगी जी रही हैं.

बॉक्स ऑफिस पर क्या हुआ था फिल्म का हाल?

साल 2002 में रिलीज हुई इस फिल्म में करन नाथ और जिविधा शर्मा लीड रोल में थे. मूवी में करन और पूजा की रोमांटिक केमिस्ट्री को लोगों ने खूब पसंद किया था और फिल्म सुपरहिट हुई थी. इतना ही नहीं जिविधा अपनी मासूमियत, लुक्स और दमदार एक्टिंग से रातोंरात स्टार बन गई थीं.

अचानक स्क्रीन से क्यों हो गईं गायब?

पहली ही फिल्म हिट होने के बाद माना जा रहा था कि, जिविधा का करियर अब ऊंचाई छुएगा, लेकिन कुछ ही फिल्मों के बाद वह बॉलीवुड से गायब हो गईं, जिसके पीछे की वजह अब सामने आई है. एक्ट्रेस ने खुद खुलासा किया था कि, उन्होंने कास्टिंग काउच की वजह से काम करना छोड़ दिया था, क्योंकि उन्होंने 'कॉम्प्रोमाइज' करने से साफ इनकार कर दिया था.

काम के बदले हुई थी 'गंदी डिमांड'

एक इंटरव्यू में जिविधा ने बताया कि, 'ये दिल आशिकाना' सिल्वर जुबली हिट थी, इसलिए हर डायरेक्टर उनसे मिलना चाहता था. साथ काम करना चाहते थे. शुरू में उन्हें समझ नहीं आया कि, इंडस्ट्री में काम के बदले क्या मांगा जाता है, लेकिन जल्द ही उन्हें काली सच्चाई का पता चल गया. एक्ट्रेस ने कहा कि, लगभग हर जगह उनसे 'कॉम्प्रोमाइज' करने के लिए कहा गया, जो उनके करियर में सबसे बड़ी रुकावट बन गया.

'मैं सब करूंगी पर कॉम्प्रोमाइज नहीं...'

जिविधा ने साफ कहा था कि, वह दिन-रात 24/7 काम करने के लिए तैयार थीं और जो भी किरदार उनसे करवाना हो, वह कर सकती थीं, लेकिन वह आत्मसम्मान से समझौत नहीं कर सकती थीं और गंदी डिमांड पूरी करने को राजी नहीं थीं और उनका यही फैसला उन्हें बॉलीवुड की चकाचौंध से दूर ले गया.

'अननैचुरल फिजिकल' होने की कोशिश

एक्ट्रेस ने अपने साथ हुए एक डरावने एक्सपीरियंस को भी शेयर किया. उन्होंने बताया कि, कई बार लोगों ने उनसे मिलने के दौरान अननैचुरल फिजिकल होने की कोशिश की. इन एक्सपीरियंस के बाद उन्होंने एक-एक करके बॉलीवुड के प्रोजेक्ट्स से दूरी बना ली.

'ताल' से की थी एक्टिंग की शुरुआत

बहुत कम लोग जानते हैं कि, जिविधा ने लीड एक्ट्रेस बनने से पहले साल 1999 में आई सुभाष घई की सुपरहिट फिल्म 'ताल' से डेब्यू किया था. इस फिल्म में उन्होंने ऐश्वर्या राय की छोटी बहन का किरदार निभाया था, जिसे काफी नोटिस किया गया था. इसके अलावा उन्होंने पंजाबी और तमिल फिल्मों के साथ 'तुम बिन जाऊं कहां' जैसे टीवी सीरियल्स में भी काम किया है.

23 साल बाद कितना बदल गया एक्ट्रेस का लुक

23 साल बाद जब जिविधा शर्मा को देखा गया, तो उन्हें पहचान पाना काफी मुश्किल था, क्योंकि अब उनका लुक काफी बदल चुका है. उनका मासूम चेहार अब ग्लैमरस अंदाज में बदल चुका है और वह आज भी पहले की तरह काफी खूबसूरत लगती है.

अब क्या करती हैं Jividha Sharma?

एक्ट्रेस के बारे में बताया जाता है कि, फिलहाल वह मुंबई में ही रह ही हैं और एक्टिंग की दुनिया से दूर हैं. खबरों के मुताबिक, वह फिल्म निर्माता के तौर पर काम कर रही हैं और कंटेस्टेंट इंजीनियर्स नाम की फर्म में बिजनेस हेड भी हैं.

सेलिना जेटली की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट का एक्शन

दिल्ली हाई कोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेत्री सेलिना जेटली की तरफ से दायर की गई एक याचिका पर विदेश मंत्रालय को नोटिस जारी किया है। साल 2024 से सेलिना जेटली के भाई और रिटायर मेजर विक्रांत कुमार जेटली यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में हिरासत में हैं। इस मामले को लेकर एक्ट्रेस ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था। वह चाहती हैं कि भारतीय अधिकारियों को कोर्ट यह निर्देश दे कि भाई (विक्रांत) को यूएई में हिरासत के दौरान आवश्यक कानूनी और चिकित्सीय सहायता मिले।

इस एक्ट्रेस के लिए खूबसूरती बनी काल

फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कई एक्ट्रेसेस हैं, जिन्हें अपने करियर की शुरुआत में कई वजह से रिजेक्शन का सामना करना पड़ता है. कई एक्ट्रेस को कम हाइट, डार्क स्किन कलर के वजह से रिजेक्ट होती हैं. लेकिन इस एक्ट्रेस के साथ एकदम अलग ही मामला सामने आया. इस हसीना ने इस बात का खुलासा किया है कि उन्हें 'बहुत ज्यादा सुंदर' होने के कारण फिल्मों में काम देने से मना कर दिया गया था. हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस युविका चौधरी की. जिन्होंने सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म 'ओम शांति ओम' में काम किया था. युविका इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा मदरहुड लाइफ को लेकर चर्चा में हैं.

युविका चौधरी ने बताई दास्तां: युविका चौधरी ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपने शुरुआती दिनों को याद किया. इस इंटरव्यू में उन्होंने अपने करियर की कई दिलचस्प बातें बताईं. युविका ने बताया कि उन्हें शुरू में बहुत रिजेक्शन झेलना पड़ा. वहीं इन रिजेक्शन के पीछे डायरेक्टर्स बहुत अजीब वजह बताते थे. डायरेक्टर्स उन्हें कहते थे, 'आप बहुत स्वीट हैं, बहुत यंग दिखती हैं,' लेकिन किरदार के लिए फिर नहीं बैठती हैं. इतना ही नहीं, उन्हें साफ लब्जो यह भी कहा गया कि 'आप बहुत सुंदर हैं, इसलिए हम आपको फिल्मों में नहीं ले सकते हैं.' फिल्म डायरेक्टर्स का मानना था कि 'ये बहुत स्वीट लड़की है, ये नहीं चलेगी. '

शाहरुख खान के साथ इस फिल्म में किया काम: इंटरव्यू के दौरान युविका ने बताया कि जब उन्हें काम की बहुत ज्यादा जरूरत थी, उस समय उनके हाथ फिल्म 'ओम शांति ओम' लगी थी. युविका ने इस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था. बाद में उन्हें कॉल आया, और पता चला कि मेकर्स ने उन्हें पहले एक एड में देखा था. इसके बाद युविका को पता चला कि इस फिल्म में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण हैं, तो वो बेहद एक्साइटेड हो गई थी. ओम शांति ओम फिल्म युविका चौधरी के करियर के लिए बेहद शानदार साबित हुई. अगर एक्ट्रेस की लव लाइफ की बात करें तो युविका चौधरी ने टीवी एक्टर प्रिंस नरूला से शादी की है. वहीं इन दोनों की मुलाकात टीवी के रियलिटी शो 'बिग बॉस' के घर में हुई थी. इन दोनों युविका अपने परिवार और बच्चों पर ध्यान दे रहीं हैं.

सबा आजाद के लिए

अच्छा पार्टनर बनना चाहते हैं ऋतिक

ऋतिक रोशन और सबा आजाद साल 2022 से डेट कर रहे हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फोटो शेयर करते हैं। शनिवार को ऋतिक ने सबा को बर्थ डे विश किया। गर्लफ्रेंड के लिए एक खास मैसेज भी लिखा। साथ ही अपनी और सबा की रोमांटिक फोटोज भी शेयर की हैं।

ऋतिक ने लिखा रोमांटिक नोट

ऋतिक रोशन ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर सबा को बर्थ विश करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। इसमें वह लिखती हैं, 'मैं जो कुछ भी पाने की कोशिश करता हूं, जिस चीज का सपना देखता हूं, जो कुछ भी करता हूं। उसमें तुम्हारे लिए एक अच्छा पार्टनर बनना चाहता हूं। यह मेरा सबसे फेवरेट काम है।' वह आगे लिखते हैं, 'जन्मदिन की बधाई हो, मेरी जान।'

सबा आजाद का करियर फ्रंट

सबा आजाद के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्मों और वेब सीरीज में एक्टिंग करती हैं। इस साल वह अनुराग कश्यप की एक अनाम फिल्म का हिस्सा बन रही हैं। वहीं 'सॉन्ग ऑफ पैराडाइज' नाम का एक प्रोजेक्ट भी कर चुकी हैं। एक्टिंग के अलावा सबा आजाद बतौर सिंगर भी एक्टिव रहती हैं।

कार्तिक आर्यन ने शुरू की नागज़िला की शूटिंग

बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद युवा सितारों में से एक बन चुके कार्तिक आर्यन ने अपनी इस फिल्म की पहली वर्षगांठ पर अपने करियर का एक नया सिनेमाई अध्याय शुरूते हुए अपनी नई क्रीचर-कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म 'नागज़िला' की शूटिंग शुरू कर दी है। 'फुकरे' फेम मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। कार्तिक आर्यन ने आज सुबह ही अपने दर्शकों को यह खुशखबरी अपने सोशल मीडिया पर फिल्म की मुहूर्त शॉट की झलकियों के साथ साझा की है। इसमें वह क्लैपबोर्ड पकड़े मुस्कराते हुए नज़र आ रहे हैं और उनकी मोहक मुस्कान सब कुछ कह रही है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है, भूल भुलैया 3 को हुए एक साल और नागजिला की हुई शुरुआत। हर हर महादेव। 14 अगस्त 2026 'नागज़िला', करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, एक जॉनर-बेंडिंग एंटरटेनर है, जिसमें रोमांचक क्रीचर थ्रिल्स को कार्तिक आर्यन की पहचान बन चुके ह्यूमर और आकर्षण के साथ जोड़ा गया है।

आगे बढ़ी 'अल्फा' की रिलीज डेट, अगले साल सिनेमाघरों में दिखेगी आलिया भट्ट और शरवरी की एक्शन फिल्म

बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक 'अल्फा' का इंतजार फैंस बड़ी ही बेसब्री के साथ कर रहे हैं। इस बीच जानकारी सामने आई है कि आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की जोड़ी वाली यह दमदार एक्शन फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है। यह फिल्म पहले क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) के इस बड़े प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों में शुरुआत से ही उत्साह है, क्योंकि यह पहली बार होगा जब उनके लोकप्रिय स्पाई यूनिवर्स में एक महिला-प्रधान कहानी देखने को मिलेगी। 'अल्फा' में आलिया भट्ट और शरवरी को एक्शन अवतार में देखना फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होगा, लेकिन इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि मेकर्स ने फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला किया है। वाईआरएफ के एक प्रवक्ता ने मीडिया के साथ साझा किए गए एक बयान में बताया, 'फिल्म की रिलीज डेट बदलने की मुख्य वजह इसका विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) है। फिल्म का स्केल बहुत बड़ा है और इसके एक्शन सीन विजुअली बेहद शानदार बनाए जा रहे हैं। टीम को लगा कि दिसंबर की डेडलाइन तक सब काम पूरा करना संभव नहीं होगा। फिल्ममेकर्स किसी भी तरह की जल्दबाजी नहीं करना चाहते, इसलिए रिलीज डेट को आगे बढ़ाया गया। '

कंपनी के प्रवक्ता ने आगे बताया कि वीएफएक्स टीम को अपेक्षा से ज्यादा समय लग रहा है और वे कोई समझौता नहीं करना चाहते। इसी कारण अब फिल्म को अप्रैल 2026 में रिलीज करने का फैसला किया गया है। हम चाहते हैं कि दर्शकों को यह फिल्म बड़े पर्दे पर एक शानदार अनुभव दे और इसके लिए थोड़ा और वक्त देना सही रहेगा। फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ पहली बार साथ नजर आएंगी। दोनों का किरदार बेहद शक्तिशाली और एक्शन से भरपूर बताया जा रहा है।

टैबू को तोड़तीं काम्या पंजाबी: मेनोपॉज एक शक्ति है, विराम नहीं, आगामी फिल्म से छिड़ी बहस

अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने मेनोपॉज यानी रजोनिवृत्ति पर अपने बेबाक बयान से एक सशक्त बातचीत को जन्म दिया है। उन्होंने मेनोपॉज को पतन के बजाय सशक्तिकरण का एक चरण बताते हुए इसे लेकर समाज में व्याप्त चुप्पी को तोड़ने का आह्वान किया है। अपनी आगामी फिल्म 'मी नो पॉज मी प्ले' के बारे में बात करते हुए काम्या ने कहा, 'मेनोपॉज एक शक्ति है, विराम नहीं। यह वह क्षण है जब एक महिला इस बात के लिए माफी मांगना बंद कर देती है कि वह क्या है और उसने जो स्वरूप अपनाया है, उसे स्वीकार करना शुरू कर देती है।' काम्या के शब्द 'मी नो पॉज मी प्ले' की भावना को दर्शाते हैं, जिसे डिजीफिल्मिंग और मिरर्रो फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म मेनोपॉज पर बनी भारत की पहली हिंदी फीचर फिल्म है। इसका उद्देश्य समाज के सबसे गहरे टैबू (वर्जित विषय) में से एक को तोड़ना है। यह फिल्म मेनोपॉज को अंत के रूप में नहीं, बल्कि एक महिला के जीवन में एक साहसिक नई शुरुआत के रूप में चित्रित करती है। फिल्म में काम्या पंजाबी, दीपशिखा नागपाल, सुधा चंद्रन, मनोज कुमार शर्मा, एमी मिसोबाह और अमन वर्मा जैसे कलाकार शामिल हैं। यह फिल्म मेनोपॉज के दौरान महिलाओं द्वारा अनुभव किए जाने वाले भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक परिवर्तनों को दर्शाती है। यह साहस, पहचान और आत्म-स्वीकृति जैसे विषयों पर प्रकाश डालती है, जिन्हें बड़े पर्दे पर शायद ही कभी दर्शाया जाता है।

यह पुरस्कार पाने वाले

पहले अभिनेता बनेंगे आमिर खान

अभिनेता आमिर खान ने इस साल फिल्म 'सितारे जमीन पर' के जरिए खूब लोकप्रियता बटोरी है। फिल्म इस साल रिलीज सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में टॉप 10 की लिस्ट में शामिल है। अब आमिर खान को एक अवॉर्ड मिलने जा रहा है। यह सम्मान पाने वाले वह पहले अभिनेता हैं। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान को एक अवॉर्ड मिलने वाला है। इससे सम्मानित वे पहले पहले अभिनेता होंगे। इसी महीने पुणे में आयोजित एक भव्य समारोह में आमिर को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, वह भी एआर रहमान के कॉन्सर्ट में। दरअसल, दिवंगत कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण के निधन के बाद उनके परिवार ने उनकी याद में एक विशेष सम्मान शुरू करने का फैसला किया है। आमिर खान वह पहले शख्स हैं, जिन्हें यह सम्मान मिलेगा।

दिवंगत कार्टूनिस्ट की स्मृति में मिलेगा पुरस्कार

दिवंगत कार्टूनिस्ट के नाम पर शुरू किए गए पुरस्कार का नाम आरके लक्ष्मण पुरस्कार रखा गया है। यह पुरस्कार सबसे पहले बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट अभिनेता आमिर खान को मिलने वाला है। वह पहले शख्स हैं, जिन्हें इस सम्मान से नवाजा जाएगा। दरअसल, कार्टूनिस्ट की स्मृति में पहला 'आरके लक्ष्मण अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस' दिया जाएगा।

कब और कहां होगा आयोजन?

पुरस्कार समारोह का आयोजन पुणे में 23 नवंबर को होगा। इस मौके को और खास बनाने के लिए परिवार ने संगीत सम्राट एआर रहमान का एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट आयोजित किया है। यह कॉन्सर्ट 23 नवंबर 2025 को एमसीए क्रिकेट स्टेडियम, पुणे में शाम पांच बजे से शुरू होगा। इसी में आमिर खान को अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा।

इंडिपेंडेंट फिल्मों को दर्शकों तक पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती: किरण राव

भारत में इंडिपेंडेंट फिल्मों का सफर हमेशा ही चुनौतीपूर्ण रहा है। चाहे कहानी की ताकत हो या अभिनय का जादू, इन फिल्मों को बनाने के बाद सही दर्शकों तक पहुंचाना अक्सर सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। इसी मुद्दे पर फिल्ममेकर किरण राव ने 14वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (डीआईएफएफ) के दौरान अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने फिल्मों को बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाना आसान कर दिया है, लेकिन थिएटर में जाकर फिल्म देखने का अनुभव अब भी खास माना जाता है। किरण राव ने बताया कि फिल्मों के निर्माण और वितरण में कई बड़े बदलाव आए हैं, लेकिन मौजूदा समय में भी अभी कई बाधाएं हैं।